राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 334 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, शनिवार , 12 जून 2021 मूल्य रु. 1.50

पीएम और नड्डा से मिले योगी आदित्यनाथ

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री का आधिकारिक आवास पर पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की. पीएम मोदी और सीएम योगी के बीच करीब डेढ़ घंटे तक बातचीत हुई और इस दौरान दोनों के बीच कई अहम मुद्दों पर चर्चा की हुई. पीएम मोदी से मुलाकात के बाद योगी आदित्यनाथ बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करने उनके घर पहुंच गए हैं. सीएम योगी के दो दिवसीय दिल्ली दौरे से सियासी हलचल तेज है. बता दें कि इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी.

कैबिनेट विस्तार से विधान सभा चुनाव पर चर्चा– योगी आदित्यनाथ का दिल्ली पहुंचना और पीएम मोदी के अलावा अन्य केंद्रीय नेताओं से मुलाकात के बाद कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं. जहां एक ओर बताया जा रहा है कि यूपी कैबिनेट में विस्तार को लेकर यह मुलाकात हुई है, वहीं दूसरी ओर ये बात भी सामने आ रही है कि बीजेपी ने अगले साल होने वाले विधान सभा चुनाव के लिए महामंथन शुरू कर दी है. हालांकि पार्टी की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ भी नहीं बताया गया है.

मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलें तेज– आदित्यनाथ के अचानक दिल्ली पहुंचने और केंद्रीय नेताओं से मुलाकात करने के बाद एक बार फिर राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलें तेज हो गई है. इन अटकलों को तब और बल मिला जब सूत्रों ने दावा किया कि जेपी नड्डा ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और एक दिन पहले ही भाजपा में शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद, मुख्यमंत्री आदित्यनाथ से मिले. नड्डा और प्रधानमंत्री के बीच मुलाकात की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई, लेकिन जितिन प्रसाद ने मुख्यमंत्री से हुई अपनी मुलाकात को शिष्टाचार भेंट करार दिया.

इन नेताओं को मिल सकती है मंत्रिमंडल में जगह– हाल ही में भाजपा में शामिल हुए पूर्व प्रशासनिक अधिकारी और विधान परिषद के सदस्य एके शर्मा भी दिल्ली में हैं. सूत्रों का कहना है कि उन्होंने पार्टी के कुछ केंद्रीय नेताओं से मुलाकात की. एके शर्मा को प्रधानमंत्री मोदी का करीबी समझा जाता है. मुलाकातों के इस दौर के बारे में भाजपा नेताओं या पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कोई आधिकारिक जानकारी तो नहीं दी लेकिन सूत्रों ने दावा किया कि यह कवायद जितिन प्रसाद और एके शर्मा सहित कुछ अन्य नेताओं को उत्तर प्रदेश सरकार में शामिल किए जाने को लेकर है. जितिन प्रसाद राज्य के जानेमाने ब्राह्मण परिवार से हैं तो एके शर्मा भूमिहार बिरादरी से संबंध रखते हैं.

अभी कुछ दिन पहले ही भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) बीएल संतोष और पार्टी के प्रदेश प्रभारी राधामोहन सिंह ने लखनऊ का दौरा किया था और अगले साल होने वाले विधान सभा चुनाव के लिए पार्टी की तैयारियों की समीक्षा की थी. दोनों नेताओं ने इस दौरान राज्य सरकार के मंत्रियों और संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों से मुलाकात की थी.

सहयोगी दलों को साधने का प्रयास– जब अमित शाह और आदित्यनाथ की मुलाकात चल रही थी उसी समय अपना दल की अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल भी शाह के आवास पर पहुंची. अमित शाह ने ट्वीट कर आदित्यनाथ और पटेल से मुलाकात की जानकारी दी और तस्वीरें भी साझा की. उत्तर प्रदेश के ही निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय कुमार निषाद और संत कबीरनगर से सांसद प्रवीण निषाद ने भी अमित शाह से मुलाकात की. अमित शाह की पटेल और निषाद पार्टी के नेताओं से मुलाकात को आगामी विधान सभा चुनाव से पहले सहयोगी दलों को साधने के भाजपा के प्रयास के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है.

भाजपा को बड़ा झटका, मुकुल रॉय व उनके बेटे शुभ्रांशु तृणमूल में हुए शामिल

कोलकाता । बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद शुक्रवार को भाजपा को एक बड़ा झटका लगा। राज्य में भाजपा के बड़े नेता व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकुल रॉय भाजपा का साथ छोड़कर वापस तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री व तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी की उपस्थिति में कोलकाता स्थित तृणमूल भवन में उन्होंने पार्टी का दामन थामा। ममता ने पार्टी का झंडा देकर उनका स्वागत किया। मुकुल के साथ उनके बेटे व पूर्व विधायक शुभ्रांशु रॉय भी तृणमूल में शामिल हो गए।

दरअसल, चुनाव नतीजों के बाद से ही मुकुल व उनके बेटे के तृणमूल में घर वापसी की लगातार अटकलें चल रही थी। वे दोनों पिछले कुछ समय से भाजपा से दूरी बनाकर चल रहे थे। आखिरकार तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए उन्होंने तृणमूल में वापसी कर ली। गौरतलब है कि मुकुल, तृणमूल कांग्रेस के संस्थापक सदस्यों में से रहे हैं। एक समय मुकुल, ममता बनर्जी के सबसे खास माने जाते थे। हालांकि, मतभेद के बाद सितंबर 2017 में उन्होंने तृणमूल से इस्तीफा दे दिया था और नवंबर, 2017 में उन्होंने भाजपा का झंडा थाम लिया था।

मुकुल को इस बार विधानसभा चुनाव में भाजपा ने नदिया के कृष्णानगर उत्तर विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में भी उतारा था और उन्होंने जीत भी दर्ज की। हालांकि उनके बेटे शुभ्रांशु इस बार बीजपुर से चुनाव हार गए।

इधर, तृणमूल में शामिल होने से पहले मुकुल और ममता बनर्जी के बीच तृणमूल भवन में दोपहर लंबी बैठक हुई। इस बैठक में ममता बनर्जी के भतीजे सांसद व हाल में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किए गए अभिषेक बनर्जी भी मौजूद रहेंगे। गौरतलब है कि इस वक्त भाजपा में ऐसे कई नेता हैं, जो टीएमसी में लौटने की तैयारी कर रहे हैं।

इस वजह से छोड़ी भाजपा

सूत्रों का कहना है कि बंगाल भाजपा में सुवेंदु अधिकारी का कद लगातार बढ़ रहा है। उन्हें नेता विपक्ष भी बनाया गया है। ऐसे में मुकुल रॉय की बेचैनी लगातार बढ़ रही थी, जिसके चलते उन्होंने अपनी पुरानी पार्टी में लौटने का फैसला किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, कोरोना वैक्सीन की बर्बादी में कमी से टीकाकरण में वृद्धि होगी सुनिश्चित

नई दिल्ली । कोरोना महामारी को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि जहां 7 मई को देश में प्रतिदिन के हिसाब से 4,14,000 मामले दर्ज किए गए थे। पिछले 24 घंटों में 91,702 मामले देश में दर्ज किए गए हैं। पिछले 4 दिनों से देश में 1 लाख से कम नए मामले दर्ज किए जा रहे हैं। तीन मई को देश में कोरोना का रिकवरी रेट 81.8 फीसद था, जो कि अब 94.9 फीसद हो गया है। पिछले 24 घंटों में 1,34,580 कोरोना के मरीज ठीक हुए हैं। 4 मई को देश में 531 ऐसे जिले थे, जहां प्रतिदिन 100 से अधिक मामले दर्ज किए जा रहे थे, ऐसे जिले अब 196 रह गए हैं।

इसके साथ ही केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव लव अग्रवाल ने बताया कि अब तक 24.61 करोड़ कोविड वैक्सीन की डोज दी जा चुकी हैं। स्वास्थ्यकर्मी, फ्रंट लाइन वर्कर्स की पहली डोज पर अच्छा काम किया गया, अब हमारा लक्ष्य होना चाहिए कि इनको दूसरी डोज समय पर लगे। उन्होंने कहा कि कोरोना वैक्सीन की बर्बादी में कमी से टीकाकरण में वृद्धि सुनिश्चित होगी।

देश में कोरोना की स्थित को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि अब यह महामारी स्थिर होती दिख रही है, लेकिन लोगों को अभी भी कोरोना प्रोटोकॉल और शारीरिक दूरी के मानदंडों का पालन करने की आवश्यकता है। भारत में 30 अप्रैल से 6 मई के बीच 21.6 फीसद की उच्चतम दर के बाद से साप्ताहिक कोरोना की सकारात्मकता दर में लगभग 74 फीसद की कमी आई है।

डीजल व पेट्रोल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ पेट्रोल पंपों पर विरोध प्रदर्शन करेंगे कांग्रेस कार्यकर्ता

नई दिल्ली । दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौधरी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों को वापस लेने की मांग पर शुक्रवार को दिल्ली के पेट्रोल पंपों पर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन करेंगे। चौधरी का कहना है कि संक्रमण काल में आपदा को अवसर बनाकर केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार लगातार बढ़ते पेट्रोल और डीजल के दामों पर नियंत्रण करने की बजाय टैक्स वसूलकर लोग की जेबों पर डाका डाल रही है। प्रदेश कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी, प्रदेश महिला अध्यक्ष अमृता धवन और पूर्व संसदीय सचिव अनिल भारद्वाज ने संयुक्त रूप से कहा कि केंद्र और दिल्ली सरकार की असंवेदनशीलता के कारण पेट्रोल के दाम सेंचुरी लगाने को तैयार हैं। तेल के खेल ने आज हर घर के बजट को बिगाड़ दिया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 संक्रमण आपदा में सरकारें लोगों को राहत देने की बजाय सरकारी खजाने भरने का काम कर रही हैं और लोगों पर अतिरिक्त बोझ पड़ने के कारण उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है।

भारतीय युवा कांग्रेस ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी के नेतृत्व में बृहस्पतिवार को पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया गया। इस अवसर पर युवा कांग्रेस के साथियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी को कुरियर के माध्यम से साइकिल भेंट भेजी गई। इसके साथ ही युवा कांग्रेस के साथियों ने केंद्र सरकार को आइना भी दिखाया ताकि सरकार अपनी नींद से जागे और अपने वायदों को याद करे जो उन्होंने देश की जनता के साथ किए थे। श्रीनिवास ने कहा कि ऐसी विषम परिस्थिति में दुनिया की किसी भी सरकार ने अपनी जनता पर इतने अत्याचार नहीं किए होंगे, जितने मोदी सरकार कर रही है। पिछले पांच महीनों में 43 बार पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाए गए हैं। भाजपा जब विपक्ष में थी तो पेट्रोल डीजल की पांच रुपए की वृद्धि पर सड़कों पर प्रदर्शन करती हुई दिखती थी पर आज जब चौतरफा महंगाई की मार है तो सब मौन है, आज युवा कांग्रेस ने उन्हें नींद से जगाने का प्रयास किया है।

स्वास्थ्यकर्मियों को टीके की दूसरी खुराक देने की प्रभावी योजना बनाएं राज्य - केंद्र

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने स्वास्थ्य कर्मियों और अग्रिम मोर्चे पर कार्यरत कर्मियों में टीकाकरण के निम्न स्तर, खासतौर पर दूसरी खुराक के मामले को गंभीर चिंता करार देते हुए रायों और केंद्र शासित प्रदेशों को गुरुवार को सलाह दी कि वे प्राथमिकता वाले समूह को दूसरी खुराक देने पर ध्यान केंद्रित करें एवं इसके लिए प्रभावी योजना बनाएं। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक, टीकाकरण में प्रगति के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण की अध्यक्षता में रायों के साथ उचस्तरीय बैठक हुई और इस दौरान रेखांकित किया गया कि 82 प्रतिशत स्वास्थ्यकर्मियों (एचसीडब्ल्यू) को ही टीके की पहली खुराक दी गई है, जबकि दूसरी खुराक के मामले में यह संख्या महज 56 प्रतिशत है।

बयान के मुताबिक पंजाब, महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा, तमिलनाडु और असम सहित 18 रायों और केंद्र शासित प्रदेशों में इस समूह के टीकाकरण का प्रतिशत राष्ट्रीय औसत से कम है।बयान में कहा गया कि अग्रिम मोर्चे पर कार्यरत कर्मियों (एफएलडब्लू) में 85 प्रतिशत को टीके की पहली खुराक दी गई, लेकिन दूसरी खुराक केवल 47 प्रतिशत कर्मियों को ही दी गई है।

इसके मुताबिक बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, पुडुचेरी, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब सहित कुल 19 राय एवं केंद्र शासित प्रदेश ऐसे हैं जहां पर अग्रिम मोर्चे के कर्मियों को दूसरी खुराक देने का प्रतिशत राष्ट्रीय औसत से कम है।केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने दोहराया कि महामारी से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवा की रक्षा व इस समूह के बीच सार्वभौमिक टीकाकरण जरूरी है। लाभार्थियों की पूर्ण सुरक्षा के लिए समय पर टीकाकरण अहम है। बयान के मुताबिक रायों को इस समूह के टीकाकरण के लिए विशेष समय और सत्र निर्धारित करने का सुझाव दिया गया।भूषण ने रेखांकित किया कि कोरोना टीकाकरण अभियान में निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी अपर्याप्त है। संशोधित दिशानिर्देश के मुताबिक निजी अस्पताल कुल उपलब्ध टीकों का 25 प्रतिशत खरीद सकते हैं।

रक्षामंत्री राजनाथ ने किया बीआरओ के दो उत्कृष्टता केंद्रों का उद्घाटन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के दो उत्कृष्टता केंद्रों का उद्घाटन किया। देश में बीआरओ की स्थापना सड़कों, पुलों, सुरंगों आदि के निर्माण को बढ़ावा देने के साथ ही सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि एक उत्कृष्टता केंद्र देश के पूर्वी और पश्चिमोत्तर हिस्सों में लगभग 60,000 किलोमीटर सड़कों, 56,000 मीटर पुलों, 19 हवाई पट्टियों और चार सुरंगों के विकास के क्रम में बीआरओ को मिले अनुभव को संस्थागत रूप देगा। दोनों केंद्र राष्ट्रीय राजधानी में बीआरओ मुख्यालय में स्थापित किए गए हैं।

इस मौके पर रक्षा मंत्री सिंह ने दोनों केंद्रों की स्थापना में बीआरओ के प्रयासों की सराहना कर भेरासा जताया कि वे लोगों की कीमती जान को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सिंह ने सड़क दुर्घटनाओं को मूक महामारी बताया जिसमें हर साल करीब 1.5 लाख लोगों की मौत होती है।उन्होंने कहा कि सरकार ने राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा नीति, मोटर वाहन कानून 2020 और राष्ट्रीय राजमार्गों पर खतरनाक स्थानों की पहचान जैसी कई पहल की हैं ताकि इस संकट का सामना किया जा सके। सिंह ने दूरदराज के इलाकों में सड़कों, सुरंगों और अन्य आधारभूत ढांचे का विकास कर देश की प्रगति में बीआरओ की भूमिका की भी सराहना की। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में, खासकर कोविड के दौरान सड़क संपर्क बढ़ाने के लिए कठिन मौसम में भी अथक रूप से काम करने के लिए बीआरओ की सराहना की।

उन्होंने कहा कि बीआरओ सशस्त्र बलों की जरूरतों को पूरा करने के साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास की दिशा में भी काम कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से बीआरओ की हालिया उपलब्धियों का जिक्र किया, जिनमें रोहतांग और जोजिला दर्रे में अटल सुरंग का निर्माण शामिल है।

कोवैक्सीन को अमेरिका में मंजूरी नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत बायोटेक की कोरोना वैक्सीन कोवैक्सीन को झटका लगा है। अमेरिका ने वैक्सीन को इमरजेंसी इस्तेमाल की मंजूरी देने से मना कर दिया है। कहा जा रहा है कि पूरे डेटा न होने के कारण ये फैसला लिया गया है। अमेरकी खाद्य और दवा नियामक ने इसके अमेरिकी साझेदार ओक्यूजेन इंक को सलाह दी है, कि वहां भारतीय वैक्सीन के इस्तेमाल की मंजूरी हासिल करने के लिए और अधिक डेटा के साथ जैविक लाइसेंस आवेदन के तहत फिर से आवेदन करें। बता दें कि कोवैक्सीन भारत की पहली और फिलहाल एकमात्र स्वदेशी वैक्सीन है।

ओक्यूजेन ने कहा था कि वहां एफडीए की सलाह के अनुसार कोवैक्सीन के लिए बीएलए दाखिल करेगी। बीएलए, एफडीए की पूर्ण अनुमोदन व्यवस्था है, जिसके तहत दवाओं और टीकों की मंजूरी दी जाती है।इसके बाद कोवैक्सीन को अमेरिकी मंजूरी मिलने में थोड़ा और वक्त लग सकता है। ओक्यूजेन ने कहा, कंपनी अब कोवैक्सीन के लिए इमरजेंसी इस्तेमाल की अनुमति पाने की कोशिश नहीं करेगी। इसके साथ ही कुछ अतिरिक्त जानकारी और डेटा के लिए अनुरोध भी किया गया है।

बता दें कि अमेरिका में इमरजेंसी इस्तेमाल के मंजूरी न मिलने का मतलब ये नहीं है कि वैक्सीन में कोई कमी है। बल्कि अमेरिका की एफडीए वैक्सीन ट्रायल के कुछ और नतीजों को देखना चाहती है। मसलन एफडीए ये जानना चाहती है कि ये वैक्सीन कितनी सुरक्षित और कारगर है। बता दें कि कोवैक्सीन को डब्ल्यूएचओ से भी फिलहाल मंजूरी नहीं मिली है।

बिना किसी आनाकानी वन नेशन-वन राशन कार्ड योजना लागू करे बंगाल : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । वन नेशन-वन राशन कार्ड योजना लागू करने में आनाकानी को लेकर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को सख्त निर्देश दिए हैं. कोर्ट ने कहा है कि बिना किसी बहाने के पश्चिम बंगाल सरकार ये योजना तत्काल लागू करे. कोर्ट ने साफ कहा-आप एक के बाद दूसरी समस्या नहीं गिना सकते, ये अप्रवासी मजदूरों का मामला है. प्रवासी मजदूरों को सस्ते दर पर या मुफ्त अनाज दिए जाने के मामले में आज सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित कर लिया है. सुनवाई के आखिरी दिन में सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार से कहा कि उसे केंद्र सरकार की एक देश-एक राशन कार्ड योजना को लागू करना ही होगा. पश्चिम बंगाल सरकार की वकील ने कहा कि आधार कार्ड की दिक्कतों की वजह से ये योजना लागू नहीं हो पाई है.

इस पर जस्टिस एम आर शाह ने कहा कि ऐसा कोई बहाना नहीं चलेगा. जब सारे राज्य ये कर चुके हैं तो पश्चिम बंगाल को क्या दिक्कत है. हर हाल में ये योजना लागू होना चाहिए. कोर्ट के इस रुख को देखते हुए पश्चिम बंगाल सरकार के वकील ने इस बाबत सहमति जताई.

एक देश-एक राशन कार्ड योजना के तहत प्रवासी मजदूर के पास चाहे किसी भी राज्य का राशन कार्ड हो उसे दूसरे राज्य में राशन मिल जाएगा. सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को भी लताड़ लगाई. दरअसल केंद्र सरकार को एक वेबसाइट बनाना है जिसमे सभी प्रवासी मजदूर का रजिस्ट्रेशन होना है. उसी के आधार पर उन मजदूरों को सरकारी सुविधा दी जाएगी.

वेबसाइट न बना पाने पर जताई नाराजगी–ये वेबसाइट पिछले साल नवंबर से बन रही है लेकिन अभी तक तैयार नहीं हुई है. आज सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल ने इस काम को पूरा करने के लिए और समय मांगा. इस पर जस्टिस एम आर शाह ने कहा कि ये सिर्फ अधिकारियों पर नहीं छोड़ा जा सकता. ये इतना बड़ा कोई काम नहीं है. कोई सर्वे नहीं करना है. सिर्फ एक मैकेनिज्म बनाना है जहां डेटा जमा किया जा सके. लेकिन सरकार के अधिकारियों ने कुछ नहीं किया. सिर्फ इसलिए कि अधिकारियों के पास वक्त नहीं है, इस काम को हमेशा के लिए नहीं टाला जा सकता. आज इस मामले में सुनवाई पूरी हो गई. कोर्ट अब अपना फैसला सुनाएगा कि प्रवासी मजदूरों की मदद के लिए केंद्र और राज्य सरकारों की क्या भूमिका होगी.

चीनी जासूस ने पूछताछ में किए कई खुलासे

नई दिल्ली । बांग्लादेश बॉर्डरसे भारत में घुसपैठकर दाखिल होने वाले चीनी जासूस ने कड़ी पूछताछ में खुलासा किया है कि वो पिछले दो सालों में करीब 1300 भारतीय सिम कार्ड स्मगलिंग करके चीन ले जा चुका है। बीएसएफ और खुफिया एजेंसियों की पूछताछ में चीनी जासूस हान जुनवे ने इस बात का भी खुलासा किया कि चीन में इन सिम कार्ड्स से भारत के अहम एकाउंट्स को हैक करने और फाइनेंशियल फ्रॉड्स में इस्तेमाल किया जाता था। करीब36 घंटे की कड़ी पूछताछ के बादबीएसएफ ने चीनी जासूस हान जुनवे को पश्चिम बंगाल पुलिस के हवाले कर दिया। अब आगे की कानूनी कार्यवाही पश्चिम बंगाल पुलिस ही करेगी। इस बाबत मालदा जिले के कालियाचक इलाके की एक थाने में उसपर मुकदमा दर्ज किया गया है। बीएसएफ के मुताबिक, हान जुनवे ने साल 2019 में गुरूग्राम में अपने एक बिजनेस पार्टनर, सुन जियांग के साथ स्टार-स्प्रिंग नाम का एक बड होटल खोला था। लेकिन ये दोनों इस होटल की आड़ में जासूसी और भोले-भाले भारतीयों की जेब में सेंध लगाने का काम करते थे। बीएसएफ के मुताबिक, फर्जी दस्तावेजों के आधार पर ये दोनों भारतीय सिम कार्ड खरीदते थे। उसके बाद अंडरग्रामेंट्स में इन सिम-कार्ड्स को छिपाकर चीन ले जाते थे। चीन में इन सिम-कार्ड्स का इस्तेमाल एकाउंट्स को हैक करने के लिए इस्तेमाल किया जाता था। हालांकि, बीएसएफ ने इस बात का खुलासा नहीं किया है कि किस तरह के भारतीय एकाउंट्स को हैक करने का काम हान जुनवे और सुन जियांग करते थे।

जयशंकर ने खाड़ी देशों में भारत के राजदूतों के साथ की बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने खाड़ी देशों में भारत के राजदूतों के साथ बैठक की और क्षेत्र के लिए विमान सेवा जल्द से जल्द बहाल करने और कोविड-19 के व्यवधान के कारण अलग हुए परिवारों को फिर से मिलाने की व्यवस्था करने समेत कई मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। जयशंकर वीरवार को तेल संपन्न खाड़ी देश पहुंचे। उन्होंने कुवैत में भारतीय दूतावास में अन्य राजदूतों की मौजूदगी में महात्मा गांधी की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया।

विदेश मंत्री ने ट्वीट किया सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ईरान, कुवैत, ओमान, कतर और बहरीन में भारतीय राजदूतों से आज सार्थक बैठक की अगुवाई की। उन्होंने कई ट्वीट किए जिनमें बताया कि राजदूतों के साथ जो बातचीत हुई वह संबंधित क्षेत्रों में रह रहे भारतीय समुदाय का बेहतर कल्याण सुनिश्चित करना, कोविड की बाधाओं के कारण जुदा हुए परिवारों को फिर से मिलाना, महामारी के दौरान खाड़ी क्षेत्र छोड़ चुके भारतीय प्रतिभाओं और कौशल की जल्द से जल्द वापसी, अप्रवासी भारतीयों (एनआरआई) की मदद के मकसद से खाड़ी देशों के लिए विमान सेवा जल्द से जल्द बहाल करने और देश में आर्थिक गतिविधियों को पटरी पर लाने के लिए हमारे कारोबारी हितों को मजबूती से गति देने जैसे मुद्दों पर केंद्रित थी।

एस जयशंकर ने भरोसा जताया कि राजदूत और दूतावास इन प्राथमिकताओं को पूरा करेंगे। इससे पहले उन्होंने गुरूवार को कुवैत के अपने समकक्ष शेख अहमद नासिर अल-मोहम्मद अल-सबा से सार्थक बातचीत की। इस दौरान दोनों नेताओं ने स्वास्थ्य, भोजन, शिक्षा, ऊर्जा, डिजिटल और व्यापारिक सहयोग समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान दोनों पक्षों ने एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए जो कुवैत में भारतीय कामगारों को कानूनी सुरक्षा प्रदान करेगा। एस जयशंकर कुवैत के अमीर शेख नवाफ अल-अहमद अल-जबर अल-सबा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का निजी पत्र लेकर पहुंचे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री शेख सबा खालिद अल-हमद अल-सबाह से भी बातचीत की।

हाईकोर्ट में अपील कर सकेंगे जेल में बंद कुलभूषण जाधव, पाक नेशनल असेंबली ने पास किया विधेयक

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली ने उस विधेयक को मंजूरी दे दी है, जो भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव को अपनी सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील करने की अनुमति प्रदान करता है। यह विधेयक अंतरराष्ट्रीय अदालत के फैसले को अमल में लाने के लिए समीक्षा और पुनर्विचार का अधिकार प्रदान करता है। 21 सदस्यीय स्थाई समिति की स्वीकृति के बाद नेशनल असेंबली ने गुरुवार को इस विधेयक को मंजूरी प्रदान की। इसे इंटरनेशनल कोर्ट आफ जस्टिस (रिव्यू एंड री-कंसीडेरेशन) एक्ट नाम दिया गया है।

जाधव मामले में अंतरराष्ट्रीय अदालत के फैसले के मद्देनजर पाकिस्तान सरकार नेशनल असेंबली में एक अध्यादेश लाई थी। यह एक्ट पूरे पाकिस्तान में लागू होगा और तत्काल प्रभावी हो जाएगा। आपको बता दें कि यह सब अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के उस फैसले के बाद संभव हो सका है जिसमें कोर्ट ने पाकिस्तान की नेशनल असेंबली को फैसले पर पुनर्विचार और इसकी समीक्षा करने को कहा था। इमरान सरकार ने, विरोधियों को दरकिनार कर वर्ष 2020 में आईसीजे के फैसले के मद्देनजर नेशनल असेंबली में एक अध्यादेश पास किया था। भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारी कुलभूषण जाधव को पाकिस्तान की सैन्य अदालत ने वर्ष 2017 में जासूसी करने और आतंकवाद के आरोप में मौत की सजा सुनाई थी।

भारत ने पाकिस्तान की सैन्य अदालत के फैसले और पाकिस्तान की सरकार द्वारा जाधव को काउंसलर एक्सेस देने से इनकार करने के खिलाफ हेग की इंटरनेशनल कोर्ट में अपील की थी।

हेग की अदालत ने वर्ष 2019 में कहा कि जाधव को मिली सजा की समीक्षा होनी चाहिए और इस पर पुनर्विचार करने की भी बात हाईकोर्ट ने कही थी। हाईकोर्ट ने पाकिस्तान सरकार को लताड़ते हुए यह भी कहा था कि जाधव को काउंसलर एक्सेस मिलना उसका अधिकार है, जिससे उसको वंचित नहीं करना चाहिए।

पाकिस्तान नेशनल असेंबली में इस बिल के पास होने के बाद हाईकोर्ट को इसका अधिकार मिल जाएगा कि वह वियना संधि के मद्देनजर किसी विदेशी नागरिक पर हुए कोर्ट के फैसले की समीक्षा और इस पर पुनर्विचार कर अपना निर्णय सुनाए। इस बिल का प्रभाव पूरे पाकिस्तान पर भी पड़ेगा। इस विधेयक के पास होने के बाद पाकिस्तान की जेल में बंद कोई भी विदेशी नागरिक जिसको पाकिस्तान की सैन्य अदालत से सजा मिली हो, अपने देश के काउंसलर ऑफिसर के जरिए हाईकोर्ट में अपील कर सकेगा। हाईकोर्ट संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत इस अपील पर विचार करेगा।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष इस्लामाबाद हाईकोर्ट की बड़ी बैंच ने जाधव समेत तीन अन्य भारतीय कैदियों की सजा पूरी होने के बाद रिहाई न होने पर सुनवाई शुरू की थी। इसी वर्ष जनवरी में भारतीय विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान की ये कहते हुए कड़ी आलोचना भी की थी कि वह अंतरराष्ट्रीय कोर्ट द्वारा कही गई बातों पर अमल नहीं कर रहा है।

रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में राष्ट्रपति क्लोस लोहानिस सैनिकों के स्मारक पर एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

वेस्ट बैंक इलाके में इजरायल के हाथों मारे गये अपने साथ सुरक्षाकर्मी के ताबूत को ले जाते हुए फिलिस्तीनी सैनिक।

अफगानिस्तान से जल्द शुरू होगी सैनिकों की वापसी प्रक्रिया : लॉयड ऑस्टिन

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा कि अफगानिस्तान में अमेरिका का अभियान पूरा हो गया है और उनका विभाग वहां से अपने लोगों और साजो सामान को बाहर निकालने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अप्रैल में ऐलान किया था कि अफगानिस्तान से इस साल 11 सितंबर तक सभी अमेरिकी सैनिकों को वापस बुला लिया जाएगा। बजट प्रस्ताव पर सुनवाई के दौरान ऑस्टिन ने संसद की सशस्त्र सेवा समिति को बताया कि अमेरिका ने अफगानिस्तान से अपने काफी साजोसामान निकाले हैं। उन्होंने कहा कि हम अभी काफी कुछ चीजें कर रहे हैं। खुफिया, निगरानी और सैनिक सर्वेक्षण मिशन जीसीसी (खाड़ी सहयोग परिषद) से भेजे जा रहे हैं, हमारे कई युद्धक विमान अभियान खाड़ी से चलाए जा रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा 11 सितंबर तक सभी अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने के लिए उन्हें वहां से निकालने की प्रक्रिया चलती रहेगी। ऑस्टिन ने कहा राष्ट्रपति का साफ मानना है कि अफगानिस्तान में हमारा अभियान पूरा हो गया है। हम अपने लोगों तथा साजो सामान को बाहर निकालने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आगे आतंकवाद के खिलाफ हमारे प्रयास उन चरमपंथियों पर केंद्रित होंगे जो हमारे देश पर हमला कर सकते हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अमेरिका सैनिकों को वापस बुलाने के बाद भी अफगानिस्तान के लोगों के साथ अच्छा और सार्थक रिश्ता रखना चाहता है। उन्होंने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उनकी सेना को वित्त पोषण मुहैया कराते रहें और उनकी सरकार को भी समर्थन देते रहें। यह समर्थन इस लिहाज से भी अहम है कि सरकार काम करने में सक्षम हो और सेना का प्रभाव बरकरार रहे। आतंकवाद के खिलाफ हमारा अभियान अल-कायदा पर केंद्रित है और हमें विश्वास है कि हमारे पास अभियान जारी रखने का अधिकार होगा।

जापानी प्रधानमंत्री सुगा ने ताइवान को देश बताया, चीन को मिर्ची लगी

टोक्यो, (एजेंसी)। जापानी प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा द्वारा ताइवान को देश बताने पर चीन को मिर्ची लग गई है। बता दें कि इस स्व-शासित द्वीप को ड्रैगन अपना हिस्सा मानता है, वहीं ताइवान खुद को स्वतंत्र देश समझता है। विपक्षी नेताओं के साथ अपनी पहली आमने-सामने की संसदीय बहस में, सुगा ने ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और ताइवान का नाम लेकर कहा कि ये तीन देश कोरोना की रोकथाम के लिए निजी अधिकारों पर कड़े प्रतिबंध लगा रहे हैं। ताइवान को आमतौर पर जापान में क्षेत्र कहा जाता है।

दोनों देश सात दशकों से अधिक समय से अलग-अलग शासित हैं। इसके बाद भी चीन ताइवान पर पूर्ण संप्रभुता का दावा करता है। दूसरी ओर, ताइपे ने अमेरिका सहित अन्य देश के साथ रणनीतिक संबंधों को बढ़ाकर चीनी आक्रामकता का मुकाबला किया है, जिसका बीजिंग द्वारा बार-बार विरोध किया जाता है। चीन ने धमकी दी है कि ताइवान की आजादी का मतलब युद्ध है।

सुगा ने ताइवान को उस समय में देश बताया है, जब टोक्यो और बीजिंग पहले से ही कई मुद्दों आमने सामने हैं। इसमें पूर्वी चीन सागर को लेकर क्षेत्रीय विवाद और हांगकांग पर कार्रवाई शामिल है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि चीन ने जापान की टिप्पणी पर गहरा असंतोष व्यक्त कर इसके खिलाफ गंभीर विरोध दर्ज कराया है।

सुगा की सरकार लोकतांत्रिक ताइवान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत कर रही है। हाल ही में, जापान ने ताइवान को 12 लाख से अधिक कोरोना वैक्सीन की खुराक दान किए थे। चीन ने टीके दान करने के लिए जापान को लताड़कर राजनीतिक कदम बताया था। अप्रैल में वाशिंगटन में अपने शिखर सम्मेलन में, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ सुगा ने ताइवान स्ट्रेट में शांति और स्थिरता के महत्व को चर्चा की थी। यह 52 वर्षों में पहली बार था जब जापानी और अमेरिकी नेताओं ने एक संयुक्त बयान में ताइवान का उल्लेख किया।

फ्रांस के राष्ट्रपति को थप्पड़ मारने वाले शख्स को चार महीने की सजा

वालेंस। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को थप्पड़ मारने के अपराध में एक अदालत ने 28 वर्षीय व्यक्ति को चार माह की सजा सुनाई। वह खुद को दक्षिणपंथी या अति दक्षिणपंथी देशभक्त बताता है। अदालत ने डेमियन तरेल पर फ्रांस में कभी भी सार्वजनिक पद पर आसीन होने और पांच साल तक हथियार रखने पर भी रोक लगा दी है। उसने मंगलवार को राष्ट्रपति के मुंह पर उस समय थप्पड़ मारा था जब वह लोगों से मिल रहे थे। सुनवाई के दौरान तरेल ने कहा कि हमला आवेग में आकर किया गया था और पहले से इसकी कोई योजना नहीं बनाई गई थी। सुनवाई के दौरान वह दक्षिणी शहर वालेंस की अदालत में सीधा बैठा रहा और उसने कोई भाव प्रदर्शित नहीं किए। अदालत ने उसे सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ हिंसा करने के आरोप में दोषी ठहराया। उसे चार माह की जेल सजा सुनाई गई है और 14 महीने की निलंबित सजा दी गई है। फैसले के बाद उसकी प्रेमिका रोने लगी। तरेल ने राष्ट्रपति को थप्पड़ मारते समय सदियों पुराने शाही युद्ध का नारा लगाया और खुद को दक्षिण पंथी या अति दक्षिणपंथी देशभक्त बताया। साथ में यह भी बताया कि वह पीले जैकेट आर्थिक आंदोलन का सदस्य है जो 2018-2019 में हुआ था। उसने मैक्रों के विरूद्ध किए गए अपने कृत्य और अपने विचारों का दृढ़ता से बचाव किया और यह नहीं बताया कि वह फ्रांस से कौन सी नीतियों में बदलाव करना चाहता है। उसने कहा कि मुझे लगता है कि इमैनुएल मैक्रों हमारे देश के पतन का प्रतिनिधित्व करते हैं। मैक्रों ने सुनवाई पर टिप्पणी नहीं की लेकिन इस बात पर जोर दिया कि लोकतांत्रिक समाज में कभी भी हिंसा को जायज नहीं ठहराया जा सकता है।

ड्रग माफिया की पत्नी अमेरिका में दोषी करार

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। मेक्सिको के खूंखार ड्रग माफिया जोआक्विन अल चैपो गुजमैन की पत्नी को अमेरिका में कई अपराधों के लिए दोषी करार दिया गया। एम्मा कोरोनेल ऐइसपुरो ने कोर्ट में स्वीकार किया कि उसने अपने पति को अरबों डॉलर के आपराधिक साम्राज्य को चलाने में मदद की। दोषी ठहराए जाने के वक्त अल चैपो की पत्नी हरे रंग की जेल की वर्दी पहनकर वॉशिंगटन के फेडरल कोर्ट में पेश हुई। कोर्ट ने अल चैपो की पत्नी को तीन फेडरल अपराधों के लिए दोषी ठहराया। इन आरोपों में जानबूझकर कई वर्षों से हेरोइन, कोकीन, मारिजुआना और मेथामफेटामाइन की अवैध बिक्री करने की साजिश शामिल है। इसके अलावा एम्मा कोरोनेल को मनी लॉन्ड्रिंग की साजिश और एक विदेशी नशीले पदार्थों के तस्कर के साथ लेनदेन में शामिल होने के लिए भी दोषी ठहराया गया। 31 साल की एम्मा कोरोनेल ऐइसपुरो को इस साल फरवरी में वर्जीनिया के डलेस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। इस गिरफ्तारी के बाद से ही वह जेल में बंद है।

कोर्टहाउस के बाहर कोरोनेल ऐसपुरो के वकील जेफरी लिक्टमैन ने कहा कि उसे अपने पति की आजीवन कारावास की सजा होने के बाद खुद के गिरफ्तारी की उम्मीद नहीं थी। यह निश्चित रूप से मेरे क्लाइंट के लिए परेशान करने वाला क्षण है। हम निश्चित ही इस बाधा को पार कर लेंगे। सरकारी वकील ने आरोप लगाया कि कोरोनेल एसपुरो ने सिनालोआ कार्टेल के कमांड-एंड-कंट्रोल स्ट्रक्चर के साथ मिलकर काम किया। इस महिला ने बड़ी मात्रा में ड्रग्स की तस्करी करवाने में मदद की। यह जानती थी कि इन ड्रग्स को अमेरिका लेकर जाया जा रहा है। अभियोजकों का कहना है कि मेक्सिको के सबसे शक्तिशाली ड्रग लॉर्ड के रूप में अल चैपो ने अपने 25 साल के शासनकाल के दौरान अमेरिका में कोकीन और अन्य दवाओं की तस्करी के लिए जिम्मेदार एक कार्टेल चलाया। कोर्ट में यह भी बताया गया कि एल चैपो की सिसारियो की सेना या हिट मेन उसके रास्ते में आने वाले किसी भी व्यक्ति का अपहरण, यातना और हत्या करने के आदेश का इंतजार करते रहते थे। प्रासिक्यूटर एंथनी नारदोजी ने कोर्ट से कहा कि अल चैपो की पत्नी ने अमेरिका में ड्रग्स की तस्करी के लिए सिनालोआ कार्टेल के उद्देश्यों को सहायता और प्रोत्साहन दिया। एम्मा कोरोनेल ने इस दौरान 450,000 किलोग्राम से अधिक कोकीन, 90,000 किलोग्राम हेरोइन, 45,000 किलोग्राम मेथामफेटामाइन और लगभग 90,000 किलोग्राम मारिजुआना को अमेरिका तस्करी करवाने में मदद की।

हालांकि अल चैपो के वकील ने इसका विरोध करते हुए कहा कि ड्रग्स के साम्राज्य में उसके क्लाइंट एम्मा कोरोनेल ऐइसपुरो की भागीदारी बहुत ही कम थी। वह इस बहुत बड़ी चीज का एक बहुत छोटा हिस्सा थी। इस साल की शुरूआत में जब अल चैपो की पत्नी की गिरफ्तारी हुई तो पूरी दुनिया हैरान रह गई। वह पिछले दो साल से अमेरिका में सार्वजनिक रूप से रह रही थी, लेकिन तब उसकी गिरफ्तारी के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया। 2019 में मुकदमे के दौरान सरकारी अभियोजकों ने कहा था कि इस महिला ने अपने पति को जेल से भागने में मदद की थी। सरकारी वकील ने कहा कि कोरोनेल ऐसपुरो ने अपने पति की गिरफ्तारी के बाद कार्टेल सदस्यों को संदेश देने के लिए बिचौलिए का काम किया। इतना ही नहीं, उसने अल चैपो के बेटों के साथ उनकी जेल से भागने की योजना और समन्वय करने की साजिश रची। कोर्टरूम के सूत्रों ने बताया कि एम्मा ने अपने ऊपर लगाए गए सभी अपराधों को चुपचाप सुना। उसे डर है कि अगर यह मामला नए मुकदमें तक जाता है तो सरकारी अभियोजक इन आरोपों को साबित कर सकते हैं। जब वकील ने एक अनुवादक के माध्यम से ऐम्मा से पूछा कि क्या वह सरकार द्वारा बताए गए अपराधों में शामिल रही है इसके जवाब में एम्मा ने केवल हां कहा। एम्मा के वकील ने उम्मीद जताई है कि जब उनके क्लाइंट को सितंबर में सजा सुनाई जाएगी तब उसे अपने अपराधों के लिए न्यूनतम 10 साल के कैद की ही सजा होगी।

पाकिस्तान में कोरोना वैक्सीन नहीं लगवाने वालों की सिम होगी ब्लॉक

लाहौर, (एजेंसी)। कोरोना संक्रमण को देखकर पूरी दुनिया में कोरोना वैक्सीनेशन अभियान चलाया जा रहा है। ऐसा माना जा रहा है कि अगर दुनिया की 70 प्रतिशत आबादी को कोरोना वैक्सीन लग जाती है, तब इस संक्रमण से बचा जा सकेगा। पाकिस्तान में भी कोरोना वैक्सीन को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। हालांकि वहां भी कोरोना वैक्सीन लगवाने को लेकर उदासीनता दिखाई दे रही है ।इसकारण है कि वहां की प्रांतीय सरकारें लोगों पर वैक्सीन लगवाने के लिए दबाव बना रही हैं। इसी कड़ी में अब पाकिस्तान के पंजाब प्रांत ने वैक्सीन नहीं लगवाने वाले लोगों का सिम कार्ड ब्लॉक करने का फैसला लिया है। पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ यासमीन रशीद की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि कोरोना वैक्सीन न लगवाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। बैठक में ये फैसला लिया गया कि जो कोई भी कोरोना वैक्सीन नहीं लगवाएगा, उसका सिम कार्ड ब्लॉक कर दिया जाएगा।

शराब पीकर फ्लाइट में युवक ने एयरहोस्टेस से की अश्लील हरकत, गिरफतार

लंदन, (एजेंसी)। स्पेन से इंग्लैंड जा रही एक फ्लाइट में एक 19 साल का टीनेजर शराब पीकर हुड़दंग मचाने का मामला सामने आया है। इस शख्स पर आरोप है कि उसने शराब पीकर ना केवल मास्क को लेकर बवाल किया बल्कि एयर होस्टेस के साथ छेड़छाड़ भी की। कियरॉन हैरिस इस फ्लाइट में चढ़ने से पहले वोडका पीकर आया था। ईजी जेट की ये फ्लाइट स्पेन से मैनचेस्टर जा रही थी। हैरिस ने मास्क नहीं लगा रहा था जिसके बाद एयर होस्टेस ने हैरिस से गुजारिश की कि वो अपना फेस मास्क पहन ले। इसके अलावा हैरिस को जब कहा गया कि उसे अपनी सुरक्षा के लिए सीट बेल्ट लगा लेनी चाहिए तो उस समय उसने एयर होस्टेस से बदतमीजी की और वो अश्लील कमेंट्स पास करने लगा। हैरिस ने इसके अलावा डोरोटा काजीमर्जेक नाम की एयर होस्टेस से अश्लील हरकत की और उसे कहा कि वो उसके लिए सेक्स एक्ट को परफॉर्म करे। डोरोटा ने हालांकि स्थिति को संभालने की कोशिश की और हैरिस को हदें पार करने से रोका। डोरोटी ने कहा- मुझे अपनी पर्सनल सेफ्टी की चिंता हो रही थी। हालांकि मुझे इसके बावजूद प्रोफेशनल रवैया अपनाए रखना पड़ा। फ्लाइट में मौजूद बूढ़े लोग और बच्चे इस शख्स की हरकत से घबरा भी गए थे। वो काफी आक्रामक हो रहा था और आपे से बाहर जा रहा था। इसके अलावा एयरहोस्टेस केरोलिन ने कहा- वो थोड़ी सी पीकर ही ज्यादा ही नशे में हो गया था। वो कह रहा था कि उसके काफी कनेक्शन हैं और उसे पुलिस से डर नहीं लगता। केबिन मैनेजर ने उससे बात की तो उन्हें मारने की धमकी देने लगा। उसने डोरोटी और उसके बॉयफ्रेंड को जान से मारने की धमकी भी दी। इंग्लैंड के लिवरपूल शहर में रहने वाले इस शख्स को फ्लाइट के लैंड होते ही पुलिस के हवाले कर दिया गया था। मैनचेस्टर मजिस्ट्रेट कोर्ट में इस शख्स ने स्वीकार भी किया कि उसने फ्लाइट में शराब पी रखी थी। हैरिस को फ्लाइट में अपने खराब रवैये के लिए 12 हफ्तों की जेल की सजा मिली। इसके अलावा हैरिस को सजा सुनाई गई कि अपनी अश्लील हरकतों के लिए उन्हें डोरोटा को 250 पाउंड्स का भुगतान भी करना होगा। वही हैरिस के वकील ने कोर्ट में कहा कि हैरिस को फ्लाइट में बैचेनी होती है। इसलिए उसने अपने आपको सहज करने के लिए शराब पी थी। वो अकेला उड़ान भर रहा था और उसने जो हरकत की, ऐसा वो आमतौर पर नहीं करता है।

मिस्र की राजधानी काहिरा में यूनिवर्सिटी परीक्षाओं में सामाजिक दूरी का पालन करते हुए मास्क लगाकर दूर-दूर बैठे छात्र , छात्राएं।

कोरोनारोधी टीकों की एक अरब खुराकें दान करेंगे जी7 देश : जॉनसन

सेंट आइव्ज, (एजेंसी)। सात राष्ट्रों का समूह जी7 पूरी दुनिया के साथ कोरोना वायरस रोधी टीकों की कम से कम एक अरब खुराकें साझा करने का संकल्प लेगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने यह घोषणा की है। इनमें से करीब आधी खुराकें अमेरिका दान देगा जबकि 10 करोड़ खुराकें ब्रिटेन की ओर से दी जाएंगी। जॉनसन ने इंग्लैंड में होने जा रही जी7 समूह के नेताओं की बैठक की पूर्व संध्या पर यह घोषणा की। इससे कुछ घंटे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने 50 करोड़ खुराकें दान देने का संकल्प लिया था और व्यापक एवं तीव्र गति से टीकाकरण करने की खातिर सम्पन्न देशों से समन्वित प्रयास करने को कहा था। जी7 समूह में अमेरिका और ब्रिटेन के अलावा कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान हैं। बाइडन ने कहा था कि शुक्रवार को इस समूह के देश अमेरिका के साथ मिलकर अपने टीका दान करने संबंधी संकल्पों की रूपरेखा बताएंगे। उन्होंने कहा अपने वैश्विक साझेदारों के साथ मिलकर हम इस वैश्विक महामारी से दुनिया को छुटकारा दिलाने के लिए काम करेंगे। जॉनसन के कार्यालय की ओर से बताया गया है कि पहली पांच करोड़ खुराकें आगामी हफ्तों में दी जाएंगी जबकि बाकी की खेप अगले वर्ष देंगे। उन्होंने कहा मुझे उम्मीद है कि जी7 शिखर सम्मेलन में मेरे साथी नेता इसी तरह के संकल्प लेंगे और हम मिलकर अगले वर्ष के अंत तक पूरे विश्व का टीकाकरण कर सकेंगे। इससे पहले फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों ने अमेरिका के संकल्प का स्वागत करते हुए कहा था कि यूरोप को भी ऐसा ही कदम उठाना चाहिए।

ऑक्सीजन पहुंचा नहीं सके केजरीवाल, राशन की होम डिलीवरी की बात कर रहे- रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली । दिल्ली की केजरीवाल सरकार और केंद्र सरकार के बीच राशन की होम डिलीवरी को लेकर तकरार जारी है। इसे लेकर केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने केजरीवाल सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि अरविंद केजरीवाल हर घर अन्न की बात कर रहे हैं। वह ऑक्सीजन पहुंचा नहीं सके, मोहल्ला क्लीनिक से दवा तो पहुंचा नहीं सके। हर घर अन्न भी एक जुमला है। दिल्ली सरकार राशन माफियाओं के कंट्रोल में है। देश के 34 राज्यों और केंद्र ?शासित प्रदेशों ने वन नेशन वन राशन कार्ड लागू किया। सिर्फ तीन प्रदेशों असम, पश्चिम बंगाल और दिल्ली ने इसे लागू नहीं किया। अरविंद केजरीवाल आपने दिल्ली में वन नेशन वन राशन कार्ड लागू क्यों नहीं किया, आपको क्या परेशानी है?

रविशंकर प्रसाद ने केजरीवाल सरकार निशाना साधते हुए आगे कहा कि ये होम डिलीवरी देखने में बहुत अच्छी लगती है, लेकिन इसके थोड़ा अंदर जाओ तो इसमें स्कैम के कितने गोते लगेंगे ये समझ में आ जाएगा। आप(अरविंद केजरीवाल) अपना प्रस्ताव भेजें या भारत सरकार से जो अनाज जाता है उसी पर खेल खेलेंगे। दिल्ली की राशन की दुकानों में अप्रैल 2018 से अब तक पीओएस मशीन का प्रमाणीकरण शुरु क्यों नहीं हुआ? अरविंद केजरीवाल जी एससी-एसटी वर्ग की चिंता नहीं करते हैं, प्रवासी मजदूरों की चिंता भी नहीं करते हैं, गरीबों की पात्रता की भी चिंता नहीं करते हैं।

रविशंकर प्रसाद ने यह भी कहा कि भारत सरकार देश भर में 2 रुपये प्रति किलो गेहूं, 3 रुपये प्रति किलो चावल देती है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत पिछले साल की तरह इस बार भी नवंबर तक गरीबों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। चावल का खर्चा 37 रुपये प्रति किलो होता है और गेहूं का 27 रुपये प्रति किलो होता है। भारत सरकार सब्सिडी देकर प्रदेशों को राशन की दुकानों के माध्यम से बांटने के लिए अनाज देती है। भारत सरकार सालाना करीब 2 लाख करोड़ रुपये इसमें खर्च करती है। वन नेशन, वन राशन कार्ड भारत सरकार द्वारा बहुत महत्वपूर्ण योजना शुरू की गई है। देश के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वन नेशन, वन राशन कार्ड योजना चल रही है। अभी तक इस पर 28 करोड़ पोर्टेबल ट्रांजेक्शन हुए हैं।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) और दिल्ली कांग्रेस ने नई दिल्ली के ताजमान सिंह रोड पेट्रोल पंप पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के खिलाफ विरोध करते हुए।

संक्षिप्त खबर

गृह मंत्रालय के अधिकारी का पत्नी से चल रहा विवाद, सीसीटीवी फुटेज में पत्नी को दौड़ा-दौड़ाकर पीटते नजर आए

नई दिल्ली । जीटीबी एन्क्लेव इलाके में गृह मंत्रालय के अधिकारी ने बीच सड़क पर अपनी पत्नी को जमकर पीटा। जब आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ने महिला को बचाने की कोशिश की तो अधिकारी ने नुकीली चीज से उन पर हमला कर दिया। इससे आरडब्ल्यूए अध्यक्ष विकास हांडा घायल हो गए। पुलिस ने विकास की शिकायत पर अधिकारी शंभू कुमार के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें शंभू कुमार पत्नी को दौड़ा-दौड़ा कर पीटते नजर आ रहे हैं। बताया जा रहा है शंभू गृह मंत्रालय के मतगणना विभाग में हैं। पुलिस के अनुसार विकास हांडा परिवार के साथ दिलशाद गार्डन में रहते हैं। वह दिलशाद गार्डन सी ब्लाक आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष हैं। मंगलवार रात को कालोनी में रहने वाले एक व्यक्ति ने फोन करके बताया कि शंभू कुमार नाम का शख्स अपनी पत्नी को सड़क पर काफी पीट रहा है। वह मौके पर पहुंचे और महिला को बचाने लगे। आरोप है कि इस बीच शंभू कुमार ने उन पर नुकीली चीज से गर्दन के पास हमला कर दिया। इसमें शंभू के हाथ पर भी चोट लग गई। मौके पर जुटे लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस को पता चला कि शंभू कुमार का पत्नी से विवाद चल रहा है। वह दिलशाद गार्डन स्थित मानव व्यवहार व संबद्ध विज्ञान संस्थान (इहबास) परिसर में सरकारी आवास में रहते हैं, जबकि उनकी पत्नी दिलशाद गार्डन के सी ब्लाक में रहती हैं। शंभू का पक्ष जानने के लिए उनसे संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे बात नहीं हो पाई।

क्राइम ब्रांच का अधिकारी बन बदमाशों ने रोका ऑटो, 50 लाख का सोना लूटकर हुए फरार

नई दिल्ली । देश की राजधानी दिल्ली में सरेआम 50 लाख रुपये के सोने की लूट को अंजाम दिया गया. वारदात दिल्ली के बाड़ा हिन्दू राव इलाके की है. पुलिस सूत्रों के मुताबिक, दरअसल यह 1 किलो सोना उत्पल मंडल नाम के सोने के व्यापारी का था. उत्पल मंडल का करोल बाग के रैगरपुरा में सोने के आभूषण का बड़ा कारोबार है, जिसको उनका डिलीवरी एजेंट सुखेंदु करोल बाग से चांदनी चौक लेकर जा रहा था. सुखेंदु अपने एक साथी के साथ ऑटो में सवार था. गुरुवार शाम करीब 4ः00 बजे सुखेंद्र जैसे ही पार्श्वनाथ मॉल के गेट पर पहुंचा तभी दो बाइक पर सवार 4 लोगों ने ऑटो रोक लिया और खुद को क्राइम ब्रांच का अफसर बताते हुए उसकी जांच शुरू कर दी. पहले ऑटो के कागज चेक किये, उसके बाद सुखेंदु से बैग खोलने को कहा. जैसे ही सुखेंदु बैग खोलता है बदमाश चेकिंग के बहाने सोने से भरा बैग लेकर फरार हो गए. जैसे ही सुखेंदु को समझ आया कि वो लुटेरों का शिकार हो चुके हैं, उन्होंने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम पर फोन कर शिकायत दी. क्राइम ब्रांच की फॉरेंसिक टीम समेत बाड़ा हिंदूराव थाने की पुलिस मौके पर पहुँच गयी और तफ़्तीश शुरू कर दी. आसपास लगे तमाम सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है.

इतनी मारामारी के बाद निजी अस्पतालों में आक्सीजन प्लांट लगाना तो दूर उसकी कार्ययोजना भी तैयार नहीं हो पाई है

नई दिल्ली। कोरोना की दूसरी लहर में आक्सीजन की कमी के कारण दिल्ली में मचे कोहराम के बाद सरकार जागी है। यही वजह है कि अब तक केंद्र व दिल्ली सरकार के करीब डेढ़ दर्जन अस्पतालों में आक्सीजन प्लांट लग चुके हैं व कई अस्पतालों में प्लांट लगाने की प्रक्रिया चल रही है। हैरानी की बात यह है कि निजी अस्पताल अभी नहीं चेते हैं। यही वजह है कि हाई कोर्ट व दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के आदेश के बावजूद ज्यादातर निजी अस्पतालों में आक्सीजन प्लांट लगाना तो दूर उसकी कार्ययोजना भी तैयार नहीं हो पाई है। लिहाजा, महानिदेशालय ने आठ जून को दोबारा आदेश जारी करते हुए कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। महानिदेशालय ने 28 मई को अस्पतालों को बेड क्षमता के अनुसार आक्सीजन की सुविधा विकसित करने व पीएसए (प्रेशर स्विंग एडसार्पशन) प्लांट लगाने का आदेश दिया। आदेश में यह भी कहा गया है कि सभी अस्पताल सामान्य दिनों में अपनी जरूरत से दोगुना आक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बुनियादी ढांचा विकसित करें। 50 बेड से कम क्षमता वाले नर्सिंग होम को भी सुविधाएं बढ़ाने का निर्देश दिया गया है। इस पर कार्ययोजना तैयार कर एक सप्ताह में महानिदेशालय को सूचित करना था। फिर भी ज्यादातर अस्पतालों से जवाब नहीं मिलने पर महानिदेशालय ने दोबारा आदेश जारी कर रिपोर्ट मांगी है। इसके बाद निजी अस्पताल आक्सीजन प्लांट लगाने की तैयारी में जुटे हैं। दिल्ली में करीब 45 निजी अस्पताल हैं जिसकी बेड क्षमता 100 से 700 के बीच है। इसके अलावा 70 अस्पतालों में बेड क्षमता करीब 50 से 100 के बीच है। इस तरह करीब 115 निजी अस्पतालों को पीएसए प्लांट लगाने के लिए कहा गया है। अब तक करीब चार बड़े अस्पतालों में प्लांट लगे हैं।

टिल्लू ताजपुरिया गैंग का शार्प शूटर हुआ गिरफ्तार, एक करोड़ की रंगदारी मामले में था वांछित

नई दिल्ली । कोरोना दिल्ली के साउथ-वेस्ट जिला पुलिस की टीम ने टिल्लू ताजपुरिया गैंग के एक शार्पशूटर को गिरफ्तार किया है. वह सागरपुर थाने के तहत हत्या के प्रयास और दिल्ली के व्यवसायी से एक करोड़ की रंगदारी के मामले में वांछित था. पुलिस ने उसके पास से पिस्टल और छह जिंदा कारतूस बरामद की है. जिला पुलिस अधिकारी ने बताया कि 1 मई को एक शिकायतकर्ता ने बताया कि उसका भतीजा साहिल निखिल उसके घर आया और उस पर पिस्टल से फायरिंग कर दी. पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई. तदनुसार सागरपुर थाने के तहत मामला दर्ज कर गंभीरता को भांपते हुए, आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार करने के लिए कई टीमों को काम सौंपा गया क्योंकि वह टिल्लू ताजपुरिया गैंग का शार्प शूटर था. पुलिस ने आरोपी के सभी परिजनों से पूछताछ की लेकिन उसका पता नही चला. बाद में पता चला कि आरोपी अपने एक रिश्तेदार से मिलने रेवाड़ी (हरियाणा) गया है. इसके बाद टीम ने रेवाड़ी में छापेमारी की. लेकिन जब तक टीम रेवाड़ी पहुंची तब तक आरोपी वहां से जा चुका था. आरोपी प्रवर्तन एजेंसी को गुमराह करने के लिए विभिन्न कॉलिंग ऐप्स का उपयोग कर रहा था.

डॉक्टर बोले ये कोरी अफवाह कि अगली लहर में अधिक बच्चे हो सकते संक्रमित

नई दिल्ली । कोरोना महामारी से तमाम लोगों ने अपनों को गवां दिया, लेकिन कोरोना से जंग में मासूमों ने बाजी मारी है। कोरोना संक्रमण से बच्चे तो संक्रमित हुए, लेकिन उन्होंने आसानी से इस महामारी को हरा दिया है। मध्य जिले में अब तक करीब 1200 बच्चे संक्रमित भी हुए, लेकिन इसमें से अधिकतर होम क्वारटाइंन में रहकर सही भी हो गए। वहीं, अब तक दो बच्चों की कोरोना के कारण मौत हो गई। मध्य जिला प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि कोरोना की अगली लहर को लेकर अभी से तैयारियां की जा रही है, जिसमें बच्चों के संक्रमण को लेकर आशंकाएं जताई जा रही हैं।

ऐसे में मध्य जिले के सरकारी व निजी अस्पताल में अभी से इसको लेकर सतर्कता बरती जा रही है। अस्पतालों में बच्चों के लिए अलग से वार्ड बनाए जा रहे हैं। उधर, कोरोना महामारी की दूसरी लहर में भी मध्य जिले के अब तक 1200 बच्चों संक्रमित हुए थे, लेकिन इसमें से 1178 बच्चे घरों में रहकर ही सही आसानी से सही हो गई। वहीं, 20 बच्चों को सरकारी व निजी अस्पतालों में भर्ती कराने की आवश्कता पड़ी। इसके अलावा दो बच्चों की इस दौरान मौत भी हुई। मध्य जिले के एडीएम नागेंद्र त्रिपाठी का कहना है कि बच्चों के अंदर रोग प्रतिरोधक क्षमता अधिक होती है। इसके चलते वह बीमारी से लड़ सकते हैं।

लोक नायक अस्पताल के डाक्टर अखिलेश का कहना है कि लोगों को कोरोना को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है, लेकिन डरने की नहीं। लोगों में अफवाह है कि अगली लहर में बच्चे अधिक संक्रमित हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के मुताबिक वह संक्रमित तो हो सकते हैं, लेकिन वह उतनी ही तेजी से सही भी हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चो की बीमारी से लड़ने की क्षमता बड़ों के मुकाबले अधिक होती है।

सुबह सवा पांच बजे तेज रफ्तार डंपर ने चार लोगों को कुचला, मरने वालों में तीन एक ही परिवार के

नई दिल्ली । दिल्ली के नजफगढ़ इलाके में आज सुबह एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत होई। मरने वालों में से तीन एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। गौरतलब है कि नजफगढ़ में तेज रफ्तार डंपर ने सुबह सुबह सैर पर निकले लोगों को कुचल दिया। डंपर की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मरने वालों में तीन एक ही परिवार से हैं। हादसा सुबह करीब सवा पांच बजे नजफगढ़ की फिरनी रोड पर हुआ है। मृतकों की पहचान अशोक, इशांत, किरण व जवाहर के रूप में हुई है। अशोक, इशांत व किरण एक ही परिवार से हैं।

डंपर चालक नशे में था या नहीं, अभी इस बात का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने डंपर चालक को गिरफ्तार कर लिया है और उसका मेडिकल करा रही है। वहीं पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हत्याएं करने के बाद भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है शाहरुख

नई दिल्ली । जेल में बंद गैंगस्टर हाशिम बाबा गिरोह का शार्प शूटर शाहरुख राजधानी में कई हत्या करने के बाद भी बेखौफ घूम रहा है। तीन माह में यह तीन हत्याएं कर चुका है। उसके बाद भी पुलिस इसे पकड़ नहीं पाई। पिछले साल जेल से जमानत पर आने के बाद से ही वह दिल्ली-एनसीआर में वारदात को अंजाम दे रहा है। दक्षिणपुरी के अंबेडकर नगर का रहने वाला शाहरुख पहले गैंगस्टर शक्ति नायडू के लिए काम करता था, लेकिन फरवरी 2020 में उत्तर प्रदेश पुलिस ने मेरठ में शक्ति नायडू को मार गिराया। इसके बाद नायडू गिरोह के बदमाश हाशिम बाबा गिरोह में शामिल हो गए। इस गिरोह के शार्प शूटर शाहरुख और डैनी हैं।

हाशिम बाबा कई साल से पुलिस की गिरफ्त से बाहर चल रहा था। पुलिस ने इस पर मकोका की धारा लगाई थी। जुलाई 2020 में हाशिम बाबा ने अपने दो गुर्गो के साथ मिलकर वेलकम इलाके में एक शख्स की गोलियों से भूनकर हत्या की थी। नवंबर 2020 में स्पेशल सेल ने हाशिम को शाहदरा इलाके से मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद शाहरुख ही गिरोह को चला रहा है। शाहरुख ने साथियों के साथ मिलकर 23 मार्च को गोलियां बरसाकर मीट कारोबारी दिलीप की हत्या की थी। इसके बाद शाहरुख ने आठ अप्रैल की रात मंडावली में सलमान उर्फ नन्हे की गोलियां बरसाकर हत्या की थी। 25 को इसने हाशिम बाबा के इशारे पर सुहैल नाम के युवक के साथ मिलकर जाफराबाद में कासिम अंसारी को 20 गोलियां मारकर छलनी कर दिया था।

पुलिस ने इस मामले में सुहैल को तो दबोच लिया, लेकिन शाहरुख उसकी पकड़ से बाहर है। क्राइम ब्रांच ने कुछ ही दिन पहले शाहरुख को हथियार की खेप देने के लिए आए तस्कर साजिद को गिरफ्तार किया था, लेकिन इससे भी शाहरुख का कुछ पता नहीं चला।

दिल्ली में अब तक हो पाई मात्र 428 खतरनाक इमारतों की पहचान

नई दिल्ली । जून के अंतिम सप्ताह में इस बार भी मानसून दस्तक दे सकता है, ऐसा पूर्वानुमान भारतीय मौसम विज्ञान विभाग जता चुका है। बावजूद इसके मानसून में हर वर्ष होने वाले हादसों को रोकने के लिए खतरनाक इमारतों का होने वाला सर्वे 75 फीसद से ज्यादा हो गया है। हालांकि इस दौरान निगमों को केवल 428 खतरनाक इमारतों का ही पता लगा है। बाकी 25 फीसद में कितनी इमारतें खतरनाक मिलेंगी, यह कहना मुश्किल है। निगमों का दावा का है कि सर्वे काफी गंभीरता से किया गया है। जो भी खतरनाक इमारतें दिखीं उन्हें नोटिस देकर या तो ढहाने का आदेश दिया गया है या फिर मरम्मत करने के निर्देश दिए गए हैं।

बुधवार को दक्षिणी निगम क्षेत्र में इमारत का हिस्सा गिरने की घटना में 25 वर्षीय छात्र की मौत ने सर्वे को कटघरे में खड़ा कर दिया है। वहीं, मुबंई में चार मंजिला इमारत के गिरने से हुई मौतों ने राजधानी को चेता दिया है।उत्तरी निगम की खतरनाक इमारतों को लेकर किए गए सर्वे की बात करें तो यहां पर 78.56 फीसद सर्वे पूरा हो चुका है। 83 लाख चार हजार एक इमारत में से 65 लाख 52 हजार 219 इमारतों का सर्वे पूरा हो गया है। इसमें 265 इमारतों को मरम्मत के निर्देश दिए गए हैं तो वहीं 424 इमारतों को खतरनाक घोषित कर दिया गया है।

इसी तरह दक्षिणी निगम की बात करें तो यहां 74 फीसद से ज्यादा सर्वे पूरा हो गया है। 11 लाख 44 हजार 954 इमारतों में छह लाख 50 हजार 267 इमारतों का सर्वे पूरा हो गया है। इसमें चार इमारतों को खतरनाक घोषित किया गया है। वहीं पूर्वी दिल्ली निगम का सर्वे चल रहा है, जिसकी रिपोर्ट तैयार की जा रही है। निगम अधिकारियों का कहना है कि आने वाले दो सप्ताह में सर्वे पूरा कर लिया जाएगा। पुरानी दिल्ली और अनधिकृत कालोनियों में ज्यादा खतराहर वर्ष मानसून के दौरान इमारतों के गिरने का खतरा पुरानी दिल्ली और राजधानी की दो हजार अनधिकृत कालोनियों में दुर्घटनाओं का ज्यादा खतरा है।

पुरानी दिल्ली में जहां इमारतें कई वर्ष पुरानी हो गई हैं, वहीं अनधिकृत कालोनियों में होने वाले निर्माण में नियमों की अनदेखी की जाती है। संकरी गलियों में बहुमंजिला इमारतें। वहीं, बिना सुरक्षा नियमों के निर्माण की वजह से मानसून में यहां घटनाएं सर्वाधिक होती हैं। आबादी घनी होने की वजह से ज्यादा लोगों की जान जाने का खतरा भी रहता है। जय प्रकाश (महापौर, उत्तरी दिल्ली नगर निगम) का कहना है किहम खतरनाक इमारतों के सर्वे को गंभीरता से कर रहे हैं। अधिकारियों को साफ निर्देश है कि किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

चिलचिलाती गर्मी से राहत पाने के लिए नई दिल्ली में एक बच्चा लीक पाइप के नीचे नहाते हुए।

एनसीआर में बढ़ा प्रदूषण, दिल्ली-नोएडा में आउटडोर गतिविधियां न करने की सलाह

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली सहित एनसीआर के कई शहरों में कोरोना मरीजों की संख्या में रोजाना कमी देखी जा रही है. दिल्ली में ही साढ़े तीन सौ के आसपास रोजाना आ रहे मामलों के साथ ही मौतों में भी गिरावट आई है हालांकि कोरोना से मिल रही राहत से बीच प्रदूषण फिर से समस्या बन रहा है. लॉक डाउन खुलने के बाद एक बार फिर इस इलाके में प्रदूषण स्तर बढ़ने लगा है. दिल्ली के अलावा एनसीआर के कई शहरों में प्रदूषण स्तर खराब और बहुत खराब की श्रेणी में पहुंच चुका है. दिल्ली की बात करें तो यहां वायु प्रदूषण खराब श्रेणी में पहुंच गया है. सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के आंकड़े देखें तो आज दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स 231 है. वहीं नोएडा में एक्यूआई 257 तक पहुंच चुका है. फरीदाबाद का एक्यूआई 245, गाजियाबाद में एक्यूआई 210 के साथ ही ग्रेटर नोएडा में 236 और मेरठ में 218 एक्यूआई के साथ प्रदूषण स्तर खराब केटेगरी में है.

ऐसे में यहां के लोगों को कोई भी बाहरी गतिविधि न करने की सलाह दी गई है. सीपीसीबी की ओर से कहा गया है कि इस प्रदूषण स्तर में सांस लेने में कठिनाई हो सकती है. इसके साथ ही अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी हो सकती हैं लिहाजा सांस और फेफड़ों की बीमारियों से जूझ रहे लोग घर पर ही रहें.

सीपीसीबी के अनुसार दिल्ली एनसीआर के बागपत और सोनीपत का हाल सबसे ज्यादा बेहाल है. यहां हवा की गुणवत्ता बहुत खराब की श्रेणी में आ गई है. जहां बागपत में एक्यूआई 314 है वहीं सोनीपत में 354 तक पहुंच गया है. ऐसे में इन दोनों शहरों में लोगों में रेस्पिरेटरी संबंधी बीमारियां होने की आशंका जताई गई है. साथ ही लोगों को घरों के अंदर ही रहने की सलाह दी गई है. एनसीआर में गुरुग्राम की स्थिति ठीक है. यहां आज का एयर क्वालिटी इंडेक्स 188 है. जो इसे मॉडरेट श्रेणी में रखता है. हालांकि सांस या फेफडों संबंधी बीमारियों से घिरे लोगों के लिए ऐसी हवा में सांस लेना थोड़ी परेशानी पैदा कर सकता है लेकिन फिर भी यहां की हवा दिल्ली और अन्य शहरों से ठीक है.

तुरंत कमाई का लालच, व्हाट्सऐप, टेलीग्राम पर मैसेज, चीनी जालसाजों ने 5 लाख भारतीयों से यूं उड़ाए 150 करोड़

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस ने चीन स्थित प्रतिष्ठानों द्वारा भारत में ऐप के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग जैसे अब तक के सबसे बड़े वित्तीय फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया है. पुलिस ने इस मामले में दो सीए, एक तिब्बती महिला और आठ अन्य को गिरफ्तार किया है. पुलिस कमिश्नर एसएन श्रीवास्तव ने बताया कि लगभग पांच लाख भारतीयों को इन्वेस्टमेंट के नाम पर चीनियों ने चूना लगाया है, साथ ही तुरंत कमाई टाइप के मोबाइल ऐप के जरिए भारतीयों के संवेदनशील डाटा को भी हासिल किया है. पुलिस ने बताया ने मल्टी लेवल मार्केटिंग अभियान के जरिए चीनियों ने दो महीने के भीतर 150 करोड़ रुपये का गबन किया है. पुलिस के मुताबिक 11 करोड़ रुपये देश के कई बैंकों और पेमेंट गेटअवे में ब्लॉक किए गए हैं, इसके साथ ही गुरुग्राम स्थित एक सीए से पुलिस ने 97 लाख कैश बरामद किया है, जिसने चीनी जालसाजों को 110 से यादा कंपनियां बनाने में मदद की है. पुलिस ने कहा, ये लोग इन्वेस्टमेंट पर बेहतरीन रिटर्न का लालच देकर लोगों को अपने जाल में फंसाते थे. जैसे 24 से 35 दिन में निवेश की गई रकम को दोगुना कर देना. ये लोग ऐसी स्कीम चलाते थे, जिसमें घंटों और दिन के हिसाब से रिटर्न मिलता था. एक व्यक्ति 300 रुपये से लेकर कई लाख तक निवेश कर सकता था. इनमें से एक ऐप था पावर बैंक और दूसरा हाल में गूगल प्ले स्टोर पर नंबर 4 पर ट्रेंड कर रहा था.

पुलिस ने बताया कैसे हुआ भंडाफोड़- ऑपरेशन के बारे में बताते हुए डीसीपी अन्येश रॉय ने कहा कि साइबर क्राइम सेल ने पाया कि सोशल मीडिया पर लोगों के कई पोस्ट पावर बैंक और ईजेडप्लान के बारे में थे.

डीसीपी ने कहा, एसीपी आदित्य गौतम ने लैब में इन ऐप्स के बारे में रिसर्च की. EZPlan एक वेबसाइट के जरिए उपलब्ध था, जबकि Power Bank को बेंगलुरु स्थित टेक्नोलॉजी स्टार्टअप बताया गया था, जोकि क्विक चार्जिंग टेक्नोलॉजी पर काम करता है. लेकिन ये सबकुछ लोगों को झांसा देने के लिए था. इन दोनों ऐप्स के सर्वर चेक किए गए तो सर्वर चीन स्थित पाया गया.

शुरू में मिलता था 5 से 10 फीसदी रिटर्न

इन ऐप्स के जरिए लोगों से कैमरा, फोन नंबर लिस्ट के लिए एक्सेस मांगी जाती थी, साथ ही एक्सटर्नल स्टोरेज के लिए रीड एंड राइट की एक्सेस मांगी जाती. यादा से यादा लोगों तक पहुंचने और उन्हें निवेश के लिए उकसाने खातिर उनके निवेश पर शुरू में 5 से 10 प्रतिशत का रिटर्न दिया जाता था. पुलिस ने बताया कि लोगों को लगता था कि स्कीम असली है. वे निवेश करना शुरू कर देते थे. साथ ही ऐप को अपने परिवार और दोस्तों के साथ शेयर करते थे. एक बार किसी व्यक्ति ने बड़ी रकम लगा दी तो अकाउंट तुरंत ब्लॉक हो जाता था और लोगों के पैसे डूब जाते.

फंसाने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल - जब पुलिस से पूछा गया कि चीनी जालसाज लोगों को अपने जाल में फंसाते कैसे थे, तो पुलिस ने बताया कि चीनी जालसाज व्हाट्स ऐप और टेलीग्राम चैनल के जरिए रैंडम तरीके से कॉल करते थे और दिलचस्पी लेने वाले लोगों को फेक बैंक अकाउंट के जरिए हायर करते थे. फर्जी शेल कंपनियां बनाते थे और ऐप को सर्कुलेट करने के साथ पेमेंट करते थे, इसके साथ ही मनी ट्रांसफर भी करते थे. वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बड़ी संख्या में जालसाजों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले ऐप में पावर बैंक, ईजेडक्वॉइन, सन फैक्ट्री, लाइटनिंग पावर बैंक शामिल हैं. इनमें से बहुत सारे ऐप गूगल प्ले स्टोर पर भी लिस्टेड हैं. पुलिस ने कहा कि इन सारे ऐप को यूट्यूब चैनल, टेलीग्राम चैनल और व्हाट्स ऐप चैट के जरिए प्रमोट किया जाता था. एक बार यूजर ने ऐप को रजिस्टर कर लिया फिर उसे बार बार हाई रिटर्न के लिए पैसा इन्वेस्ट करने को कहा जाता था.

संपादकीय

बच्चों पर खतरा कितना बड़ा

पिछले कुछ दिनों से इस बात की चर्चा पुरजोर है कि कोरोना की तीसरी लहर आएगी और मुख्य रूप से बच्चों को प्रभावित करेगी। इस बहस की शुरुआत कैसे हुई, यह कहना तो मुश्किल है, लेकिन आसपास हुई कुछ घटनाओं ने इस बात पर बल दिया। जैसे, सर्वोच्च अदालत की एक पीठ ने सुनवाई करते हुए सरकार से पूछा कि बच्चों को तीसरी लहर से बचाने के लिए उसके पास क्या योजना है? महाराष्ट्र ने बच्चों में कोविड की निगरानी के लिए एक अलग टास्क फोर्स का गठन किया है। कर्नाटक के बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने हर जिले में कोविड-19 से निपटने के लिए बाल चिकित्सा टास्क फोर्स गठित करने का सुझाव दिया। कुछ डॉक्टरों व विशेषज्ञों ने अपने बयान में बच्चों के गंभीर रूप से संक्रमित होने की आशंका जताई। इन सबसे अनजाने में यह संदेश जाने लगा कि तीसरी लहर निश्चय ही बच्चों को अधिक प्रभावित करेगी, जबकि इसका कोई आधार नहीं है। अब तक कई देश महामारी की तीन या चार लहरों का सामना कर चुके हैं, मगर दुनिया के किसी भी हिस्से से ऐसा कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिला, जिससे यह साबित हो सके कि किसी खास लहर में बच्चे बहुत अधिक प्रभावित हुए हैं। अपने यहां भी दिल्ली जैसे राज्य पहले ही चार लहर देख चुके हैं और किसी में भी बच्चों के अधिक बीमार पड़ने की खबर नहीं है। शहर, राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर पर हुए क्रमवार सीरो-सर्वे भी यही बताते हैं कि बच्चों में भी किसी अन्य आयु-वर्ग के समान संक्रमण होता है। अंतर सिर्फ यह है कि वे गंभीर बीमार नहीं होते, क्योंकि कोविड-19 जिस एसीई-2 रीसेप्टर पर हमला करता है, वह बच्चों में कम विकसित होता है और वायरस बच्चों के फेफड़ों तक पहुंचने का रास्ता नहीं खोज पाता। फिर भी, सवाल उठता है कि ऐसा क्यों सोचा जा रहा है कि अगली लहर में बच्चे अधिक प्रभावित होंगे?

पहली बात, यह संभव है, कई डॉक्टरों ने इस बार पहली लहर की तुलना में बच्चों में अधिक मामले देखे हों, लेकिन यह सच हर आयु-वर्ग के लिए है, क्योंकि इस बार देश भर में कोरोना संक्रमण के मामले चार से छह गुना बढ़ गए हैं। जाहिर है, डॉक्टरों (जिनके पास सिर्फ उन मरीजों की जानकारी होती है, जो उन्होंने देखे। इसे अंश या नुमेरटर कहेंगे) और महामारी व सांख्यिकी विशेषज्ञों (जिनके पास पूरी आबादी के लिहाज से व्यापक तस्वीर होती है) को मिलकर काम करने की जरूरत है, तभी सही-सही तस्वीर सामने आ सकेगी। दूसरी बात, बच्चों के बीमार होने पर जब अस्पताल जाने की नौबत आती है, तो लोग नजदीकी अस्पताल या स्वास्थ्य केंद्र जाने के बजाय हमेशा 'अगले उच्च स्तर की बेहतर सुविधाओं वाले अस्पताल' जाने की कोशिश करते हैं। जैसे, गांवों में रहने वाले लोग शहरों में आते हैं, शहर वाले बड़े शहर जाना चाहते हैं, और बड़े शहर वाले महानगर में। इसीलिए हो सकता है कि महानगरों और बड़े अस्पतालों में काम कर रहे डॉक्टरों ने दूसरी लहर में तुलनात्मक रूप से अधिक बच्चों को देखा हो। मगर तथ्य यह है कि कुछ ही हफ्ते पहले नीति आयोग और आईसीएमआर ने जब दोनों लहरों में आयु-वर्गों की तुलना करते हुए आंकड़े जारी किए थे, तब उसमें बताया गया कि दूसरी लहर में अस्पतालों में भर्ती कुल मरीजों में 20 साल से कम उम्र वाले मरीजों की हिस्सेदारी 5.8 फीसदी है, जबकि पहली लहर में यह आंकड़ा 4.2 प्रतिशत था। जाहिर है, बच्चों में संक्रमण अब भी कम है और बदलाव न के बराबर। तीसरी बात, फिलहाल इस बात के कोई सुबूत नहीं हैं कि कोरोना वायरस ज्यादा बच्चों को गंभीर बीमार कर रहा है। फिर, हम यह भी जानते हैं कि कोरोना के बढ़ते मामलों को संभालने के लिए जिस तरह से अतिरिक्त अस्थाई केंद्र बनाए गए, बच्चों के लिए उस तरह की अतिरिक्त व्यवस्थाएं नहीं की गईं। इसीलिए, अस्पतालों में बिस्तर और वेंटिलेटर की कमी के कारण सिर्फ गंभीर और अति-गंभीर मरीजों को ही भर्ती किया गया, फिर चाहे वे किसी भी आयु-वर्ग के हों। इससे इलाज में शामिल डॉक्टरों को लगा होगा कि इस बार गंभीर मरीजों की संख्या अधिक है, जबकि इसका मूल कारण था, ट्राइज, यानी मरीजों की भर्ती के चुनाव का तरीका। साफ है, इस बात का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है कि आने वाली कोई लहर बच्चों को अधिक और गंभीर रूप से प्रभावित करेगी। फिर भी, महामारी को काबू करने की प्रभावी रणनीति के तहत सरकारों को दोनों लहरों में उम्र, लिंग और अन्य मानकों पर कोविड-19 के उपलब्ध आंकड़ों का विश्लेषण जरूर करना चाहिए, और उनके नतीजों को सार्वजनिक भी करना चाहिए। ऐसा करना इसलिए भी जरूरी है, ताकि साक्ष्य-आधारित रणनीति बन सके और भय पैदा करने वाले निराधार दावों या दलीलों की हवा निकाली जा सके।

साथ ही, केंद्र और राज्य, दोनों स्तरों पर सरकारों को तीसरी लहर में हर परिस्थिति (जो डाटा-आधारित हो, राय-आधारित नहीं) से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए। बच्चों के लिए भी कोविड-जांच और इलाज के बेहतर इंतजाम होने चाहिए। सभी आयु-वर्गों के लिए जीनोमिक सिक्वेंसिंग और निदान संबंधी अध्ययन नियमित रूप से होने चाहिए। अच्छा तो यह होगा कि बजाय एक अलग टास्क फोर्स के, बाल स्वास्थ्य विशेषज्ञों को शामिल करते हुए राज्य स्तर पर पहले से सक्रिय एकीकृत टास्क फोर्स ही सभी रणनीतियों और योजनाओं को समग्र रूप से देखे। बच्चों के लिए टीकाकरण भी हमारी राष्ट्रीय व राज्य स्तर की योजनाओं का हिस्सा होना चाहिए। जरूरी यह भी है कि डॉक्टर अपनी धारणा अस्पतालों या स्वास्थ्य केंद्रों के अपने अनुभवों के आधार पर न बनाएं और तमाम पहलुओं पर गौर करें। कुल मिलाकर, अभी यही कहा जा सकता है कि तीसरी लहर (जब भी यह होगी) में हमारे नौनिहालों पर सबसे अधिक जोखिम होने के दावे में दम नहीं है। हां, बेवजह की चिंता किए बिना हमें अपनी तैयारी जरूर रखनी चाहिए।

प्रवीण कुमार सिंह

घर के भीतर कैसे होता है कोरोना वायरस का प्रसार; सिक बिल्डिंग सिंड्रोम से बढ़ रही समस्या

कथित वैज्ञानिकता में कैसे-कैसे खेल होते हैं, इस पर जून 2016 में समाचार एजेंसी 'एपी' ने एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसके मुताबिक कैंडी निर्माताओं ने एक ऐसे अध्ययन को प्रायोजित किया था जो साबित करे कि जो बच्चे कैंडी नहीं खाते उनके मुकाबले कैंडी खाने वाले बच्चों में मोटापा कम होता है। आयुर्वेद बनाम एलोपैथी का विवाद कोरोना के इलाज के संदर्भ में बढ़ा है। लेकिन हमें एलोपैथी की सीमाओं को भी देखना चाहिए। कोरोना की पहली लहर के दौरान मलेरिया के इलाज में इस्तेमाल होने वाली हाइड्रॉक्सी क्लोरोक्वीन के इस्तेमाल की 23 मई 2020 को स्वास्थ्य मंत्रालय ने अनुमति दी।

हाल ही में केंद्र सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार के. विजय राघवन के कार्यालय की ओर से एक एडवाइजरी जारी की गई है, जिसमें बंद जगहों में कोरोना संक्रमण के तेजी से फैलने की बात कह गई है। एडवाइजरी में खुली और हवादार जगहों और उचित इंडोर वेंटिलेशन पर विशेष जोर दिया गया है। सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) ने भी इसी एडवाइजरी को आधार बनाकर अपनी एक रिपोर्ट में कोविड-19 और अन्य संक्रामक रोगों को प्रसारित करने में बंद और दमघोंटू इमारतों की भूमिका को लेकर आगाह किया है। रिपोर्ट में दो घरों के रोशनदान, बालकनी, दरवाजों और खिड़कियों में दो गज की भी दूरी न होने को खतरनाक बताया गया है। निष्कर्ष यह कि घर में वेंटिलेशन का कोरोना संक्रमण से सीधा संबंध है। घर और दफ्तर को जितना हवादार बनाएंगे, संक्रमित होने का जोखिम उतना ही कम होगा। आज के बदलते परिदृश्य को देखें तो हमारे जीवन में कुछ भी कोविड-19 महामारी से अछूता नहीं रहा है। कामकाज, स्कूल, धार्मिक स्थल, परिवार, सामाजिक समारोह और पर्व-त्योहार समेत आवागमन आदि इससे व्यापक रूप से प्रभावित हुए हैं। कोविड ने घरों में वेंटिलेशन, हीटिंग और एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी) सिस्टम के डिजाइन में भी आमूल-चूल परिवर्तन और सुधार को जरूरी बना दिया है। मौजूदा वक्त में बन रहे ज्यादातर मकानों, इमारतों और कार्यालयों आदि में वेंटिलेशन नहीं के बराबर या फिर बहुत कम है, जो हवा से वायरस के फैलाव को बढ़ावा दे रही हैं। हमारे घर जो तीन-चार दशक पहले हवादार आंगनों के रूप में डिजाइन किए जाते थे, उसको हमने पश्चिम से नकल किए गए डिजाइन से प्रेरित होकर एक महामारी के प्रजनन कक्ष (ब्रीडिंग चैंबर) में तब्दील कर दिया है। पश्चिमी दिखावे से प्रेरित घरों के निर्माण में कई कारणों से वास्तुकारों

और बिल्डरों का प्रभावी रूप से समर्थन हासिल है। हमें यह समझने की जरूरत है कि पश्चिम से नकल किए गए डिजाइन से बने ज्यादातर घर महज एसी के उपयोग के लिए बनाए डिब्बे भर हैं। बेशक, अपने उत्पाद की बिक्री बढ़ाने और हमारी इमारतों को बीमार करने के लिए एयर कंडीशनिंग उद्योग द्वारा इन वास्तुकारों और बिल्डरों को प्रत्यक्ष और परोक्ष प्रोत्साहन भी मिलता है।

इस बारे में सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट में 'सस्टेनेबल सिटीज प्रोग्राम' के एक संबंधित विशेषज्ञ का कहना है कि तीन दशक पहले इमारतों को इस प्रकार से डिजाइन किया जाता था कि उनमें एक आंगन होता था, वेंटिलेशन के लिए पर्याप्त खिड़की, दरवाजे, बालकनी और रोशनदान भी होते थे। लेकिन शहरों की जनसंख्या में बढ़ोतरी के साथ-साथ जमीन घटती गई और बिल्डरों व एयर कंडीशनिंग उद्योग की मिलीभगत से इमारतों की ऐसी डिजाइन बनने लगी, जिसमें कम क्षेत्रफल में भी अधिक जगह देने के लिए उसे पूरी तरह से ढका जाने लगा। वेंटिलेशन की कमी महसूस न हो, इसके लिए एसी लगाए जाने लगे। हालांकि एसी के अपने लाभ हैं, लेकिन वह प्राकृतिक वेंटिलेशन का विकल्प नहीं है। इसलिए हमें अपने घरों को इस तरह डिजाइन करने की जरूरत है, जिसमें प्राकृतिक वेंटिलेशन की समुचित व्यवस्था हो। केंद्र सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार द्वारा जारी की गई एडवाइजरी के मुताबिक प्राकृतिक वेंटिलेशन कोरोना के खिलाफ कम्युनिटी डिफेंस सिस्टम जैसा है।

दूसरी ओर ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एम्स) के डायरेक्टर डॉ. रणदीप गुलेरिया ने भी कई बार कहा है बंद जगह के मुकाबले खुली जगह में वायरस के फैलने की आशंका कम होती है, इसलिए घरों की खिड़कियों को खुला रखें। हालांकि इस बारे में इंटरनेट मीडिया पर कई तरह की भ्रामक सूचनाएं प्रचारित-प्रसारित की जा रही हैं, जैसे कि यह अफवाह कि कोरोना बालकनी या खिड़की से आती हवा के मार्फत हमारे घरों में दाखिल हो सकता है, इसलिए खिड़की-दरवाजे को हमेशा बंद रखें। इस अफवाह के पीछे कई ऐसी रिसर्च रिपोर्टें हैं, जिनके अनुसार कोरोना वायरस हवा के माध्यम से फैल रहा है। इस साल अप्रैल महीने में प्रसिद्ध विज्ञान पत्रिका 'द लांसेट' ने भी दावा किया था कि कोरोना वायरस हवा से फैल रहा है। वास्तव में यह हवा के जरिये फैल रहा है। तो फिर हम क्यों न अपने घर के खिड़की-दरवाजों को हमेशा बंद रखें? क्या आंगन, बालकनी, खिड़कियां-दरवाजे, रोशनदान आदि के जरिये हवा में घुला कोरोना वायरस हमारे घरों में नहीं घुस जाएगा?

सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि जब विज्ञानी कहते हैं कि कोरोना वायरस हवा से भी फैल रहा है तो इसका क्या मतलब है? क्या यह उसी तरह फैल रहा है जैसे आग लगने पर धुआं आसपास की हवा में फैल जाता है? ड्रॉपलेट्स और एयरोसोल्स के माध्यम से वायरस ज्यादा फैलते हैं। ड्रॉपलेट्स दो मीटर तक हवा में जा सकते हैं, जबकि एयरोसोल्स 10 मीटर तक हवा के साथ जा सकते हैं। एयरोसोल यानी हवा में पांच माइक्रोमीटर से छोटे ऐसे कणों की मौजूदगी जो रोगाणुओं से भरा हो। जबकि ड्रॉपलेट्स सांस की बूंदों से निकलेवाले पांच माइक्रोमीटर से बड़े कण होते हैं जो ज्यादा दूर तक नहीं जा सकते हैं। मरीज की सांस से जो कण निकलते हैं, वे किसी झटके के साथ नहीं निकलते। हालांकि छींक या खांसी में हम ऐसी झटकेदार बौछार की कल्पना कर सकते हैं, लेकिन तब भी वे ज्यादा दूर नहीं जा सकते, क्योंकि कोरोना वायरस के पंख नहीं होते, न ही वह कोई गैस है। वैसे भी किसी जीवित शरीर के बाहर इस वायरस का वजूद काफी कम समय के लिए होता है। इसी जीवित शरीर से वायरस छींक, खांसी और थूक के जरिये हवा में फैलता है।

हमारे घर में ऐसा कोई लक्षणरहित मरीज भी हो सकता है, जिसे न खांसी है, न जुकाम और न ही वह छींकता है। मगर वह सांस तो लेता ही है, बातचीत भी करता है। क्या उस लक्षणरहित मरीज के मुंह से निकलने वाले कोरोनायुक्त ड्रॉपलेट्स और अन्य कण हमारे लिए खतरा नहीं बन सकते? बन सकते हैं और नहीं भी। वजह यह है कि इक्का-दुक्का वायरस किसी को बीमार नहीं कर सकते, बीमार करने के लिए लाखों की तादाद में वायरस चाहिए और यह तभी होगा, जब घर में मौजूद यह लक्षणरहित मरीज स्वयं को किसी बंद कमरे तक सीमित रखे। कमरे में उसकी गतिविधियां सीमित होने से उसकी सांस से जो ड्रॉपलेट्स और एयरोसोल्स निकलेंगे, वे वहीं कुछ वक्त तक हवा में तैरते रहेंगे और धीरे-धीरे उनकी तादाद इतनी अधिक हो जाएगी कि यदि बाहर से को व्यक्ति उस कमरे में जाए और 10-15 मिनट तक वहां रहे तो वह संक्रमित हो सकता है। जैसे अगर किसी बंद कमरे में धुआं फैल जाए तो वह कमरे में बंद किसी का भी दम घोंट सकता है। मगर उस कमरे की खिड़कियां खोल दी जाएं तो उसके दम घुटने का खतरा कम हो जाएगा। इसलिए आवश्यक यह है कि कोरोना फैलने के डर से घर के खिड़की-दरवाजे को बंद करके रखने के बजाय उसे खोलकर रखा जाए। इससे अगर घर में किसी लक्षणरहित मरीज के मुंह से कोरोनायुक्त ड्रॉपलेट्स और एयरोसोल्स कण निकल भी रहे होंगे तो वे नष्ट हो जाएंगे या बाहर चले जाएंगे। यदि घर या कार्यालय में समुचित वेंटिलेशन न हो तो ये कण वहीं इकट्ठे होने लगते हैं, जिससे संक्रमण फैलने की गुंजाइश बढ़ जाती है।

कोरोना महामारी के दौर में लालफीताशाही का रोग

अब भले ही कोविड के नए मामलों में कमी आती दिख रही हो, लेकिन इस महामारी के कारण हो रही मौतों के आंकड़े अपेक्षित तेजी से घटने का नाम नहीं ले रहे हैं। अमेरिका और ब्राजील के बाद भारत दुनिया का तीसरा ऐसा देश बन गया है, जहां कोविड महामारी तीन लाख से अधिक लोगों को अपना काल बना चुकी है। आबादी के अनुपात में हुई मौतों को लेकर भारत की स्थिति दूसरे कई देशों से बेहतर है, लेकिन इससे इस मानवीय आपदा की भयावहता कम नहीं हो जाती। इस दौरान राज्य और जनता की लापरवाहियों को लेकर काफी कुछ कहा और लिखा जा चुका है। केंद्र सरकार और तमाम राज्य सरकारों की अक्षमताओं पर भी सवाल उठे हैं। हम पुरानी गलतियों को तो पलट नहीं सकते, लेकिन उनसे सबक अवश्य सीखना चाहिए, परंतु अफसोस...!

निःसंदेह कोविड की दूसरी लहर ने हमारे खस्ताहाल स्वास्थ्य ढांचे की कलई पूरी तरह खोलकर रख दी। आवश्यक दवाओं की किल्लत में हमारे समाजवादी अतीत की तंगहाल अर्थव्यवस्था के अवशेष ही दिखते हैं। इससे भी अधिक निराशाजनक यह है कि हम आपूर्ति की बाधाओं से पार पाने में सक्षम नहीं हो पाए। संसाधनों की भारी कमी ने रिकवरी की हमारी राह पर ग्रहण लगा दिया। पहले तो मेडिकल आक्सीजन, रेमडेसिविर और टासिलिजुमाब का संकट उत्पन्न हुआ और अब लाइपोसोमल एंफोटेरिसिन-बी जैसी उस एंटीफंगल दवा की कमी लोगों पर काल बनकर टूट रही है, जो म्यूकरमाइकोसिस, जिसे अनौपचारिक रूप से ब्लैक फंगस कहा जा रहा है, के उपचार में काम आती है। घरेलू उत्पादन बढ़ाकर या फिर आयात के जरिये इस जीवन रक्षक दवा की पर्याप्त आपूर्ति में हमारी अक्षमता बड़ी घातक रही। जहां तक घरेलू उत्पादन की बात है तो वह कच्चे माल की उपलब्धता और अन्य पहलुओं से प्रभावित होता है, लेकिन विदेश से उसकी खरीद क्यों नहीं की जा सकी? भारत से बाहर यह दवा बहुतायत में उपलब्ध है और विदेशी आपूर्तिकर्ताओं से उसकी बड़े पैमाने पर खरीदारी में आखिर क्या कठिनाई रही? लाइपोसोमल एंफोटेरिसिन-बी के वितरण का पूरा नियंत्रण सरकार ने अपने हाथ में ले लिया, ताकि उसकी कालाबाजारी रोकी जा सके। वह उद्देश्य तो पूरा न हो सका, उलटे निजी आपूर्ति ठप पड़ी हुई है। स्थिति यह है कि 6000 रुपये का यह इंजेक्शन लोगों को अनधिकृत रूप से 20,000 से 30,000 रुपये के बीच खरीदना पड़ रहा है। तिस पर उसके असली होने की भी कोई गारंटी नहीं। यह राज्य सत्ता की चिर-परिचित विडंबनापूर्ण दास्तान लगती है। यह सच है कि ऐसा घृणित आचरण करने वाले कालाबाजारी हमारे बीच के ही हैं, लेकिन यह तो सरकार का दायित्व है कि वह ऐसे उत्पीड़क तत्वों पर लगाम लगाए और आपूर्ति को बेहतर बनाए।

दवा वितरण तंत्र की कार्यप्रणाली हास्यास्पद होने के साथ ही त्रासदपूर्ण भी है। एक उदाहरण से ही इसे समझ सकते हैं। देश में सबसे अधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में यह दवा लखनऊ, वाराणसी, मेरठ और आगरा के संभागीय मुख्यालयों से वितरित की जाती है। मुंबई स्थित दवा निर्माता से दिल्ली के रास्ते यह राज्य की राजधानी लखनऊ तक पहुंचती है। मेरठ और आगरा जैसे शहर दिल्ली से दो-चार घंटे की दूरी पर हैं, वहां सीधे पहुंचाने के बजाय दवा हवाई मार्ग से 500 किलोमीटर दूर लखनऊ भेजी जाती है और वहां वाहनों के जरिये संबंधित केंद्रों पर पहुंचाई जाती है। इस उलझाऊ और मुश्किल प्रक्रिया में समय ही व्यर्थ होता है, जिससे उपचार में देरी होती है। स्पष्ट है कि महामारी के इस दौर में भी तात्कालिकता पर लालफीताशाही भारी पड़ रही है।

फिर निर्णायक आवंटन तो हमारे जले पर नमक छिड़कने जैसा है। मांग आपूर्ति की तुलना में कई गुना बढ़ गई है। मरीजों को डॉक्टर द्वारा सुझाई गई खुराक से कम मात्रा में दवा मिल पा रही है, क्योंकि नौकरशाह अधिक मरीजों तक दवा पहुंचाने के फेर में पर्याप्त मात्रा में दवा उपलब्ध नहीं करा रहे। परिणामस्वरूप प्रत्येक मरीज के हिस्से में आवश्यकता से कम दवा आती है। होना तो यह चाहिए कि मामले की गंभीरता के अनुसार ही दवा वितरित की जाए। ऐसे वैज्ञानिक दृष्टिकोण की उपेक्षा कर कोटा सिस्टम या लोकलुभावन कदम के जरिये अधिक से अधिक लोगों तक दवा पहुंचाना किसी के लिए भी उपयोगी नहीं।

ऐसी तबाही कई ज्वलंत प्रश्न उठाती है। दुनिया की पांचवीं या छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था समय से आवश्यक दवाएं और वैक्सीन उपलब्ध कराने में अक्षम है। विदेशी मुद्रा भंडार के सर्वकालिक उच्च स्तर पर होने के बावजूद दवाएं आयात करने में संभवतः विलंब किया गया। ऐसा संघीय ढांचा जहां राज्य सरकारें शोषणकारी और मुनाफाखोरों के साथ ही नकली दवाओं की धरपकड़ में नाकाम हैं। वहीं नौकरशाही के स्तर पर सीमित संसाधनों के उपयोग में वांछित कुशलता का अभाव दिखता है। आंकड़े शायद झूठी तस्वीर न दिखाते हों, परंतु कभी-कभार भ्रमित अवश्य करते हैं। प्रति व्यक्ति संक्रमण और मृत्यु दर के मामले में हमारी स्थिति भले ही कई देशों से बेहतर हो, परंतु बड़ी तादाद में हुई मौतों और भयावह परिस्थितियों ने समाज को भयाक्रांत कर दिया है। इसके अलावा कोरोना की दूसरी लहर ने भारत में तब तांडव दिखाया, जब वैक्सीन आने के बाद शेष विश्व में हालात सामान्य होने की ओर बढ़ रहे थे। हमारा टीकाकरण अभियान भी मंद गति से आगे बढ़ रहा है।

दूसरी लहर के बाद

राहत की बात है कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर से काफी हद तक उबर कर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और वित्तीय राजधानी मुंबई समेत देश के कई हिस्से आज से सामान्य जनजीवन की ओर वापसी की प्रक्रिया शुरू कर रहे हैं। हालांकि इस दूसरी लहर ने दिल्ली और मुंबई समेत पूरे देश को जिस तरह के दृश्य दिखलाए हैं, उनसे उबरने में लंबा वक्त लगेगा, लेकिन फिर भी यह कम बड़ी बात नहीं है कि सीमित संसाधनों के बावजूद हम महामारी के इस चरण को पार करने की स्थिति में आ सके हैं। सख्त लॉकडाउन से इसमें काफी मदद मिली।

हालांकि उसकी जो कीमत एक अर्थव्यवस्था के रूप में हमें चुकानी पड़ी है, वह भी कम नहीं। इसीलिए यह ज्यादा जरूरी है कि अनलॉक की प्रक्रिया शुरू करते हुए भी पूरी सावधानी बरती जाए। इसी सावधानी के तहत दिल्ली में बाजारों और शॉपिंग मॉल्स को ऑड-इवेन बेसिस पर ही खोलने की इजाजत दी गई है। मेट्रो भी 50 फीसदी सीट क्षमता के साथ ही चलेगी। महाराष्ट्र में यह सावधानी और स्पष्ट रूप में दिखती है, जहां पूरे राज्य को कोरोना संक्रमण की स्थिति के आधार पर पांच अलग-अलग लेवल में बांटा गया है। लेवल 1 के शहरों में सबसे ज्यादा छूट दी गई है और लेवल 5 के शहरों में सबसे कम।

मुंबई फिलहाल लेवल 3 में है, इसलिए वहां लोकल यात्रा पर रोक समेत बहुत सारी पाबंदियां जारी रहेंगी, पर फिर भी कुछ शर्तों के साथ बाजार, मॉल और सिनेमा हॉल खुल जाएंगे। यह न केवल अर्से से घरों में बंद लोगों के लिए मनोवैज्ञानिक राहत साबित होगा बल्कि बंद पड़ी आर्थिक गतिविधियों के चलते आर्थिक तंगी से गुजर रहे परिवारों के लिए भी नई उम्मीद लाएगा। मगर इसी बिंदु पर यह याद करने की जरूरत है कि महामारी की पिछली लहर उतरने के बाद अनलॉक शुरू होने पर हमने जिस तरह की लापरवाही दिखाई थी, वह कितनी भारी पड़ी। आज जो तीसरी लहर का खतरा विशेषज्ञ बता रहे हैं, वह तो अपनी जगह है ही, उससे बड़ी सचाई यह है कि दूसरी लहर भी पूरी तरह थमी नहीं है। देश के कई हिस्सों में यह अभी भी गंभीर रूप में है और उस पर काबू पाने के प्रयास चल ही रहे हैं।

जाहिर है, आगे की राह बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगी कि दूसरी लहर के उतार के बाद मिले इस वक्त का हम कैसे इस्तेमाल करते हैं। इस लिहाज से दो सवाल अहम हैं। पहला, कितनी बड़ी आबादी टीकों के सुरक्षा घेरे में कितनी जल्दी लाई जा सकती है और दूसरा, अनलॉकिंग के दौरान सामान्य जीवन जीते हुए हम कोरोना प्रोटोकॉल को लेकर कितनी सजगता बनाए रख पाते हैं। पहला सवाल खासतौर पर सरकारी तंत्र और हेल्थकेयर ढांचे से वास्ता रखता है तो दूसरा सामान्य नागरिकों से। दोनों के सम्मिलित प्रयासों से ही वायरस के खिलाफ यह कठिन जंग निर्णायक रूप से जीती जा सकती है।

इंजीनियरिंग की शिक्षा अपनी भाषाओं में देने से वैज्ञानिक चेतना और विज्ञान का विकास भी तेजी से होगा

इन विश्वविद्यालयों के शिक्षक द्विभाषी होते हुए भी शत-प्रतिशत अंग्रेजी में ही पढ़ाते हैं, जबकि इनकी पर्याप्त किताबें हिंदी में उपलब्ध हैं। आज इग्नू के सारे पाठ्यक्रम भारतीय भाषाओं में उपलब्ध हैं। उनकी गुणवत्ता पूरे देश में सराही गई है। संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में यह पाठ्यक्रम पढ़कर परीक्षार्थी सफल भी होते हैं। जब यह राष्ट्रीय नीति है तो इसकी शुरुआत राष्ट्रीय राजधानी में सबसे पहले होनी चाहिए। इसका संदेश बहुत दूर तक जाएगा। जब चीन एक हफ्ते के अंदर 5000 बिस्तरों का अस्पताल खड़ा कर सकता है तो क्या हम अपनी भाषाओं की विरासत, ज्ञान-विज्ञान और विद्वानों के बूते अगले तीन महीने में पाठ्यक्रम तैयार नहीं कर सकते न भूलें सुधार की गुंजाइश तो हर समय रहती है।

इंजीनियरिंग जैसे तकनीकी विषयों को अंग्रेजी के साथ-साथ भारतीय भाषाओं में पढ़ने-पढ़ाने का नीतिगत फैसला तो कुछ महीने पहले ही कर लिया गया था, लेकिन अब अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद यानी एआइसीटीई ने भी इस पर मुहर लगा दी। आने वाले सत्र में शुरुआत के तौर पर पहले आठ भारतीय भाषाओं- हिंदी, बांग्ला, तमिल, तेलुगु, मराठी, मलयालम, गुजराती और कन्नड़ में विद्यार्थियों को पढ़ने की सुविधा देने के लिए इंजीनियरिंग कॉलेजों को कहा गया है। आठवीं अनुसूची की 11 और भाषाएं भी जल्दी ही इसमें शामिल की जाएंगी। तकनीकी शिक्षा की सर्वोच्च संस्था एआइसीटीई का मानना है कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी अंग्रेजी के दबाव से मुक्त होकर मातृभाषा में बेहतर तरीके से अपनी रचनात्मकता को सामने ला पाएंगे।

ज्ञात हो कि चीन, जापान, कोरिया, जर्मनी आदि देशों में तकनीकी शिक्षा उनकी अपनी मातृभाषा में दी जाती है। इसीलिए उन देशों का ज्ञान-विज्ञान दुनिया भर में अग्रणी बना हुआ है। यह नीतिगत फैसला तो बहुत अच्छा है, लेकिन इसे अमल में लाने के लिए तुरंत युद्ध स्तर पर काम करने की जरूरत है। अगला सत्र शुरू होने में देर नहीं है इसलिए इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम के पहले वर्ष की किताबों को तुरंत इन भाषाओं में उपलब्ध कराने की जरूरत है।

यदि हिंदी की बात करें तो इलाहाबाद, बनारस, लखनऊ, आगरा, पटना, भागलपुर, जयपुर, भोपाल और उज्जैन जैसे विश्वविद्यालयों में अधिकांश प्रोफेसर द्विभाषी हैं। पुरानी पीढ़ी के शिक्षकों ने तो लगभग शत-प्रतिशत भौतिकी,

रसायन, जीव विज्ञान, गणित हिंदी माध्यम से ही पढ़ा है। इसमें सेवानिवृत्त प्राध्यापकों, शिक्षाविदों, नौकरशाहों और इंजीनियरों की भी मदद ली जा सकती है। विचारधारा और राजनीतिक पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर इस कार्य में हमें ऐसे विद्वानों को तुरंत शामिल करने की जरूरत है, जो विषय भी जानते हों और भाषा भी। उत्तर भारत के कई विश्वविद्यालयों और इंजीनियरिंग कॉलेजों में कुछ किताबों के भारतीय भाषाओं में अनुवाद पहले से ही उपलब्ध हैं। पिछली सदी के सातवें-आठवें दशक में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान की ग्रंथ अकादमी ने भी तकनीकी पुस्तकों के अनुवाद कराए थे। एक समय सीमा के अंदर पहले वर्ष के पाठ्यक्रम की किताबें यदि भारतीय भाषाओं में उपलब्ध हो गईं तो यह विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में पढ़ने के लिए प्रेरित करेगा। पहले वर्ष में आने वाले अधिकांश विद्यार्थी भारतीय भाषाओं को जानते हैं। वे अपनी भाषा में पढ़ने में ज्यादा सहज महसूस भी करते हैं। अभी तक की दिक्कत यह रही है कि इन सभी इंजीनियरिंग कॉलेजों में पहले दिन से ही अंग्रेजी पाठ्यक्रम उनके ऊपर लाद दिया जाता है। दूसरी भाषाओं के लिए भी ऐसे ही कदम उठाने होंगे।

यदि शुरुआत ठीक-ठाक हो गई तो आने वाले तीन वर्षों के लिए भारतीय भाषाओं में पाठ्यक्रम बनाने में देर नहीं लगेगी, क्योंकि एक बार अपनी भाषाओं में पढ़ने-पढ़ाने का सिलसिला शुरू हो गया तो सोचने-समझने की चिंतन प्रक्रिया को भी रफ्तार पकड़ने में देर नहीं लगेगी। हिंदी को बढ़ाने के नाम पर कई दशकों से ढेरों संस्थान काम कर रहे हैं। देश की मौजूदा आर्थिक स्थितियों को देखते हुए यदि जरूरत हो तो केंद्रीय हिंदी संस्थान, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, सेंट्रल हिंदी डायरेक्ट्रेट से लेकर राजभाषा विभाग के बजट को भी अनुवाद और पुस्तकों के इस मिशन में लगाया जा सकता है। भारतीय शिक्षा के लिए यह मील का पत्थर साबित होगा। हमें नहीं भूलना चाहिए कि आज से चार साल पहले भोपाल के अटल बिहारी वाजपेयी इंजीनियरिंग संस्थान में हिंदी माध्यम से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की शुरुआत इसीलिए असफल हुई कि उसे आधे मन से शुरू किया गया था। तब न जरूरी पुस्तकें उपलब्ध थीं, न दूसरे संसाधन। इसीलिए अंग्रेजी पढ़ने-लिखने वाले वर्ग को आलोचना करने का मौका मिल गया था। ऐसी गलती फिर नहीं होनी चाहिए। इंजीनियरिंग की शिक्षा अपनी भाषाओं में देने से वैज्ञानिक चेतना और विज्ञान का विकास भी तेजी से होगा। नकली, ओढ़ी हुई, पराई भाषा समझ को निगल जाती है और चेतना को भी। हालांकि इंजीनियरिंग के पाठ्यक्रमों को भी ग्लोबल ज्ञान के समानांतर लगातार अद्यतन बनाने की जरूरत है, इसलिए शुरू में भाषाई लचीलापन रखना होगा। इसमें यदि अंग्रेजी के शब्दों को साथ रखना पड़े तो कोई हर्ज नहीं। दूसरी भारतीय भाषाओं के शब्द भंडार और किताबों से परस्पर मदद मिल सकती है। इसके अलावा मानविकी के विषयों को भी अपनी भाषाओं में पढ़ने-पढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना समान रूप से जरूरी है। इन विषयों की तो किताबों की भी कमी नहीं है, लेकिन भारतीय भाषाओं के प्रति हिकारत भाव के कारण उत्तर भारत के मशहूर इलाहाबाद, बनारस, पटना, जयपुर के विश्वविद्यालय मजबूरन अंग्रेजी की तरफ बढ़ रहे हैं। इसमें सबसे गलत उदाहरण पेश कर रहे हैं राजधानी दिल्ली के जेएनयू, जामिया, दिल्ली और अंबेडकर जैसे विश्वविद्यालय। इन विश्वविद्यालयों के शिक्षक द्विभाषी होते हुए भी शत-प्रतिशत अंग्रेजी में ही पढ़ाते हैं, जबकि इनकी पर्याप्त किताबें हिंदी में उपलब्ध हैं। आज इग्नू के सारे पाठ्यक्रम भारतीय भाषाओं में उपलब्ध हैं। उनकी गुणवत्ता पूरे देश में सराही गई है। संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में यह पाठ्यक्रम पढ़कर परीक्षार्थी सफल भी होते हैं। जब यह राष्ट्रीय नीति है तो इसकी शुरुआत राष्ट्रीय राजधानी में सबसे पहले होनी चाहिए। इसका संदेश बहुत दूर तक जाएगा। जब चीन एक हफ्ते के अंदर 5000 बिस्तरों का अस्पताल खड़ा कर सकता है तो क्या हम अपनी भाषाओं की विरासत, ज्ञान-विज्ञान और विद्वानों के बूते अगले तीन महीने में पाठ्यक्रम तैयार नहीं कर सकते? न भूलें सुधार की गुंजाइश तो हर समय रहती है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

पटना एम्स ने लगाई मुहर, रसोई में धड़ल्ले से इस्तेमाल हो रही यह तीन चीज कोरोना को दे रही मात

पटना । कोरोना के हल्के लक्षण व होम आइसोलेशन में रहने वाले मरीजों के लिए एक और दवा ट्रायल में सफल हुई है। हल्दी, अदरक और अनारदाना के अर्क से बनी फाइटोरिलीफ-सीसी नामक दवा का परीक्षण करने के बाद एम्स, पटना के डाक्टरों ने इसके उपयोग पर मुहर लगा दी है। हालांकि एम्स का कहना है कि अभी आइसीएमआर की अनुमति का इंतजार है। एम्स पटना के डिप्टी मेडिकल सुपरिटेंडेंट सह एडिशनल प्रोफेसर डॉ. योगेश कुमार ने बताया कि सौ रोगियों पर किए गए अध्ययन में यह साबित हुआ है कि फाइटोरिलीफ-सीसी नामक दवा न केवल रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है, बल्कि कोरोना संक्रमितों को जल्द स्वस्थ करने में भी मददगार है। डॉ. योगेश कुमार ने बताया कि हल्दी, अदरक और अनारदाना को सदियों से उनके एंटी वायरल गुणों के लिए जाना जाता है। सर्दी, खांसी, खरास व बुखार के लिए एक कंपनी ने सात वर्ष पूर्व यह दवा बनाई थी और अमेरिका व ब्रिटेन में इसका पेटेंट ले रखा है। कोरोना के हल्के व मध्यम लक्षणों में इस फाइटोरिलीफ-सीसी दवा को उपयोगी बताते हुए कंपनी ने मुफ्त वितरण की बात कही थी। परीक्षण में पाया गया कि जिन संक्रमितों को मानक के अनुरूप दवा के साथ इसे दिया गया, उनमें संक्रमण तेजी से घटा। इस दवा को लेने वालों में एक्यूट इन्फ्लेमेशन, फेफड़ों को नुकसान आदि की जानकारी देने वाले सीआरपी जैसी जांच की रिपोर्ट भी बेहतर रही। इस दवा की एक-एक टैबलेट सुबह, दोपहर व शाम को चूसकर लेना रोगियों के लिए काफी फायदेमंद रहा।

ऐसे हुआ क्लीनिकल ट्रायल - 1. होम आइसोलेशन में रह रहे 50 मरीजों के दो ग्रुप बनाए गए। एक ग्रुप का स्टैंडर्ड प्रोटोकाल के अनुसार इलाज किया गया तो दूसरे को उन दवाओं के साथ फाइटोरिलीफ-सीसी भी दी गई। इस बीच सात मरीजों ने दवा खानी बंद कर दी। 18-18 लोगों ने परीक्षण पूरा किया। दस दिन बाद जांच कराने पर पाया गया कि जो 18 लोग फाइटोरिलीफ-सीसी ले रहे थे, उनमें से 15 की रिपोर्ट निगेटिव आ गई। वहीं जो सिर्फ मानक दवा ले रहे थे, उनमें से सिर्फ सात निगेटिव हुए। डॉक्टर हल्के व माडरेट कोरोना रोगियों में इस दवा को प्रभावी मान रहे हैं।

उड्डयन मंत्री नंद गोपाल बोले, सूदखोरों की काली सूची बनाएं, अवैध संपत्तियों पर बुल्डोजर चलवाएं

बरेली । उड्डयन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने शाहजहांपुर और बरेली के दौरे में कोविड संक्रमण से काल के गाल में समाने वाले परिवारों से मुलाकात करके उन्हें हिम्मत बंधवाई। शाहजहांपुर में दवा व्यापारी अखिलेश गुप्ता ने पत्नी, बेटे-बेटी के साथ खुदकुशी की। मंत्री ने उनके पिता-माता से शाहजहांपुर में मुलाकात की। उन्हें ढांढस बंधवाया। कहा कि हर हाल में आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई होनी है। इसके बाद उन्होंने बरेली पहुंचकर ऑटो मोबाइल कारोबारी पंकज अग्रवाल से रामपुर बाग में उनके आवास पर मुलाकात की। उनके बेटे निखिल अग्रवाल और पिता हरिओम अग्रवाल उर्फ सुभाष की कोविड से मृत्यु हुई थी। इसके बाद इंद्रानगर में रहने वाले बिल्डर भावेश अग्रवाल से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की। उनके छोटे भाई रुपेश अग्रवाल की मृत्यु भी कोविड से इलाज के दौरान हुई थी। इसके बाद उन्होंने सर्किट हाउस में कमिश्नर आर. राकेश कुमार, एडीजी अविनाश कुमार, डीएम नितीश कुमार, एसएसपी रोहित सिह के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि व्यापारियों को भय में रहने की आवश्यकता नहीं है। प्रदेश में व्यापारियों का शोषण नहीं होने पाए। भू-माफियाओं और शराब माफियाओं के विरुद्ध कुर्की, जब्ती और अवैध सम्पत्तियों पर बुलडोजर चलाने की कार्यवाही हुई है वैसे ही व्यापारियों का शोषण करने वाले अपराधी तत्वों को चिह्नित कर ऐसी ही कार्रवाई की जाये। उन्होंने कहा कि मेरी प्रदेश के प्रत्येक व्यापारी से अपील है कि किसी भी बेजा दबाव या भय में कोई आत्मघाती कदम न उठायें। आपकी हर समस्या के समाधान के लिए हम 24 घंटे दिन-रात तत्पर हैं।

बिहार: अचानक जीतनराम मांझी से मिलने पहुंचे तेजप्रताप, सियासी गलियारे में चर्चाओं का बाजार गर्म

पटना । राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू यादव के जन्मदिन के दिन बड़े बेटे तेजप्रताप यादव अचानक हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) जीतनराम मांझी से मिलने पहुंच गए हैं। समस्तीपुर की हसनपुर विधानसभा से राजद विधायक तेजप्रताप की मांझी के आवास पर मुलाकात हो रही है। दोनों के मिलने पर बिहार के सियासी गलियारे में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। एनडीए में रहते हुए लगातार मांझी के भाजपा के खिलाफ आ रहे बयानों को देखते हुए यह मुलाकात राजनीति में नई करवट ले सकती है। बता दें कि शुक्रवार को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव अपना 74वां जन्मदिन मना रहे हैं। लालू अभी दिल्ली में राज्यसभा सदस्य व बेटी मीसा भारतीय के आवास पर हैं। तेजप्रताप ने भी लालू को शुभकामनाएं दी हैं। बताया जाता है कि बिहार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री शुक्रवार को अपने कार्यालय पहुंचे थे। यहां कुछ देर बैठने के बाद निकल गए। तेजप्रताप यादव सीधे मांझी के आवास पर पहुंच गए। यहां उन्होंने मांझी से मुलाकात की।

पंजाब में पैर जमाने के लिए बसपा को बदलनी होगी छवि और रणनीति, पार्टी को नए समीकरण की तलाश

चंडीगढ़ । पंजाब में राजनीतिक पार्टियां दलित वोट बैंक को अपने पक्ष में करने के लिए तमाम जुगत लगा रही है। ये दल पंजाब में दलित मुख्यमंत्री या दलित उप मुख्यमंत्री का कार्ड खेल रहे हैं। भाजपा दलित को मुख्यमंत्री बनाने की बात कर रही है तो शिरोमणि अकाली दल ने उप मुख्यमंत्री बनाने की घोषणा की है। सत्तारूढ़ कांग्रेस में दलितों को अधिक पावर देने की मांग बढ़ने लगी है। दलितों को लेकर बदलते समीकरण के बीच बहुजन समाज पार्टी भी नई संभावनाएं तलाश रही है। पूरे परिदृश्य में बसपा को अपने हाथी का पैर पंजाब में जमाने के लिए छवि और रणनीति बदलनी होगी। अक्सर पंजाब में अपने दम पर सरकार बनाने का दावा करने वाली बसपा 2022 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर गठबंधन के नए समीकरणों की संभावनाएं तलाश रही है। हालांकि बसपा के लिए पंजाब में पुनः अपने पांव जमाने की राह आसान नहीं है। राज्य में बसपा की छवि वोट कटुआ की बनकर रह गई है। इसे उसे बदलना उसके लिए बड़ी चुनौती है। बसपा सुप्रीमो और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती का पंजाब पर खास ध्यान रहा है।

तीन दशक पहले 1992 में बहुजन समाज पार्टी ने नौ विधानसभा सीटें जीतकर पंजाब की राजनीति में अपनी दमदार शुरूआत की थी। यह वह दौर था जब बसपा ने पंजाब में दलित राजनीति में पांव जमाने शुरू किए थे लेकिन बसपा अपनी यह परफार्मेंस बरकरार नहीं रख पाई। पांच साल बाद ही बसपा का ग्राफ गिर गया और नौ से एक सीट पर सिमट कर रह गई। 1997 में बसपा अंतिम बार पंजाब विधान सभा की किसी सीट पर जीत दर्ज करवा पाई थी। इसके बाद से बसपा का ग्राफ धीरे-धीरे गिरता ही रहा और बसपा कि छवि अपने सिद्धांतों के साथ समझौता करने वाली पार्टी के रूप में बन गई।

2019 में हुए लोक सभा चुनाव में बसपा ने एक बार फिर पंजाब में अपनी अपनी उपस्थिति का अहसास करवाया। बसपा ने 3.49 फीसदी वोट लेकर सबको चौंका दिया। 2022 के विधान सभा चुनाव को लेकर राजनीतिक पार्टियों की नजरें बसपा पर टिकी हुई हैं। 2017 की तरह ही 2022 के विधानसभा चुनाव में भी दलित मतदाता एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे। इस वजह से दलितों की भूमिका को देखते हुए राजनीतिक पार्टियों ने अपने-अपने स्तर पर दलितों को लुभाने की कसरत शुरू कर दी है। ऐसे में हाथी की चाल पर बहुत कुछ निर्भर हो सकता है कि चुनाव का रुख किस तरफ जाएगा। हालांकि पिछले दो चुनावों के परिणामों को देखे तो बसपा पंजाब में कोई खास चुनावी प्रदर्शन नहीं कर पाई। इन दोनों ही चुनावों में बसपा का वोट शेयर 1.5 से अधिक नहीं जा पाया। 2012 के चुनाव में बसपा ने 4.29 फीसदी वोट शेयर लेकर कांग्रेस को मुश्किल में डाल दिया था। एक बार फिर राजनीतिक पार्टियों की नजर बसपा पर टिकी हुई है। बसपा के प्रदेश प्रधान जसबीर सिंह गढ़ी का कहना है, यह उनकी पार्टी की उपलब्धि है कि आज सारी पार्टियां दलितों की बात कर रही है। समाज में दलितों के के प्रति एक जागरूकता आई है। 2022 को लेकर जल्द ही आपको सकारात्मक चीजें दिखाई देंगी।

लालू के साथ अब गरमाएगी बिहार की सियासत, बंगाल के बाद यूपी चुनाव पर नजर

पटना । चारा घोटाला में जेल में लंबी अवधि बिताकर राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद यादव अब बाहर आ चुके हैं। करीब पौने चार साल बाद जेल के बाहर शुक्रवार को अपना 74वां जन्मदिन मना रहे हैं। आरजेडी की ओर से इस दिन को सद्भावना दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। सभी प्रखंडों में लालू रसोई का भी आयोजन किया जा रहा है। जेल से निकलकर लालू खुद अभी दिल्ली में बेटी मीसा भारती के आवास पर हैं, लेकिन माना जा रहा है कि वे जल्दी ही बिहार आएंगे। बिहार की राजनीति पिछले तीन दशकों से उनकी परिक्रमा कर रही है। पक्ष हो या विपक्ष, किसी के लिए उन्हें नजरअंदाज करना कठिन रहा है। जेल में रहते हुए भी वह राजनीति से दूर नहीं हुए। आरजेडी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता भाई वीरेंद्र बताते हैं कि पौने चार साल बाद लालू प्रसाद जेल से बाहर आए हैं, तो साफ है कि सियासत नए सिरे से गरमाएगी। फिलहाल नजर उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव पर है।

बंगाल के बाद अब यूपी के चुनाव पर नजर - आरजेडी के भाई वीरेंद्र के मुताबिक बंगाल के बाद सबकी नजर उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव पर है। भारतीय जनता पार्टी ने तैयारी भी शुरू कर दी है। लालू भी उससे अलग-थलग नहीं रह सकते हैं। पिछली बार बिना शर्त उन्होंने अखिलेश यादव का समर्थन किया था। चुनाव से पहले बहुजन समाज पार्टी के साथ समाजवादी पार्टी के गठबंधन की कोशिश भी की थी। इस बार भी उत्तर प्रदेश की राजनीति को लालू के हस्तक्षेप का इंतजार रहेगा।

मांझी व मुकेश की महत्वाकांक्षा को देंगे हवा- बिहार में भी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगी हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा प्रमुख जीतन राम मांझी और विकासशील इंसान पार्टी के मुकेश सहनी की महत्वाकांक्षा को शह देने से लालू पीछे नहीं रह सकते हैं। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के तुरंत बाद रांची जेल में रहते हुए भी लालू ऐसी कोशिश कर चुके हैं। बिहार में अब भी राजनीति का चक्का घूम रहा है। लालू कई वर्षों से कांग्रेस के साथ महागठबंधन कर बिहार में राजनीति कर रहे हैं। इस बार उन्होंने वामदलों से भी हाथ मिला लिया है। इससे उन्हें आरजेडी के परंपरागत वोट बैंक को बनाए रखने में मदद मिली है।

बिहार में माय समीकरण बचाने की चुनौती- लालू ने अपनी सोशल इंजीनियरिंग में यादवों के साथ मुसलमानों को जोड़कर जो माय समीकरण बनाया, उसे कोई भी दल नजरअंदाज नहीं कर सकता है। लालू के इस वोट बैंक पर उनके विरोधियों की नजर है। बीजेपी व जनता दल यूनाइटेड की ओर से लगातार सेंध लगाने की कोशिश जारी है। कोरोना संक्रमण में गिरावट के बाद अब राजनीतिक गतिविधियां सामान्य होंगी तो लालू के बिहार आने की उम्मीद है। तब उनके सामने बड़ी चुनौती इसे बचाने की होगी।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, सड़क पर उतरे प्रदेश अध्यक्ष लल्लू

लखनऊ । देश में इन दिनों पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के खिलाफ कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। इसी के खिलाफ आज उत्तर प्रदेश में भी कांग्रेस का प्रदर्शन है। कांग्रेस के प्रदर्शन की तैयारी के बीच में ही उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को लखनऊ में उनके आवास में नजरबंद किया गया, लेकिन वह अपने सरकारी आवास के बाहर बाद में प्रदर्शन करने में सफल रहे।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ी कीमतों के खिलाफ कांग्रेस के देशव्यापी प्रदर्शन के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में भी पार्टी के नेता सड़क पर उतरकर प्रदर्शन कर रहे हैं। लखनऊ के साथ ही प्रयागराज, मेरठ, आगरा, लखनऊ, कानपुर, वाराणसी तथा गोरखपुर के साथ अन्य शहरों में भी प्रदर्शन हो रहा है। हर जगह पर कांग्रेस के नेता भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे हैं। पेट्रोल-डीजल पेट्रोल के दामों के विरोध में मेरठ में प्रभारी बनकर आए मनोज त्यागी ने कांग्रेस के धरना को सम्बोधित किया।

लखनऊ में पेट्रोल और डीजल की महंगाई को लेकर प्रदर्शन से पहले उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को उनके सरकारी आवास, बहुखंडी विधायक निवास में नजरबंद किया गया। लखनऊ में उनके अलावा कई कांग्रेस नेताओं को नजरबंद किया गया। इन सभी के घरों के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात है।

घर में नजरबंद अजय कुमार लल्लू ने ट्वीट करते कहा कि पेट्रोल और डीजल की महंगाई को लेकर देशव्यापी प्रदर्शन में जा रहे प्रदेश अध्यक्ष अजय लल्लू को तानाशाही सरकार ने प्रर्दशन से पहले ही नजरबंद कर दिया है। योगी जी पुलिस के दम पर सरकार चलाना बंद करो, चाहे जितनी पुलिस लगा लो जनता के हक की लड़ाई लड़ते रहेंगे। पुलिस उनको काफी देर नजरबंद रखने के बाद घर के बाहर ही प्रदर्शन करने से नहीं रोक सकी।

सरकार को झटका, सियाराम होंगे पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष

बिलासपुर । भूपेश सरकार ने कार्यकाल खत्म होने के पहले ही राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष सियाराम साहू को हटाकर उनके स्थान पर थानेश्वर साहू की नियुक्ति की थी। इसके खिलाफ सियाराम ने कोर्ट में याचिका दायर की। मामले की सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने राज्य सरकार के आदेश को निरस्त कर दिया है। इसी के साथ ही सियाराम के एक बार फिर आयोग के अध्यक्ष बनने का रास्ता साफ हो गया है। पूर्व सीएम डा. रमन सिंह के कार्यकाल में साहू समाज के सियाराम साहू को 28 जुलाई 2018 को छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने चार अगस्त को पद भार संभाला। उनकी नियुक्ति तीन साल के लिए हुई थी। उनका कार्यकाल चार अगस्त 2021 तक था। इस बीच राज्य में भूपेश सरकार के सत्ता में आने के बाद उन्हें पिछले साल पद से हटा दिया गया। उनके स्थान पर थानेश्वर साहू की नियुक्ति कर दी गई। राज्य सरकार के इस फैसले को सियाराम ने अपने वकील यूएनएस देव और सतीश गुप्ता के जरिए हाई कोर्ट में चुनौती दी।

पंचायत का फरमान, बीबी को आधी संपत्ति दें मौलाना फिर करें 29 साल छोटी नाबालिग छात्रा से निकाह

गोरखपुर । पिपराइच क्षेत्र के मदरसे में तैनात मौलाना का 29 साल छोटी छात्रा से प्रेम हो गया। बात उजागर होने पर पंचायत बुलाई गई। तय हुआ कि मौलाना पहली पत्नी को आधी संपत्ति देने के बाद छात्रा से निकाह करेंगे।

यह है मामला - 45 वर्षीय मौलाना मदरसे में बच्चों को पढ़ाता है। गांव की रहने वाली 16 वर्षीय किशोरी हाईस्कूल में पढ़ती है, जिससे उसका प्रेम-संबंध है। दोनों के संबंध की जानकारी गांव के लोगों को हुई तो पंचायत बुलाई गई, जिसमें मौलाना ने छात्रा से निकाह करने का प्रस्ताव रख दिया लेकिन उसके पिता तैयार नहीं थे।

उन्होंने कहा कि वह शादीशुदा होने के साथ ही दो बच्चों का पिता है। उनकी परवरिश कौन करेगा। पंचायत में मौजूद लोगों ने तय किया कि मौलाना अपनी आधी संपत्ति पहली पत्नी के नाम करने के बाद छात्रा से निकाह करेगा। जिस पर सभी लोगों ने सहमति जतायी।

दुष्कर्म के मामले में चार दिन बाद भी कोई कार्रवाई न होने को लेकर एसएसपी ने खजनी थानेदार को फटकार लगाई है। उन्होंने तत्काल कार्रवाई कर उन्हें सूचित करने के लिए कहा। एसएसपी दिनेश कुमार पी गुरुवार दोपहर खजनी थाने का निरीक्षण कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने थाने में गंदगी को देखकर नाराजगी जताई। जर्जर भवनों के ध्वस्तीकरण को लेकर प्रस्ताव बनाकर भेजने को कहा है। उन्होंने थाने में बैठी एक महिला से समस्या पूछी तो उसने बताया कि गांव के एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया था।

विरोध पर उसने समर्थकों के साथ मारा-पीटा भी। महिला ने आरोप लगाया कि पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इस पर एसएसपी ने थानेदार को फटकार लगाई। इस दौरान उन्होंने थाने में मौजूद लोगों की समस्याएं खुद सुनीं और उसके निस्तारण का निर्देश दिया। एसएसपी ने थानाध्यक्ष अजय मौर्य को रोजाना वाहन चेड्क्षकग, अपराधियों पर नजर रखने, लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण का निस्तारण का निर्देश दिया है। एसएसपी के जाते ही खजनी पुलिस ने महिला की तहरीर पर उसके गांव के ही तीन युवकों सरफुद्दीन, आलम व रोशन के विरुद्ध दुष्कर्म व मारपीट का मुकदमा दर्ज किया है।

ट्विटर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव के फॉलोअर्स की संख्या बराबर

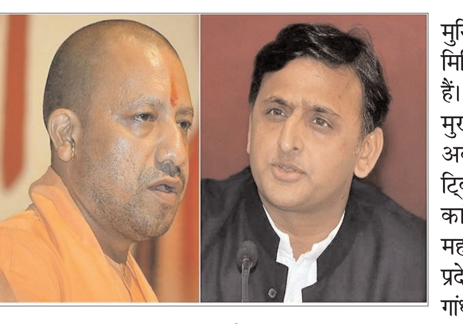

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में बतौर मुख्यमंत्री करीब साढ़े चार वर्ष का कार्यकाल पूरा करने वाले सीएम योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। गांव के लोगों के बीच बेहद लोकप्रिय हो चुके योगी आदित्यनाथ इंटरनेट मीडिया पर भी बेहद सराहे जा रहे हैं। उनकी लोकप्रियता का आलम यह है कि ट्विटर पर उनके और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के फॉओलर्स की संख्या बराबर हो गई है।

इंटरनेट मीडिया पर शुक्रवार को नया और रोचक तथ्य सामने आया है। इसमें ट्विटर पर नेताओं के फॉलोअर्स की संख्या की जानकारी दी गई है। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ ने अभी तक शीर्ष पर चल रहे उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री तथा समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की बराबरी कर ली है। योगी आदित्यनाथ के भी अब अखिलेश यादव के बराबर ही 14.1 मिलियन फॉलोअर्स हो गए हैं। अखिलेश यादव जुलाई 2009 से ट्विटर पर हैं जबकि सीएम योगी आदित्यनाथ सितम्बर 2015 से ट्विटर पर हैं। दोनों ही नेताओं के ट्वीटर पर अब बराबर फॉलोअर्स हो गए हैं। बहुजन समाज पार्टी की मुखिया मायावती के 1.8 मिलियन फॉलोअर्स पर हैं। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती अक्टूबर 2018 से ट्विटर पर सक्रिय हैं। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव और उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा भी ट्विटर पर बेहद एक्टिव हैं। उन्होंने फरवरी 2019 में अपना अकाउंट बनाया था और आज उनके फॉलोअर्स की संख्या 3.7 मिलियन पर पहुंच गई है।

डिजिटल दौर में अब नेता स्थलीय सक्रियता के साथ ही इंटरनेट मीडिया पर भी बेहद एक्टिव हो गए हैं। किसी भी घटना की जानकारी के साथ ही प्रतिक्रिया तथा बधाई देने के लिए अब नेता ट्विटर का काफी प्रयोग कर रहे हैं।

तेजस्वी बोले- बिहार भाजपा अध्यक्ष को आरक्षण के क,ख,ग की समझ नहीं, संजय जायसवाल ने याद दिलाया नरसंहार

पटना । विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने गुरुवार के बयान में बिहार भाजपा अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल की चुटकी ली है। उन्होंने कहा है कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष की आरक्षण के प्रविधानों व उसकी अवधारणा की बे-सिर पैर की समझ पर हंसी भी आती है। कहा है कि बात मेधावी ओबीसी छात्रों को जानबूझकर मात्र 27 फीसद आरक्षण में ही सीमित कर देने की साजिश की हो रही थी तो जायसवाल को लगा कि ओबीसी छात्रों के अच्छे अंक आने से किसी को तकलीफ है।

तेजस्वी ने कहा कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को यह भी ज्ञात नहीं कि बीपीएससी की विगत दो-तीन परीक्षाओं में आरक्षित वर्गों के छात्र ही सर्वाधिक अंक ला रहे हैं। कहा, संजय जायसवाल ने स्वयं ही सिद्ध कर दिया कि उन्हें आरक्षण लागू करने की क,ख,ग भर की भी समझ नहीं है। यह भी पता नहीं कि नियम यह है कि जनरल कोटा की सभी 50 फीसद सीट सभी छात्रों के अंकों के आधार पर भरनी होती है। अगर किसी एससी-एसटी या ओबीसी वर्गों के छात्र के अंक पहले 50 फीसद सीटों के लिए मेरिट लिस्ट में आते हों तो मोबिलिटी के आधार पर आरक्षित वर्ग का छात्र या छात्रा सामान्य वर्ग की 50 फीसद सीटों में स्थान पाएगा, ना कि अपने आरक्षित वर्ग की सीटों में।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल ने गुरुवार को बयान जारी कर राजद पर तंज कसा है। उन्होंने राजद सरकार में हुए नरसंहारों की याद दिलाते हुए कहा है कि 22 वर्ष पहले 34 व्यक्तियों की हत्या होती है और उच्च न्यायालय में निर्णय आता है कि इनकी हत्या का दोष पूर्व में घोषित दोषियों पर नहीं है। मैं इस पर विस्तृत चर्चा कर रहा था कि आखिर न्यायालय को इस तरह का आदेश क्यों देना पड़ा। उन्होंने कहा है कि 1990 से 2005 के राजद शासन के कुकर्म आज भी हमारे सामने आकर खड़े हो जाते हैं। जितने भी नरसंहार राजद शासन में हुए, उसे सरकार द्वारा प्रायोजित नरसंहार कहा जाए तो गलत नहीं होगा।

नरसंहार चाहे अगड़े का हो, पिछड़े का हो या दलित का हो सभी में पुलिस जानबूझकर केस को इतना कमजोर कर देती थी कि किसी भी अपराधी को सजा नहीं हो सके। अगर नरसंहार होता है और इंसाफ मिल जाता तो वर्ग संघर्ष होने का सवाल ही पैदा नहीं होता। लेकिन 15 साल तक राजद सरकार की मंशा रही कि नरसंहार हो और किसी को न्याय नहीं मिले जिससे वे राजनीतिक रोटियां सेंकते रहें।

थमा नहीं पंजाब कांग्रेस का घमासान, परगट सिंह ने फिर उठाए सवाल

चंडीगढ़ । पंजाब कांग्रेस में अंतर्कलह शांत होता नजर नहीं आ रहा है। विधायक परगट सिंह एक बार फिर कैप्टन अमरिंदर सिंह पर हमलावर हुए हैं। उन्होंने सवाल किया है कि अगर कैप्टन के पास मंत्रियों व विधायकों के भ्रष्टाचार के कोई सुबूत हैं तो वह कार्रवाई क्यों नहीं करते

पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि कैप्टन तीन सदस्यीय केंद्रीय कमेटी के सामने भ्रष्ट विधायकों व मंत्रियों की कारगुजारियों की सूची (डोजियर) लेकर पहुंचे थे, लेकिन वह अब तक चुप क्यों बैठे रहे जब अचानक कैप्टन पर सवाल दागे जाने लगे तो वह डराने के लिए ऐसा काम करने लगे हैं। मंत्रियों को डराने के लिए उनके पीए पर मामले दर्ज किए जा रहे हैं। यह ठीक नहीं। खुद सीएम के कई ओएसडी कई मामलों में घिरे हैं। उनके बड़े-बड़े होटल व मैरिज पैलेस बन रहे हैं व खुल रहे हैं, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही। कैप्टन को इस पर भी कार्रवाई करनी चाहिए, सिर्फ मंत्रियों को डराने के हथकंडे नहीं अपनाने चाहिएं।

परगट ने कहा कि वह जब कांग्रेस में शामिल हुए थे तो उन्हें लगता था कि कैप्टन अमरिंदर सिंह एक कुशल और प्रशासनिक दक्षता वाले लीडर हैं, लेकिन अब उनका (परगट सिंह) यह भ्रम टूट चुका है। कैप्टन कमजोर साबित हुए हैं। उन्होंने कहा कि अगर वह शिक्षा पर काम कर सकते हैं तो रेत, शराब माफिया, ड्रग्स आदि पर काम करने से उन्हें कौन रोक रहा है यह पूछे जाने पर कि क्या वह कांग्रेस में ही रहेंगे, उन्होंने कहा कि वह फाइटर हैं और पार्टी में रहकर ही पंजाब के हितों की लड़ाई लड़ेंगे। नई पार्टी खड़ी करना कोई आसान काम नहीं है। परगट सिंह की ओर से मुख्यमंत्री पर किए गए हमले को लेकर कांग्रेस के प्रभारी हरीश रावत का कहना है कि अगर कोई विधायक इस तरह के बयान दे रहा है तो पार्टी उसे गंभीरता से लेगी।

परगट का कहना है कि सुखपाल सिंह खैहरा का फिर से कांग्रेस में शामिल होने का कदम आत्मघाती है। इससे बेहतर होता कि वह इस्तीफा देकर घर बैठ जाते। काबिलेगौर है कि खैहरा आम आदमी पार्टी से बागी हो गए थे और हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए हैं।

अयोध्या में फूल बंगला में विराजे रामलला तथा कनक बिहारी

अयोध्या । जून महीने की भीषण गर्मी यानी जब सूर्य आग बरसा रहा होता है तो रामनगरी अयोध्या में आराध्य को शीतलता प्रदान करने के लिए फूल बंगला सजाए जाने की परंपरा है। इसी परंपरा के तहत शुक्रवार को रामलला के साथ ही कनक बिहारी मंदिर के प्रांगण को फूलों से सजाया गया है। अयोध्या में इस मनोहरी क्षण को देखने के लिए बड़ी संख्या में भक्त लोग सुबह से ही मंदिरों में एकत्र हैं। कतार में लगकर यह लोग अपने आराध्य भी पूजा में भी लीन हैं।

प्रदेश के पूर्वी हिस्सों के साथ अयोध्या में भी गुरुवार को बारिश की रिमझिम फुहार भी पड़ी जो सुकोमल शीतल और सुशोभित पुष्पों एवं पुष्प लड़ियों से सज्जित फूल बंगला में आराध्य को स्थापित करने की भावना के अनुरूप ही साबित हुई। श्रीराम जन्मभूमि पर विराजे रामलला के लिए तो यह दुर्लभ अवसर था। अयोध्या में लंबे विवाद और कोर्ट की तमाम बंदिशों से मुक्त राम लला की पूजा अर्चना में उनके अनुरूप गौरव गरिमा प्रदान करने की नवंबर 2019 में सुप्रीम फैसला आने के बाद से निरंतर कोशिश हो रही है। कनक भवन में भगवान श्रीराम के साथ मां सीता के युगल विग्रह को फूल बंगला में स्थापित किया गया। इसके साथ ही मंझे गायकों ने भक्ति और भाव से भरे गीत प्रस्तुत कर आराध्य को रिझाने का प्रयास भी किया।

शराबी पति से झगड़े के बाद मां ने पांच बच्चों के साथ की खुदकुशी

महासमुंद । महासमुंद के इमली भाठा क्षेत्र स्थित नहर पुलिया के पास रेलवे लाइन पर गुरुवार सुबह छह लोगों का शव मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मृतक के बेमचा गांव के निवासी हैं और केजउराम साहू परिवार से हैं।

गुरुवार अलसुबह जब लोगों ने पांच मासूम बच्चों के साथ एक महिला का शव देखा तो आवाक रह गए। तुरंत डायल 112 को सूचना दी गई। रातभर हुई रिमझिम बारिश का सिलसिला सुबह थमा नहीं था। खेत खलिहान लबालब है। ऐसे समय में रेलवे ट्रैक पर यह वीभत्स दृश्य देखकर हर किसी के जुबां पर हादसा, आत्महत्या या कुछ और की चर्चा होती रही।

रेलवे लाइन पर महिला और बच्चों का सिर धड़ से अलग बिखरा पड़ा था। इसे देखने लोगों की भीड़ जुट गई। हर कोई शिनाख्त करने के प्रयास में नजर आया। पुलिस ने बताया कि बेमचा निवासी महिला ने अपने पांच बच्चों के साथ ट्रेन से कटकर की खुदकुशी की है।

पति केजउराम साहू दारू पीने का आदी है। बुधवार शाम साढ़े सात बजे घर में खाने को लेकर विवाद हुआ था। जिसके बाद महिला अपनी बच्चियों के साथ घर से निकल गई थी। परिजनों के मुताबिक रातभर तलाश किया, लेकिन पुलिस में सूचना नहीं दी। इधर, सुबह इनकी लाश रेलवे ट्रैक से बरामद हुई। मृतकों में उमा साहू पत्नी केजउ राम साहू 45, पुत्री अन्नपूर्णा साहू 18, यशोदा साहू 16, भूमिका साहू 14, कुमकुम साहू 12, पुत्र तुलसी साहू 10 शामिल हैं।

दरभंगा में जलजनित रोगों से बचाव को लेकर सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर पुख्ता इंतजाम

दरभंगा । बारिश के साथ पांच बीमारियों ने दस्तक दे दी है। इस मौसम में मुख्य रूप से मलेरिया, डेंगू, डायरिया और चिकनगुनिया जैसे रोग होते हैं। इसके अलावा आंख में कंजरवाइटिस, सन स्ट्रोक, सर्दी-खांसी, बुखार जैसे रोगों का भी खतरा रहता है। इधर इन बीमारियों से निपटने के लिए स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुख्ता इंतजाम का दावा भी करने की सूचना दी है।

इस मौसम में इन रोगों का कारण जल-जमाव, कीचड़, गंदगी आदि है, जो मच्छर और बैक्टीरिया के वाहक होते हैं। इस मौसम में नमी के कारण बैक्टीरिया अधिक पनपते हैं। ये बैक्टीरिया पानी और खाद्य पदार्थों को दूषित करते हैं। ऐसे में जरूरी है कि घरों के आसपास जल-जमाव को नहीं रहने दे। गंदगी से दूर रहे। मच्छरदानी का उपयोग करें। डीएमसीएच के मेडिसिन विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सीएम झा ने लोगों को इस मौसम में सावधानी बरतने और जागरूक रहने की सलाह दी है।

रोग से निबटने की है तैयारी - मुख्य दवा भंडार गृह से सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिए इस मौसम में पांच बीमारियों पर नियंत्रण के लिए दवाओं की आपूर्ति कर दी गई है। पेयजल की स्वच्छता के लिए हेलोजन टेबलेट की आपूर्ति की गई है। ताकि चापाकल के पानी को साफ किया जा सके। पशुओं को पानी पीने के लिए तालाब को स्वच्छ करने के लिए ब्लीड्क्षचग पाउडर दिया गया है। बुखार के लिए पारासीटामोल, स्लाईन, डायरिया के रोकथाम के लिए ओआरएस के पॉकेट समेत सभी संबंधित दवाओं की आपूर्ति की गई है। सांप काटने की दवा एवीएस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 50 से 100 वायल आवंटित है।

कुत्ता काटने की एंटीरैबिज वायल सभी केंद्रों 30 से 60 दवा की आपूर्ति की गई है। इसके अलावा सिम्टोमैटिक इलाज के लिए भी कई जीवन रक्षक दवाओं की आपूर्ति की गई है। एंटी फंगल से बचाव को लेकर एक दर्जन से लेकर दो दर्जन तक पैकेट की आपूर्ति किया गया है। इधर डीएमसीएच में एवीएस तीन हजार से अधिक है। एआरवी की दवा आठ हजार से अधिक बताया गया इसके अलावा कई जीवन रक्षक दवाओं का भी पुख्ता इंतजाम किया गया है। जिन दवाओं की कमी है उन दवाओं की खरीद की जा रही है। इनमें ब्लीड्क्षचग पॉउडर, हैलोजन टेबलेट, ओआरएस पॉकेट व एंटीबायोटिक दवाएं शामिल हैं।क्या कहते है सिविल सर्जन डॉ. संजीव कुमार सिन्हा ने बताया कि कुछ दवाओं की खरीद के लिए प्रक्रिया चल रही है। सभी पीएचसी में दवाओं की आपूर्ति कर दी गई है। सभी पीएचसी के प्रभारियों को बताया गया है कि दवा की कमी होने पर शीघ्र सूचना दें। ताकि दवा की आपूर्ति की जा सके।

अहमदाबाद में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एक प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया।

जम्मू में अलग राज्य के रूप में जम्मू के निर्माण की मांग को लेकर शिवसेना कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया।

जबलपुर के रानी दुर्गावती अस्पताल के बाल चिकित्सा वार्ड में नवजात शिशु को देखने पहुंची नर्स।

एक नजर

क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी के शिकार हुए भाजपा नेता, लगभग 37 हजार रुपये का चूना लगा

रायपुर । भाजपा के राज्यसभा सदस्य और छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री रामविचार नेताम क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी का शिकार हो गए हैं। एक अज्ञात व्यक्ति ने कथित तौर पर इसका दुरुपयोग किया और लगभग 37 हजार रुपये का लेनदेन किया। पुलिस ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में सांसद के रिश्तेदार ने गुरुवार रात रायपुर के तेलीबांधा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। तेलीबांधा पुलिस स्टेशन के स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ), सोनल ग्वाला ने बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने सांसद रामविचार नेताम के नाम से जारी एसबीआइ क्रेडिट कार्ड का दुरुपयोग कर लगभग 36,844 रुपये का लेनदेन किया है। लेन-देन इस साल 24 फरवरी को किया गया था। उन्होंने कहा कि नेताम के पास वह क्रेडिट कार्ड था, लेकिन उसकी वैधता 2020 में समाप्त हो गई थी, जिसके बाद उन्होंने इसे नष्ट कर दिया था। उसके बाद, नेताम ने इसके रीन्यूअल के लिए कोई अनुरोध नहीं किया। सोनल ग्वाला ने आगे बताया कि नेताम की अनुमति और जानकारी के बिना, किसी अज्ञात चालबाज व्यक्ति ने धोखे से क्रेडिट कार्ड का रीन्यूअल कराने और लेनदेन करने में सफल रहा। भाजपा नेता को उनके साथ हुई ठगी के बारे में तब पता चला जब बैंक के कार्यकारी ने उनको 45,668 रुपये के भुगतान के लिए बुलाया। इसमें लेनदेन को लेकर कर और ब्याज भी शामिल है। सोनल ग्वाला ने यह भी बताया कि प्रारंभ में, नेताम ने बैंक को बताया कि उनके द्वारा ऐसा कोई लेनदेन नहीं किया गया था और क्रेडिट कार्ड भी उनके पास उपलब्ध नहीं है, क्योंकि इसकी वैधता समाप्त हो गई है। हालांकि, उन्हें भुगतान के लिए बैंक से फोन आते रहे। ऐसे में वह बैंक गए, जहां उन्हें लेनदेन के बारे में पता चला। इसके बाद शिकायत दर्ज की गई। इस संबंध में भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मुआवजा राशि जमा होने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 15 जून तक फैसला रखा सुरक्षित, केस बंद करने को लेकर होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने केरल के दो मछुआरों की इटली नौसैनिकों द्वारा हत्या के मामले में 15 जून तक अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। दरअसल, भारत में दो इटली के नौसैनिकों के खिलाफ आपराधिक मामला चल रहा है। इस संबंध में केंद्र सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दोनों नौसैनिकों के खिलाफ भारत में लंबित आपराधिक कार्यवाही को रद करने के लिए आवेदन किया था। यानी अब 15 जून के बाद होने वाली अगली सुनवाई में तय होगा कि इटली के दो नौसेनिकों के खिलाफ भारत में मामला बंद होगा या नहीं। बता दें कि15 फरवरी 2012 को केरल में इटली के दो नौसैनिकों ने दो भारतीय मछुआरों की हत्या कर दी थी। इसके बाद केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर मामले की सुनवाई को बंद करने का आग्रह किया था और नुकसान की भरपाई के लिए इटली से हर्जाने का भुगतान करने को कहा था। मामले में केंद्र सरकार ने आज बताया कि बतौर मुआवजा इटली से मिली धनराशि का भुगतान सुप्रीम कोर्ट में कर दिया गया है। कोर्ट के मुताबिक, मृतक मछुआरों के परिजनों के लिए इटली ने बतौर मुआवजा 10 करोड़ रुपये दिया है।

पद्म श्री प्रोफेसर राधामोहन का 78 साल की उम्र में हुआ निधन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जताया शोक

नई दिल्ली । पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित और प्रख्यात अर्थशास्त्री से ओडिशा के पर्यावरणविद बने राधामोहन का शुक्रवार को निधन हो गया। वह 78 वर्ष के थे। जब उनका भुवनेश्वर के एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था। उनके निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक जताया है। पीएम मोदी ने ट्वीट कर लिखा- प्रोफेसर राधामोहन जी कृषि के प्रति विशेष रूप से स्थायी और जैविक प्रथाओं को अपनाने के प्रति गहरे जुनूनी थे। उन्हें अर्थव्यवस्था और पारिस्थितिकी से संबंधित विषयों पर उनके ज्ञान के लिए भी सम्मानित किया गया था। उनके निधन से दुखी हूं। उनके परिवार और प्रशंसकों के प्रति संवेदना। शांति। राधामोहन को पिछले साल उनकी बेटी के साथ कृषि में उनके काम के लिए भारत के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। उन्हें ओडिशा के नयागढ़ जिले में केवल जैविक तकनीकों का उपयोग करके भूमि के एक अपमानित टुकड़े को एक विशाल खाद्य वन में बदलने के उनके प्रयासों के लिए श्रेय दिया गया। पिता-पुत्री की जोड़ी ने जैविक खेती तकनीक सीखने और बीजों के आदान-प्रदान के लिए देश भर के किसानों के लिए संसाधन केंद्र के रूप में संभव की शुरुआत की। उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय प्रोफेसर राधामोहन ओडिशा राज्य के पूर्व सूचना आयुक्त भी थे। पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित राधामोहन के निधन पर ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक और अन्य प्रतिष्ठित हस्तियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

जीवन परिचय- राधामोहन का जन्म 30 जनवरी 1943 को नयागढ़ जिले के रंगानी पटना गांव में हुआ था। उन्होंने ओडगांव में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और एससीएस कॉलेज, पुरी से अर्थशास्त्र में ऑनर्स के साथ स्नातक किया। उन्होंने 1965 में उत्कल विश्वविद्यालय से एप्लाइड इकोनॉमिक्स में मास्टर डिग्री हासिल की।

सचिन पायलट बोले- रीता बहुगुणा जोशी की मुझसे नहीं सचिन तेंदूलकर से बात हुई होगी

जयपुर । जितिन प्रसाद के बाद अब राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के कांग्रेस छोड़ने को लेकर कयास लग रहे हैं। हालांकि खुद पायलट ने इस तरह की संभावानों को नकारते हुए कहा कि मैं कांग्रेस में हूं और रहूंगा। भाजपा नेता रीता बहुगुणा जोशी के उस बयान को पायलट ने गलत बताया जिसमें उन्होंने कहा था कि मेरी सचिन पायलट से बात हुई है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि रीटा बहुगुणा जोशी की बात सचिन तेंदुलकर से हुई होगी,सचिन पायलट से तो हुई नहीं। शुक्रवार को महंगाई के बीच कांग्रेस के प्रदर्शन में शामिल होने के बाद मीडिया से बात करते हुए पायलट ने कहा कि रीटा बहुगुणा जोशी का मुझसे बात करने का साहस नहीं है,शायद उनकी बात सचिन तेंदुलकर से हुई होगी। जोशी ने दो दिन पहले कहा था कि मेरी पायलट से बात हुई है,वे शीघ्र ही बीजेपी का हिस्सा हो सकते हैं। सीएम अशोक गहलोत के साथ लंबे समय से चल रही खींचतान के बीच जितिन प्रसाद के कांग्रेस छोड़ने और जोशी का बयान आने के बाद पायलट के भाजपा में शामिल होने के कयास लगाए जाने लगे थे। पायलट ने कहा कि मेरे पिता ने कांग्रेस की मजबूती के लिए काम किया और मैं भी पार्टी सशख्त करने के लिए काम करूंगा । उन्होंने कहा कि मैं किसी भी हालत में कांग्रेस नहीं छोड़ूंगा। हालांकि उन्होंने कांग्रेस आलाकमान द्वारा 10 माह पूर्व किए गए वादे के पूर नहीं होने पर जरूरत चिंता जताई। पायलट ने कहा कि विधायकों और कार्यकर्ताओं को सम्मान मिलना चाहिए।

भाजपा विधायकों की बैठक 15 जून को, भूपेंद्र यादव के पहुंचने से शुरू हुई अटकलें

अहमदाबाद । गुजरात के भाजपा विधायकों की बैठक 15 जून को गांधीनगर में होगी। इसमें कोरोना महामारी, प्रदेश में विकास कार्यों पर चर्चा होगी। माना जा रहा है कि राज्य के बोर्ड तथा निगमों में राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर भी इसमें कोई फैसला होगा। पार्टी के प्रभारी एवं सांसद भूपेंद्र यादव भी शुक्रवार को गांधीनगर पहुंचे। गांधीनगर में पिछले दो-तीन दिनों से भाजपा विधायक अपनी-अपनी लोबिंग में लगे हैं। मंत्रिमंडल में स्थान नहीं पा सके भाजपा विधायक तथा कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल किए कुछ विधायकों को बोर्ड निगम मिलने की उम्मीद है। इसीलिए गांधीनगर में हर विधायक अपनी लॉबिंग में लगा है। कोरोना महामारी के दौरान विधायकों की ओर से किए गए जनसेवा कार्य को भी इसमें प्राथमिकता दी जा सकती है।

गुजरात भाजपा के प्रभारी एवं सांसद भूपेंद्र यादव के गुजरात पहुंचने से कई अटकलें भी शुरू हो गई है। गुजरात प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीआर पाटिल काफी ताकतवर माने जाते हैं इस कारण दक्षिण गुजरात के विधायक सरकार एवं संगठन के बीच संतुलन बनाने में लगे हैं। सूरत में पांच हजार रेमडेसीविर इंजेक्शन भाजपा की ओर से निशुल्क बांटने को लेकर चर्चा में आए विधायक हर्ष संघवी काफी सक्रिय विधायक माने जाते हैं लेकिन रुपाणी व पाटिल के पावर गेम में संघवी को नुकसान हो सकता है।

रुपाणी से जब भाजपा की ओर से इंजेक्शन बांटने को लेकर सवाल पूछा गया तो उनका दो टूक यही कहना था कि जो इंजेक्शन बांट रहे हैं उनसे ही पूछना चाहिए। सरकार ने उस दौरान सरकारी अस्पताल अथवा प्राधिकृत फार्मेसी कंपनी के माध्यम से ही इंजेक्शन की बिक्री तथा वितरण की व्यवस्था की थी ताकि इंजेक्शन की कालाबाजारी तथा मुनाफाखोरी को रोका जा सके।

इससे पहले पाटिल ने भाजपा कार्यालय पर आकर मंत्रियों के द्वारा कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनने का फरमान जारी किया था इसको लेकर काफी चर्चा हुई लेकिन बाद में स्वर्णिम संकुल में ही बैठकर मंत्री जनता एवं कार्यकर्ताओं की समस्याओं को सुनने लगे। अब एक बार फिर बोर्ड निगम को लेकर विधायकों में उम्मीद जगी है लेकिन रुपाणी तथा पाटिल खेमें में बंटे विधायक असमंजस की स्थिति में हैं। मंत्रिमंडल में जगह नहीं पा सके विधायक अब बोर्ड निगम के लिए आशा लगाएं तथा गांधीनगर में अपने लिए लाबिंग में भी जुटे हैं।

कोरोना के कारण दो माह से भाजपा विधायकों की बैठक नहीं हो सकी थी जो 15 जून को होगी। इसमें राज्य में कोरोना की स्थिति, सरकार के विकास कार्यों की समीक्षा तथा मानसून से पहले प्रबंधन कार्य पर भी चर्चा होगी। मुख्यमंत्री विजय रुपाणी, भाजपा अध्यक्ष पाटिल, प्रदेश संगठन महासचिव भीखूभाई दलसाणिया, भाजपा के प्रदेश महासचिव तथा प्रदेश भाजपा पार्लियामेंट्री बोर्ड के सदस्य शामिल होंगे।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने डेल्टा वैरिएंट पर चिंता जताई

जयपुर । राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोरोना के नए वैरिएंट पर चिंता जाहिर की है। गहलोत ने कहा, राजस्थान कोरोना के डेल्टा वैरिएंट ने कहर बरपाया है। इस बात का खुलासा बुधवार को आई एक रिपोर्ट में हुआ है। दूसरी लहर में इसी कारण ज्यादा मौतें हुई और हालात बदतर हुए हैं। उन्होंने कहा जीनोम सिक्वेसिंग से पता चला कि कोरोना का वैरिएंट बहुत खतरनाक है। यह वैरिएंट यूके, अमेरिका, सिंगापुर सहित कई देशों में फैला है ।

गहलोत ने यह बात प्रदेश के विभिन्न वैटरिनरी भवनों के वर्चुअल उद्घाटन समारोह में कही। उन्होंने कहा डेल्टा वैरिएंट के भय से लंदन में लॉकडाउन खुलने पर रोक लग गई है। हमें डर है कि यह वैरिएंट इतना घातक नहीं हो जाए कि वैक्सीन के प्रभाव को ही खत्म नहीं कर दे। ऐसी जानकारी जब आती है तो सबका फर्ज बनता है कि जनता के साथ इसे साझा किया जाए, जिससे सावधानी बरतें।

राकांपा अध्यक्ष शरद पवार को भरोसा साथ नहीं छोड़ेगी शिवसेना, पीएम से मुलाकात के बाद पैदा हुआ संशय

मुंबई । दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी एवं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की कुछ मिनट अकेले में हुई मुलाकात ने महाविकास आघाड़ी में हलचल पैदा कर दी है। शिवसेनानीत त्रिदलीय सरकार के चलने पर आशंकाएं व्यक्त की जाने लगी हैं। लेकिन राकांपा अध्यक्ष शरद पवार को भरोसा है कि शिवसेना महाविकास आघाड़ी के बाकी दो साथियों का साथ नहीं छोड़ेगी। सरकार न सिर्फ अपना कार्यकाल पूरा करेगी, बल्कि अगले लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में भी तीनों दल अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आज शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की 22वीं वर्षगांठ थी। इस अवसर पर बोलते हुए शरद पवार ने कहा कि ऐसा संशय पैदा किया जा रहा है कि महाविकास आघाड़ी सरकार अधिक समय तक नहीं चल पाएगी। लेकिन शिवसेना ऐसा दल है, जिस पर भरोसा किया जा सकता है। बालासाहब ठाकरे ने इंदिरा गांधी के साथ अपने वचन का सम्मान किया था। अब महाविकास आघाड़ी सरकार भी अपना कार्यकाल पूरा करेगी और अगले चुनाव में भी तीनों दल मिलकर अच्छा प्रदर्शन करेंगे। माना जा रहा है कि शरद पवार को यह उम्मीद दो दिन पहले दिल्ली में प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की कुछ देर के लिए अकेले हुए मुलाकात के कारण जतानी पड़ रही है। क्योंकि इस मुलाकात के बाद से महाविकास आघाड़ी सरकार के भविष्य को लेकर आशंका जताई जा रही है।

पवार ने आगे कहा कि हमने अलग-अलग विचारधाराओं वाले दलों की सरकार बनाई है। हमने कभी नहीं सोचा था कि एक दिन शिवसेना के साथ सरकार बनाएंगे। क्योंकि हमने कभी साथ काम नहीं किया था। लेकिन सरकार बनने के बाद हमारा अनुभव अच्छा है। कोविड महामारी के दौरान हम मिलकर बेहतर काम कर रहे हैं। बता दें कि शरद पवार को शिवसेना के साथ अपने संबंधों की इतनी दुहाई इसलिए देनी पड़ रही है, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी से कुछ पल के लिए हुई अकेली मुलाकात के बाद जब मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से इस बारे में पूछा गया था तो उन्होंने तपाक से कहा था कि मैं कोई नवाज शरीफ से मिलने नहीं गया था। अगर मैं उनसे अलग से मिला तो इसमें गलत क्या है? उद्धव ने यह भी जोड़ा कि आज हम राजनीतिक तौर पर उनके साथ नहीं हैं। लेकिन इसका यह मतलब भी नहीं है कि हमारे व्यक्तिगत संबंध भी खत्म हो गए हैं। यही नहीं, अक्सर भाजपा के प्रति अपने तेवर तीखे रखने वाले शिवसेना नेता संजय राऊत भी उद्धव-मोदी की मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री की तारीफ में कसीदे काढ़ते दिखाई दे रहे हैं। आज जलगांव में पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए राऊत ने कहा कि पिछले सात साल से भाजपा अपनी सफलताओं का श्रेय मोदी को देती आ रही है।

आयशा सुल्ताना के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज, लक्षद्वीप पुलिस ने जैविक हथियार वाली टिप्पणी पर लिया एक्शन

कवरत्ती । केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप पिछले कई दिनों से विवादों में बना हुआ है। इसके पीछे कि वजह प्रदेश के प्रशासक प्रफुल पटेल द्वारा किए गए बदलावों को बताया जा रहा है। ऐसे में अब फिल्म निर्माता आयाश सुल्ताना के खिलाफ लक्षद्वीप पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर ली है। अभिनेत्री पर एक टेलिविजन बहस के दौरान जैविक हथियार वाली टिप्पणी को लेकर राजद्रोह का मामला दर्ज हुआ है। दरअसल, भाजपा की लक्षद्वीप ईकाई अक्ष्यक्ष अब्दुल खादर द्वारा कवरती पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अपनी शिकायत में खादर ने आरोप लगाया है कि सुल्ताना ने एक मलयालम चैनल में बहस के दौरान केंद्र शासित प्रदेश में कोरोना के प्रसार के बारे में झूठी खबर का प्रसार किया। खादर ने कहा कि सुल्ताना ने एक टीवी बहस के दौरान कहा था कि केंद्र सरकार ने लक्षद्वीप में कोरोना के प्रसार के लिए जैविक हथियारों का इस्तेमाल किया। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो कवरती पुलिस ने फिल्म निर्माता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 124 ए (राजद्रोह) और 153 बी (अभद्र भाषा) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सुल्ताना ने राष्ट्र विरोधी दिया बयान - अब्दुल खादर- गौरतलब है कि भाजपा नेता ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि सुल्ताना ने राष्ट्र विरोधी बयान दिया है, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार की देशभक्ति की छवि को धूमिल किया। इतना ही नहीं भाजपा नेता ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग भी की है। बता दें कि इससे पहले भी भाजपा ने फिल्म निर्माता के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए लक्षद्वीप में विरोध प्रदर्शन किया था। बता दें कि सुल्ताना लक्षद्वीप के चेटियाथ द्वीप की रहने वाली हैं। स्थानीय मॉडल और अभिनेत्री सुल्ताना ने कई मलयालम फिल्म निर्माताओं के साथ कार्य किया है।

दशकों से अपराधियों का महफूज पनाहगार रहा कोलकाता, बंगाल से दर्जनों आतंकी पकड़े गए हैं

कोलकाता । कोलकाता में बुधवार को बंगाल एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में पंजाब के दो इनामी गैंगस्टर जयपाल भुल्लर और जसप्रीत जस्सी का मारा जाना कोलकाता के लिए कोई नई बात नहीं है। कोलकाता शुरू से ही अपराधियों के छिपने का महफूज ठिकाना रहा है। पिछले कुछ सालों में अकेले बंगाल से करीब दो दर्जन आतंकवादी पकड़े गए हैं। इनमें जेएमबी, अल-कायदा, लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी शामिल हैं। इसके अलावा पिछले तीन दशक में कोलकाता के विभिन्न इलाकों से दूसरे राज्यों के कई कुख्यात अपराधियों के साथ प्रतिबंधित संगठनों के सदस्यों की गिरफ्तारी हुई है।

दरअसल दशकों से अपराधी कोलकाता को सुरक्षित पनाहगार के रूप में चुनते आए हैं। राज्य के एक पुलिस अधिकारी के अनुसार महानगर में सियालदह, हावड़ा तथा कोलकाता तीन प्रमुख स्टेशन हैं, जिससे दूसरे राज्यों की संपर्क व्यवस्था बहुत ही सुगम है। इतना ही नहीं अंतरराष्ट्रीय सीमा शहर से सिर्फ तीन घंटे की दूरी पर है। नतीजतन सीमा पार करना बहुत आसान है। कोलकाता में लाखों की भीड़ में घर किराए पर लेकर छिपना भी आसान है। यही वजह है कि दशकों से आतंकवादी, कुख्यात अपराधी तथा प्रतिबंधित संगठनों के सदस्य कोलकाता तथा उसके आसपास के जिलों में पनाह लेते आए हैं।

कई कुख्यात अपराधियों ने कोलकाता में ली थी पनाह

दिसंबर 1998 में एक व्यवसायी के अपहरण के मकसद से कोलकाता आए उत्तर प्रदेश के कुख्यात अपराधी बबलू श्रीवास्तव के दाहिना हाथ मंजीत सिंह मांगे को पंजाब पुलिस की टीम ने गिरफ्तार किया था। पुलिस के साथ मुठभेड़ में उसका एक साथी मारा गया था। 1998 में ही कोलकाता के लेकटाउन से डकैती गिरोह का सरगना वाजिद अकुंजी की गिरफ्तारी हुई थी, जो एक फ्लैट में छिपा था। तीस साल पहले 1991 में खालिस्तानी संगठन के सदस्य दंपती कोलकाता के तिलजला में पंजाब पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारे गए थे। वे यहां किराए के मकान में छिपे हुए थे। 1993 में बब्बर खालसा समूह का एक सदस्य जो कोलकाता के भवानीपुर में छिपा हुआ था। पंजाब से आए उसके विरोधियों ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी थी। 2001 में पता चला था कि हूजी आतंकवादी समूह के आफताब अंसारी ने कोलकाता को आतंकवादियों को पनाह देने के लिए एक सुरक्षित शहर के रूप में चुना था। जनवरी, 2002 में अमेरिकन सेंटर पर हमले के अपराधी कोलकाता के तिलजला और तपसिया में छिपे हुए थे।

दस्यु से सांसद बनीं फूलन देवी की हत्या का दोषी शेर सिंह राणा तिहाड़ जेल से भागकर कोलकाता में छुपा था और मई 2006 में उसकी भी कोलकाता के धर्मतल्ला इलाके से गिरफ्तारी हुई थी।

चल रही महामारी के बीच भारत ने नेपाल को भेजी वेंटिलेटर और एम्बुलेंस सहित चिकित्सा सहायता

नई दिल्ली । पड़ोसी मुल्क नेपाल भी इस वक्त कोरोना की मार झेल रहा है। वहीं भारत भी खुद कोरोना की दूसरी लहर का सामना कर रहा है। हालांकि, भारत में अब अनलॉक शुरू हो चुका है। मुश्किल की इस घड़ी में नेपाल की मदद के लिए भारत ने हाथ बढ़ाएं है। भारत की तरफ से नेपाल को कोरोना से लड़ने के लिए वेंटिलेटर और एम्बुलेंस सहित चिकित्सा सहायता प्रदान की है। नेपाल में भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने शुक्रवार को नेपाली सेना के प्रमुख जनरल पूर्ण चंद्र थापा को दोनों देशों के सहायता प्रदान की। दोनों देशों के बीच बीच घनिष्ठ सहयोग का यह संकेत हैं।

नेपाल में भारतीय दूतावास की तरफ से कहा गया कि भारत और नेपाल एक साथ कोरोना से लड़ रहे हैं। वेंटिलेटर और एम्बुलेंस सहित चिकित्सा उपकरण आज नेपाली सेना के प्रमुख जनरल पूर्ण चंद्र थापा को राजदूत क्वात्रा द्वारा सौंपी गई है।

बता दें कि नेपाल में कोरोना वायरस वैक्सीन सहित चिकित्सा सुविधाओं की कमी देखी जा रही है, जिसके चलते मंगलवार को शुरू किया गया टीकाकरण अभियान रुका हुआ था। भारत के अलावा नेपाल की मदद के लिए विभिन्न यूरोपीय देश भी सामने आए हैं। कोरोना का मुकाबला करने लिए विभिन्न यूरोपीय देशों से चिकित्सा सहायता हिमालयी राष्ट्र को भेजी गई है।

इस साल मई महीने में गर्मी ने नही छुड़ाए पसीने, दर्ज हुआ 44 साल का न्यूनतम तापमान

नई दिल्ली । इस साल मई के महीने में गर्मी से लोगों को काफी राहत मिली है। देश में मई में काफी कम तापमान दर्ज किया गया है। मौसम विभाग की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, 1901-2021 के बीच मई महीने का यह चौथा न्यूनतम औसत तापमान है। इतना ही नहीं साल 1977 यानी 44 सालों से भी कम का यह तापमान है। आइएमडी द्वारा जारी किए आंकड़े के मुताबिक, 1977 के बाद से इस साल मई महीने में 33 से 34 के करीब न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है।

दिल्लीवासियों को गर्मी से मिली राहत- उधर, भयंकर गर्मी से जूझ रहे दिल्लीवासियों को वीकेंड आते-आते राहत मिल गई है। बीते दिन शाम को अचानक राजधानी का मौसम बदला। तेज आंधी के बाद हुई बारिश के चलते लोगों ने चैन की सांस ली। वहीं यूपी में भी मौसम सुहाना हो गया है। राजधानी लखनऊ समेत कई इलाकों में गुरुवार को हुई बारिश के बाद मौसम में बदलाव दर्ज हुआ।

महाराष्ट्र हुआ पानी-पानी- अगर मानसून की बात करें तो भारतीय मौसम विभाग ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून अच्छी गति से आगे बढ़ रहा है और अगले दो दिनों में यह बंगाल और झारखंड के सभी इलाकों तक पहुंच जाएगा। हालांकि, पिछले दिनों महाराष्ट्र में मानसून की दस्तक के बाद काफी बारिश हुई, जिसके चलते लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। राजधानी मुंबई सहित कई इलाकों में भारी बारिश के चलते जलभराव भी हो गया।

आइएमडी की मानें तो मानसून दक्षिण गुजरात के कुछ और इलाकों, महाराष्ट्र के बचे हुए इलाकों, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, दक्षिण मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों, छत्तीसगढ़ और दक्षिण गुजरात भी पहुंच गया है। मौसम की विभाग के मुताबिक, मानसून के गुजरात के कुछ और हिस्सों, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ के बाकी बचे इलाकों, पूरे बंगाल और झारखंड, बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों और उत्तरी बंगाल की खाड़ी में अगले 48 घंटे में पहुंचने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। विभाग ने बताया कि भारत के मैदानी इलाकों में अगले चार दिनों तक तेज हवाएं (25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से) चलने की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती चक्रण बना हुआ है जिसके चलते उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और आसपास के इलाके में अगले 24 घंटे के दौरान कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। जिसके चलते अगले 24 घंटे में मानसून के मजबूत होने और ओडिशा के ऊपर पश्चिम उत्तर पश्चिम दिशा की ओर बढ़ने की संभावना है।

विभाग के मुताबिक, आज और कल ओडिशा के कई इलाको में भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा 11-13 जून को छत्तीसगढ़ में, 13 जून को पूर्वी मध्य प्रदेश में और 12-13 जून को विदर्भ में भारी बारिश होने का पूर्वानुमान है। वहीं उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में 12 जून को मूसलाधार बारिश का पूर्वानुमान है।

यहां पर भी बरसेंगे मेघा- मौसम विभाग ने बताया कि तटीय इलाकों में निम्न दबाव के साथ पश्चिमी हवाओं के मजबूत होने से महाराष्ट्र के तटीय इलाकों में 10 से 15 जून तक और तटीय कर्नाटक में 12 से 15 जून तक मूसलाधार बारिश का दौर जारी रह सकता है। वहीं केरल में भी 12 से 15 जून तक भारी बारिश होने की संभावना बनी हुई है।

कृति सेनन

ने सुशांत सिंह राजपूत के साथ वाला VIDEO किया शेयर, देख भावुक होने लगे लोग

सुशांत सिंह राजपूत (Sushant Singh Rajput) की पहली पुण्यतिथि से पहले एक्ट्रेस कृति सेनन (Kriti Sanon) ने जो राब्ता (Raabta) में दिवंगत एक्टर की सह-कलाकार थीं, ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म के 4 साल पूरे होने के मौके पर एक वीडियो क्लिप शेयर की. यह फिल्म 2017 में 9 जून (आज) को रिलीज हुई थी. वीडियो क्लिप में कृति और सुशांत को फिल्म की शूटिंग के दौरान मस्ती करते हुए देखा जा सकता है.

क्लिप के साथ कृति ने सुशांत सिंह राजपूत के साथ फिल्म की शूटिंग के अपने दिनों को याद करते हुए एक इमोशनल नोट लिखा है. उन्होंने लिखा है, %तन लड़े, तन मुक जाए रूह जुड़े, जुड़ी रह जाए... मैं जुड़ने में विश्वास करती हूं, मेरा मानना है कि हम उन लोगों से मिलने के लिए हैं जो हम करते हैं .. सुशांत, डीनू और मैडॉकफिल्म्स के साथ मेरा राब्ता बस के लिए था हो.. फिल्में आती हैं और चली जाती हैं..लेकिन हर एक फिल्म के पीछे बहुत सारी यादें होती हैं.. हम जो संबंध बनाते हैं और जिस पल हम एक-दूसरे के साथ रहते हैं, वह हमारे भीतर रहता है..दूसरों से कुछ ज्यादा..राब्ता इनमें से मेरे लिए सबसे अच्छा और सबसे यादगार अनुभव रहा और यह हमेशा मेरे दिल के बेहद करीब रहेगा.. मुझे कम ही पता था कि यह हमारा पहला और आखिरी प्रोजेक्ट होगा.

सुशांत के बारे में कृति की आखिरी पोस्ट पिछले साल 26 जुलाई को थी, जब उन्होंने मरणोपरांत ओटीटी पर रिलीज हुई एक्टर की फिल्म %दिल बेचारा% देखी. फिल्म देखने के बाद, कृति ने सुशांत को आखिरी बार पर्दे पर देखने के बारे में अपने विचार लिखे थे. उन्होंने लिखा, %यह सेरी नहीं है! और यह कभी नहीं डूबेगा.. इसने मेरा दिल तोड़ दिया..फिर से.. मैनी में मैंने आपको इतने क्षणों में जीवित देखा. मुझे पता था कि सुशांत ने कहां अपने कैरेक्टर में अपने आप को उतार लिया था... और हमेशा की तरह, आपकी सबसे जादुई बिट्स आपकी खामोशी थी.. वे बिट्स जहां आपने कुछ नहीं कहा और फिर भी आपने बहुत कुछ कहा! मुकेश छाबड़ा, मुझे पता है कि यह फिल्म हमेशा आपके लिए बहुत अधिक मायने रखेगी... आपने हमें अपनी पहली बार में बहुत सारी भावनाओं को महसूस कराया! आप और संजना सांघी को आगे की खूबसूरत यात्रा की शुभकामनाएं. काम के मोर्चे की बात करें तो कृति सेनन अपकमिंग फिल्म बच्चन पांडे और भेड़िया में क्रमश: अक्षय कुमार और वरुण धवन के साथ दिखाई देंगी.

उर्वशी रौतेला

से होटल में हो गई बहुत बड़ी गलती, सोशल मीडिया पर हाथ जोड़कर मांगी माफी

बॉलीवुड (Bollywood) एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला (Urvashi Rautela) की अदाओं की दुनिया दीवानी है. सोशल मीडिया (Social Media) पर उनकी काफी फैन फॉलोइंग है. उर्वशी के झलक पाने के फैंस बेकरार रहते हैं. सोशल मीडिया पर वह काफी एक्टिव है और अक्सर अपनी तस्वीरों और वीडियो को शेयर करती रहती हैं. हाल ही में वह भारत से बाहर टबिलिस में शूट करने के लिए पहुंचीं. जिस होटल में वह ठहरी थीं, वहां उनसे एक बहुत बड़ी गलती हो, जिसके लिए उन्होंने अपने फैंस से हाथ जोड़कर माफी मांगी है.उर्वशी रौतेला (Urvashi Rautela) ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जो खूब वायरल हो रहा है. जो वीडियो उन्होंने अपलोड किया है, उसमें उनका एक फैन उर्वशी के न मिलने पर नाराजगी जाता रहा है. फैन की नाराजगी के देखने के बाद उन्होंने वीडियो शेयर कर माफी भी मांगी है.

दरअसल, एक्ट्रेस इस बात से अनजान थीं कि उनके 50-60 फैंस होटल के नीचे पिछले 72 घंटे से बिना सोये इंतजार कर रहे थे, लेकिन जब वह होटल से बाहर निकली तब उन्हें पता चला की फैंस उनका इंतजार कर रहे थे. उर्वशी को जल्दी कहीं दूसरी जगह जाना था, इसीलिए कुछ ही फैंस के साथ उन्होंने फोटो क्लिक कराई और वह से वो चली गई. फैंस ने वीडियो बनाया और सोशल मीडिया साइट पर अपलोड कर जब उर्वशी ने इस बात को नोटिस किया तब उन्होंने सभी से माफी मांगी.

वीडियो शेयर कर उन्होंने लिखा- मैं अपने तहे दिल से मेरे यूरोप के फैंस से माफी चाहती हूं, मेरी तबीयत खराब थी और मिल नहीं पाई, ये सभी के लिए है जिन्होंने मेरे लिए 72 घंटे इंतजार किया है मेरे होटल के बहार.

मैं आप सभी से प्यार करती हूं और मुझे चिंता भी है आपकी, जिसने भी ये वीडियो अपलोड किया है प्लीज उससे टैग कीजिये और मैं आप सभी से पर्सनली खुद मिलना चाहूंगी, मुझे बेहद अफसोस है और मैं आप सभी से क्षमा प्राप्त हूं #love #urvashirautela.'उर्वशी के बॉलीवुड करियर की बात करें तो उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है.

साल 2016 में सनम रे, 2016 में ही ग्रेट ग्रैंड मस्ती, 2018 में हेट स्टोरी 4, 2019 में पागलपंती और 2020 में वर्जिन भानुप्रिया फिल्म की थी. इसके साथ वह कई म्यूजिक वीडियो में आ चुकी है. उर्वशी अपनी आने वाली वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश; की शूटिंग में व्यस्त हैं, जहां उनके साथ रणदीप हुड्डा नजर आएंगे.

कंगना रनौत ने काम न होने का रोना रोया, बोलीं- इसलिए टैक्स भरने में हुई देरी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत (Kangana Ranaut) ईमानदारी के साथ टैक्स भरने में विश्वास रखती हैं. कंगना आए दिन अपने बयान की वजह से सुर्खियों में रहती हैं. हालांकि अपने कमेंट पर कायम रहती हैं और उसे जस्टिफाई करने की कोशिश करती हैं, लेकिन इस बार उन्होंने अपनी गलती मानी हैं. टैक्स भरने में कंगना को इस बार देर हो गई और इसकी वजह भी बताई. बॉलीवुड 'क्वीन' ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया है कि बॉलीवुड में सबसे अधिक टैक्स स्लैब (Highest Ta& Paying Actress) एक्ट्रेस में आती हैं.

कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर किया है. एक स्टोरी में बताया है कि 'हालांकि मैं हाईएस्ट टैक्स स्लैब में आती हूं. अपनी आय का लगभग 45 फीसदी टैक्स देती हूं. जबकि मैं सबसे अधिक टैक्स देने वाली एक्ट्रेस हूं लेकिन पिछले साल काम न होने की वजह से आधा टैक्स नहीं भर पाई थी. लाइफ में पहली बार टैक्स भरने में मुझसे देरी हुई लेकिन सरकार अगर पेंडिंग मनी पर इंटरेस्ट चार्ज करती है तो इसका मैं वेलकम करती हूं. हमारे लिए यह मुश्किल भरा समय है लेकिन मिलकर हम सभी समय से भी अधिक मजबूत हो सकते हैं'.

एक दिन पहले ही कंगना रनौत अपने मुंबई के पाली हिल स्थित दफ्तर का जायजा लेने पहुंची थीं. इन दिनों वहां रेनोवेशन का काम किया जा रहा है. कंगना के ऑफिस में अवैध निर्माण बताते हुए पिछले साल बीएमसी ने तोड़फोड़ की थी.

हाल ही में कंगना एक्ट्रेस यामी गौतम की फोटो पर कमेंट को लेकर सुर्खियों में थीं. बता दें कि यामी की शादी के बाद उनकी फोटो पर पर कमेंट करते हुए विक्रांत मैसी ने उनकी तुलना राधे मां से की थी. जिसके बाद कंगना ने विक्रांत मैसी के कमेंट को लेकर उन्हें निशाने पर लिया था और उन्हें कॉकरोच बता दिया था. इसके बाद आयुष्मान खुराना के सिंपल और रियल कहने पर भी रिएक्शन देते हुए परंपरा का पाठ पढ़ाया.

जाह्नवी कपूर के शेयर करते ही इंटरनेट पर छाया VIDEO, हर कोई हो रहा एक्ट्रेस का दीवाना

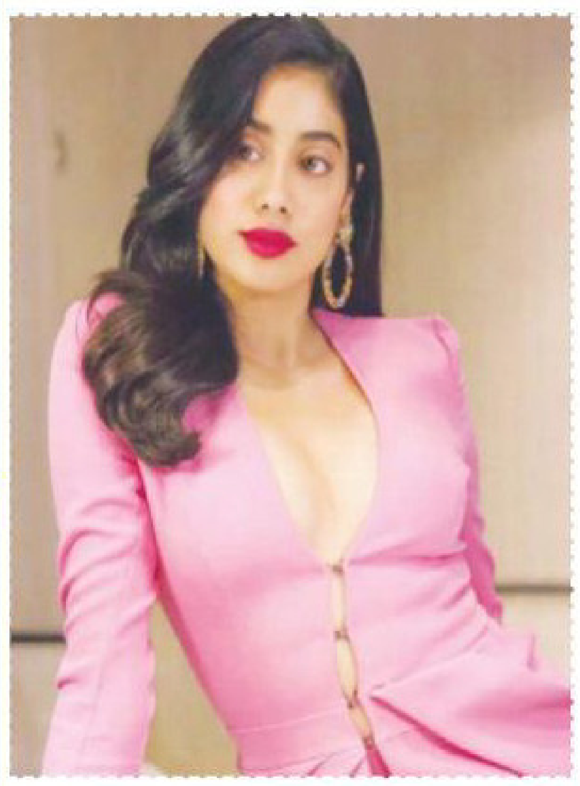

जाह्नवी कपूर (Janhvi Kapoor) अपनी मां एक्ट्रेस श्रीदेवी (Sridevi) की तरह ही खुशमिजाज तबीयत की हैं. वे अक्सर सोशल मीडिया (Social Media) पर अपनी कई मजेदार वीडियोज और फोटोज शेयर करती रही हैं. यही वजह है कि इंस्टाग्राम (Instagram) पर उन्हें लाखों लोग फॉलो करते हैं और उनकी हर एक अदा पर जान छिड़कते हैं. अब एक्ट्रेस ने अपना एक वीडियो शेयर किया है, जिसे उनकी कई क्लिप्स को मिलाकर बनाया गया है. वीडियो के बैकग्राउंड में अमेरिकी सिंगर फ्रैंक सिनात्रा (Frank Sinatra) का गाना बज रहा है.

जाह्नवी कपूर के इस वीडियो से उनके जीवन की झलक मिलती है. वीडियो में अलग-अलग समय में उनके मिजाज को दिखाया गया है. वीडियो में कहीं वे बाइक पर दिख रही हैं, तो कहीं घर के अंदर कैमरे पर अपने मजेदार एक्सप्रेशन दे रही हैं. वे किसी दूसरी क्लिप में समुद्र किनारे मस्ती के अंदाज में दिख रही हैं. यकीनन, एक्ट्रेस का यह वीडियो फैंस के मिजाज को खुशनुमा बना देगा. जाह्नवी की इस वीडियो पर फैंस के साथ-साथ सेलेब्स भी जमकर कमेंट कर रहे हैं.

काम की बात करें तो जाह्नवी कपूर को कुछ समय पहले रिलीज हुई फिल्म 'रूही' में देखा गया था. फिल्म में उन्हें एक्टर राजकुमार राव और वरुण शर्मा का साथ मिला था. वे फिल्म गुड लक जेरी में काम कर रही हैं, जो सिद्धार्थ सेनगुप्ता के डायरेक्शन में बनी रही है. इसके अलावा जाह्नवी करण जौहर की फिल्म दोस्ताना 2 में भी काम कर रही हैं.

दूसरा गेंद डालने के लिए कोहनी मोड़ने की मौजूदा 15 डिग्री की सीमा को बढ़ाए आईसीसी : अश्विन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारत के स्टार स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को लगता है कि सकलैन मुश्ताक एकमात्र स्पिनर थे जो अपने करियर के दौरान वैध दूसरा गेंद करते रहे हैं। अश्विन ने कहा कि आईसीसी को दूसरा गेंद डालने के लिए कोहनी मोड़ने की मौजूदा 15 डिग्री की सीमा को बढ़ाना चाहिए। अश्विन ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व परफॉरमेंस विश्लेषक प्रसन्ना अगोराम से चर्चा के दौरान ऑफ स्पिनरों की इस खतरनाक गेंद के बारे में विस्तार से बातचीत की। सकलैन ने दूसरा फेंकने की शुरूआत की थी। मुथैया मुरलीधरन, हरभजन सिंह और सईद अजमल भी इस गेंद से बल्लेबाजों को चौंका देते थे। अश्विन ने अपने तमिल यूट्यूब चैनल शो द लीजेंड ऑफ द दूसरा में अगोराम के साथ चर्चा में कहा मेरे हिसाब से, हमें दूसरा को खत्म नहीं करना चाहिए। बल्कि स्पिनरों को कोहनी के उचित मोड़ के साथ जिम्मेदारी से दूसरा गेंद फेंकने के लिए सक्षम बनाना चाहिए।

उन्होंने कहा इसमें किसी भी तरह का उल्लघंन नहीं होना चाहिए। हर किसी को माइनस 15 डिग्री या 20-22 डिग्री तक मोड़ के साथ गेंदबाजी की अनुमति देनी चाहिए। अगोराम चाहते हैं कि आईसीसी कोहनी को 15 डिग्री तक मोड़ने की सीमा को बढ़ा दे और साथ ही स्पिनरों को जिम्मेदारी से दूसरा गेंद फेंकनी चाहिए।

अगोराम कहा मैं बल्ले और गेंद में बराबर संतुलन चाहता हूं। गेंदबाजों को भी बल्लेबाजों की तरह आजादी की जरूरत है। इसी से प्रतिस्पर्धा बेहतर हो सकती है। मैं गेंदबाजों को टी20 क्रिकेट में 125 रन के स्कोर का बचाव करते हुए देखना चाहता हूं लब्बोलुवाब यही है। अगोराम ने कहा लेकिन कुछ मामलों में जब अंपायरों का एक्शन सिर्फ दूसरा के लिए होता है, तो मैं चाहता हूं कि आईसीसी इस कोहनी के मुड़ाव को 18.6 डिग्री तक कर दे।

गेंदबाजों को अगर दूसरा गेंदबाजी की अनुमति मिल जाती है, तो प्रतिस्पर्धा (बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच) पर विचार किया जाना चाहिए। अश्विन ने भी कहा कि पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर सकलैन मुश्ताक ही एकमात्र गेंदबाज थे, जो दूसरा गेंद को खूबसूरती से वैध रूप से फेंकते थे। उनके अनुसार वैध दूसरा फेंकने वाले एक अन्य स्पिनर शोएब मलिक हैं, जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी पर ज्यादा ध्यान लगाना शुरू कर दिया है।

विजडन ने भारत की संभावित अंतिम ग्यारह घोषित की, सिराज को मिली जगह

लंदन, (एजेंसी)। क्रिकेट की सबसे प्रतिष्ठित पत्रिका विजडन ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के पहले ही भारत की संभावित अंतिम ग्यारह घोषित की है। विजडन की भी इस संभावित अंतिम ग्यारह में अनुभवी इशांत शर्मा की युवा मोहम्मद सिराज को शामिल किया गया है जबकि आर अश्विन एक मात्र स्पिनर हैं। विजडन ने विराट कोहली की कप्तानी वाली भारतीय संभावित अंतिम ग्यारह में रोहित शर्मा के साथ शुभमन गिल को सलामी बल्लेबाज के तौर पर शामिल किया है। वहीं तीसरे नम्बर पर बल्लेबाजी के लिए चेतेश्वर पुजारा जबकि चौथे और पांचवें नम्बर के लिए कोहली तथा अजिंक्य रहाणे को जगह दी है। छठे नम्बर पर बल्लेबाजी के लिए युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत हैं। इसी के साथ ही ऑलराउंडर के तौर पर रविंद्र जडेजा को शामिल किया गया है। वहीं गेंदबाजों की बात करें तो चार गेंदबाजों को विजडन ने संभावित अंतिम ग्यारह में जगह दी है जिसमें अश्विन एक मात्र स्पिनर हैं जबकि बाकी के लिए तीन तेज गेंदबाज हैं। मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए भारत की संभावित अंतिम ग्यारह इस प्रकार है : रोहित शर्मा, शुभमन गिल, चेतेश्वर पुजारा ,विराट कोहली (कप्तान) ,अजिंक्य रहाणे, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद सिराज, मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह।

अटलांटिक सिटी में पेशेवर मार्शल आर्ट मुकाबलों में एक-दूसरे पर आक्रमण करते हुए क्लासेरा शील्ड व ब्रिटनी इलकिन।

पेरिस के रोला गैरा में फ्रैंच ओपन टेनिस के मिश्रित युगल मुकाबले में जीत के बाद उत्साहित डिजायरी क्रवजेक और जो सेलिसबरी।

शुभमन इंग्लैंड में शानदार प्रदर्शन करेगा : हरभजन

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। हरभजन ने कहा कि आईपीएल में मिली विफलता से सबक सीखते हुए शुभमन इंग्लैंड में उन गलतियों को नहीं दोहरायेगे औ बेहतर बल्लेबाज करेंगे। इस पूर्व स्पिनर ने कहा, पहली पारी में 375 से 400 रन का स्कोर भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण के लिए अच्छा रहेगा हालांकि इसके लिए शुभमन को भी रन बनाकर अपना योगदान देना होगा। वहीं सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को विश्व कप के दौरान सफेद गेंद से काफी सफलता मिली है और वह काफी अनुभवी भी हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले साल दिसम्बर में टेस्ट में डेब्यू करने वाले शुभमन ने अभी तक 7 मैचों की 13 पारियों में में 34.36 के औसत के साथ ही कुल 378 रन बनाए हैं जिसमें 3 अर्धशतकीय पारियां भी शामिल हैं।

श्रीलंका दौरे में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे धवन

मुम्बई, (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज शिखर धवन की कप्तानी में भारतीय टीम अगले माह जुलाई में श्रीलंका दौरे पर जाएगी। भारतीय टीम अपने इस दौरे में तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैच भी खेलेगी, ये सभी मैच कोलंबो में खेले जाएंगे। इस टीम की उपकप्तानी अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को सौंपी गयी है। 20 सदस्यीय इस टीम में युवाओं के साथ ही अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं। टीम इंडिया में उन खिलाड़ियों को विशेष रुप से अवसर मिला है, जिन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अच्छा प्रदर्शन किया था। आईपीएल के निलंबित हुए सत्र के पहले हिस्से में अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ियों पृथ्वी शॉ, देवदत्त पडिक्कल, ऋतुराज गायकवाड़, नीतीश राणा, चेतन सकारिया, वरुण चक्रवर्ती और संजू सैमसन को इस दौरे के लिए शामिल किया गया है। इन सभी ने आईपीएल 14 के 29 मैचों में अपने प्रदर्शन से चयन समिति का ध्यान खींचा था। पृथ्वी और सैमसन को इससे पहले भी भारतीय टीम में खेलने का मौका मिल मिला था पर ये दोनो ही अपनी जगह पक्की करने में नाकाम रहे। वहीं, पडिक्कल, गायकवाड़, राणा और सकारिया का पहली बार टीम इंडिया में चयन हुआ है।

इन खिलाड़ियों का आईपीएल-14 के पहले सत्र में अच्छा प्रदर्शन रहा है। दिल्ली कैपिटल्स की ओर से युवा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी ने 8 मैचों में करीब 39 की औसत से 308 रन बनाए। वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स के नीतीश राणा कई वर्षों में टीम इंडिया में जगह का इंतजार कर रहे थे। संजू सैमसनः आईपीएल-14 का पहला शतक राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने ही बनाया था।

ऋतुराज गायकवाड़ः चेन्नई सुपर किंग्स के इस ओपनर ने आईपीएल में पिछले साल डेब्यू किया था। ऋतुराज ने अपनी बल्लेबाजी से हर किसी को प्रभावित किया।

चेतन सकारियाः राजस्थान रॉयल्स के इस युवा गेंदबाज के लिए पिछले कुछ महीने बेहद मुश्किल रहे हैं। साल की शुरूआत में सकारिया ने अपने भाई को खोया था. इसके कुछ महीने बाद उनके पिता की भी कोरोना से मौत हो गई। राजस्थान का ये गेंदबाज जब आईपीएल खेल रहा था तो उस दौरान ही उन्हें पिता के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की जानकारी मिली थी. लेकिन इन तमाम मुश्किलों के बाद भी सकारिया ने अच्छा प्रदर्शन किया।

देवदत्त पडिक्कलः रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के युवा ओपनर देवदत्त पडिक्कल ने पहले कोरोना को मात दी और बाद में अपनी बल्लेबाजी से विरोधी टीमों को पस्त किया। पडिक्कल ने आईपीएल-14 में 6 मैच खेले और 39 की औसत से 196 रन बनाए। वरुण चक्रवर्तीः मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने पिछले दो वर्षों में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। चक्रवर्ती आईपीएल में कोलकाता नाइट नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए महत्वपूर्ण गेंदबाज बन गए हैं।

टीम इस प्रकार है : शिखर धवन (कप्तान), भुवनेश्वर कुमार (उप कप्तान), पृथ्वी साव, देवदत्त पडीक्कल, रूतुराज गायकवाड, सूर्यकुमार यादव, मनीष पांडे, हार्दिक पंड्या, नितीश राणा, इशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), युजवेंद्र चहल, राहुल चाहर, के गौतम, कृणाल पंड्या, कुलदीप यादव, वरूण चक्रवर्ती, दीपक चाहर, नवदीप सैनी और चेतन सकारिया।

नेट गेंदबाज : ईशान पोरेल, संदीप वारियर, अर्शदीप सिंह, साई किशोर, सिमरजीत सिंह।

शेल्डन जैक्सन ने घरेलू क्रिकेट में किया बेहतरीन प्रदर्शन, फिर भी नहीं मिली बी टीम में जगह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। श्रीलंका दौरे के लिए 3 एकदिवसीय और 3 टी20 मैचों की सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो गया है। भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन टीम की अगुआई करेंगे और तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में 6 अनकैप्ड खिलाड़ियों को मौका दिया गया है।

दरअसल, विराट कोहली की अगुआई में टीम इंडिया इस समय इंग्लैंड दौरे पर है, जहां उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मैच खेलना है और फिर मेजबान के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। ऐसे में कोहली, रोहित शर्मा, जसप्रीत बुमराह जैसे स्टार खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में श्रीलंका दौरे पर कई युवा खिलाड़ियों को खुद को साबित करने का मौका मिला, मगर इस दौरे के लिए भी शेल्डन जैक्सन 20 सदस्यीय टीम में अपना स्थान नहीं बना पाए और इस वजह से उनका दिल बुरी तरह से टूट गया।

रोहन गावस्कर ने जैक्सन को कहा मौके के लिए हमेशा तैयार रहो। घरेलू क्रिकेट के स्टार जैक्सन ने टीम बी के लिए भी नजरअंदाज किए जाने के बाद सोशल मीडिया पर टूटे दिल का इमोजी शेयर करके अपना दर्द बयां किया। दो रणजी सीजन में 800 से अधिक रन बनाने वाले जैक्सन को स्टार खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में श्रीलंका दौरे पर टीम में स्थान मिलने की उम्मीद थी, मगर टीम के ऐलान के साथ ही उनका दिल भी टूट गया।

घरेलू क्रिकेट में इस खिलाड़ी के नाम फर्स्ट क्लास, लिस्ट ए और टी20 तीनों को मिलाकर कुल 27 शतक है। 76 फर्स्ट क्लास मैचों में 19 शतक और 27 अर्धशतक सहित 5 हजार 634 रन है। जबकि 60 लिस्ट ए मैचों में 7 शतक और 11 अर्धशतक सहित 2 हजार 96 रन है। जैक्सन ने 59 टी20 मैचों में 1 शतक और 6 अर्धशतक सहित कुल 1240 रन बनाए हैं।

खेतों में मजदूरी कर रही स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एक ओर तो सरकार खिलाड़ियों को प्रेरित करने के लिए कई योजनाएं चला रही हैं। वहीं लगातार ऐसे मामले सामने आ रहे हैं जब आर्थिक तंगी के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को मजदूरी तक करनी पड़ रही है। हाल में झारखंड की एक खिलाड़ी को ईंट भट्टे पर काम करते देखा गया था। अब पंजाब की कराटे खिलाड़ी हरदीप कौर को धान के खेतों में काम करना पड़ा रहा है। हरदीप की आमदनी केवल 300 रुपए प्रति दिन है जबकि इस खिलाड़ी ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण सहित 20 से अधिक पदक जीते हैं। हरदीप का कहना है कि गरीबी के कारण वह खेतों में मजदूरी करने को मजबूर है। कहा कि उसने कभी कल्पना नहीं की थी कि उसे एक दिन खेत मजदूर के रूप में काम करने के लिए मजबूर किया जाएगा। हरदीप ने कहा, हम एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखते हैं। हमारे पास जमीन नहीं है और इसलिए हमें मजदूरों के रूप में काम करना पड़ता है। मैं धान के खेतों में काम करके 300 रुपए से 350 रुपए के बीच कमाती हूं। मुझे अपने परिवार की सहायता के लिए खेतों में काम करना पड़ता है। हरदीप कौर के पिता नायब सिंह 55 और मां सुखविंदर कौर 45 भी धान के खेत में काम करते हैं। हरदीप फिलहाल पटियाला से फिजिकल एजुकेशन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कर रही हैं। उन्होंने कहा,मैं पटियाला में डीपीईडी की पढ़ाई कर रही हूं और अपनी पढ़ाई का खर्च उठाने और माता-पिता की सहायता के लिए घरेलू काम करती हूं और अब धान के खेतों में काम कर रही हूं। हरदीप ने कहा कि जब 2018 में उसे मलेशिया में स्वर्ण पदक मिला था तब सरकारी नौकरी देने की घोषणा की गई थी लेकिन सरकार ने यह वादा अब तक पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा, पंजाब के खेल मंत्री राणा गुरमीत सोढ़ी ने उनसे मुलाकात की थीऔर सरकारी नौकरी देने की घोषणा की थी पर तीन साल बीत गये हैं और यह वादा अब तक अधूरा है। वह नौकरी के सिलसिले में 4 बार चंडीगढ़ भी गयी थी पर कोई फायदा नहीं हुआ। उसे एक आवेदन जमा करने के लिए भी कहा गया था, लेकिन उसके बाद किसी भी सरकारी कार्यालय द्वारा कभी नहीं बुलाया गया।

वार्नर और स्टोइनिस द हंड्रेड क्रिकेट के पहले टूनार्मेंट में नहीं खेलेंगे

सिडनी, (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर और ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस द हंड्रेड क्रिकेट का पहला टूनार्मेंट नहीं खेलेंगे। द हंड्रेड एक 100-बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता है जिसमें प्रमुख खिलाड़ी (पुरुष और महिला दोनों) इंग्लैंड में गर्मियों के मौसम में टूनार्मेंट में भाग लेंगे।

वार्नर और स्टोइनिस इस टूनार्मेंट में साउथन ब्रेव की तरफ से खेलने वाले थे। ये दोनों ही शीर्ष टी20 खिलाड़ी हैं और ऐसा माना जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के साथ-साथ कोविड-19 महामारी के कारण यात्रा प्रतिबंधों के कारण इन खिलाड़ियों ने ये फैसला लिया होगा। वहीं इंग्लैंड और वेल्स बोर्ड (ईसीबी) ने अपने एक बयान में कहा, डेविड और मार्कस जैसे खिलाड़ियों का शामिल नहीं होना निराशाजनक है, लेकिन कोविड की वास्तविकताओं का मतलब है कि कुछ विदेशी खिलाड़ियों के लिए ऐसी व्यावहारिकताएं हैं जिन्हें दूर करना संभव नहीं है। विदेशी खिलाड़ियों को बदलने के लिए साउथन ब्रेव द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे और हम इस गर्मी में द हंड्रेड के आयोजन के लिए तैयार हैं।

इस बीच 5 भारतीय महिला क्रिकेटरों जिसमें शैफाली वर्मा, स्मृति मंधाना, हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा - द हंड्रेड के उद्घाटन संस्करण में भाग लेंगी। शैफाली नंबर एक रैंक वाली बल्लेबाज है और वह सोफी डिवाइन के प्रतिस्थापन के रूप में बर्मिंघम फीनिक्स में शामिल हुई हैं। हरमनप्रीत कौर 21 जुलाई को किआ ओवल में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स में शामिल होने के साथ शुरूआती मैच में दिखाई देंगी। उत्तरी सुपरचार्जर्स के लिए जेमिमा रोड्रिग्स अपनी सेवाएं देंगी। स्मृति मंधाना सदर्न ब्रेव में डैनी व्याट के साथ एक विनाशकारी ओपनिंग साझेदार के रूप में तैयार हैं जबकि दीप्ति शर्मा लंदन स्पिरिट में इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट के साथ खेलेंगी।

द हंड्रेड में आठ टीमें एक-दूसरे से खेलेंगी। प्रतियोगिता में पहला मैच ओवल इनविंसिबल्स और मैनचेस्टर ओरिजिनल्स की महिला टीमों के बीच 21 जुलाई को खेला जाएगा। द हंड्रेड एक 100-बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता है जिसमें प्रमुख खिलाड़ी (पुरुष और महिला दोनों) इंग्लैंड में गर्मियों के मौसम में टूनार्मेंट में भाग लेंगे।

सभी निशानेबाज से ओलंपिक पदक की उम्मीदें : कोच

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय पिस्टल टीम के विदेशी कोच पावेल स्मिरनोव के अनुसार आगामी टोक्यो ओलंपिक में भारत के सभी निशानेबाज पदक जीत सकते हैं। हाल के वर्षों में भारतीय निशानेबाजों ने शानदार सफलता हासिल की है और ऐसे में पावेल को उम्मीद है कि टोक्यो में ज्यादा से ज्यादा निशानेबाज पदक जीतने में सफल रहेंगे। कोच के अनुसार भारतीय दल में सौरभ चौधरी , मनु भाकर,

अभिषेक वर्मा और यशस्विनी सिंह देसवाल जैसे प्रतिभाशाली निशानेबाज शामिल हैं यह सभी पदक के प्रबल दावेदार हैं जबकि अनुभवी राही सरनोबत के होने से टीम को मजबूती मिलती है। स्मिरनोव ने कहा, उनमें से प्रत्येक निशानेबाज पोडियम पर जगह बना सकता है और वर्षों से मैंने भारतीय निशानेबाजी को देखा है। अपने दिन वे स्वर्ण पदक के साथ ही शीर्ष स्तर पर कोई भी पदक जीत सकते हैं। भारतीय निशानेबाजी टीम 2016 रियो खेलों में पदक जीतने में विफल रही थी। उसके बाद ओलंपिक चैंपियन अभिनव बिंद्रा की अगुआई में समीक्षा समिति की सिफारिशों पर भारतीय निशानेबाजी ढांचे में कई बदलाव हुए थे जिसका अच्छा परिणाम नजर आ रहा है।

लंदन ओलंपिक 2012 में 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल में रजत पदक जीतने के दौरान विजय कुमार को कोचिंग देने वाले पावेल को इसके बाद राष्ट्रीय पिस्टल टीम का विदेशी कोच नियुक्त किया गया। उन्होंने कहा कि मुझे इस टीम से काफी उम्मीदें हैं। वे अच्छा प्रदर्शन करने में हकदार हैं क्योंकि उन्होंने काफी बलिदान दिए हैं, कम उम्र में परिपक्वता दिखाई है और पिछले चार साल में बेहद कड़ी मेहनत की है। हमारे लिए खेलों में अच्छे परिणाम हासिल नहीं कर पाने का कोई कारण नहीं है।

यूजीन में ओरेगन की केंवा नेलसन ने महिलाओं की 100 मीटर रेस जीती।

सौरव गांगुली ने रखा मान : यासिर अराफात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पूर्व पाकिस्तानी तेज गेंदबाज यासिर अराफत ने खुलासा किया है कि बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली बहुत व्यस्त होने के बावजूद उनकी शादी में शामिल हुए। इसके लिए वह उनके विशेष आभारी हैं। यासिर अराफात ने बताया कि उन्होंने कई क्रिकेटरों को न्योता भेजा था, मगर कोई नहीं आया, सौरव गांगुली उनकी शादी में शामिल हुए और वह पल उनके लिए सबसे यादगार पल बन गया।

यासिर अराफात ने कहा गांगुली विनम्र व्यक्ति हैं। गांगुली ने उस समय बहुत व्यस्त होने के बावजूद उनकी शादी के लिए समय निकाला। इसके लिए वह उनके हृदय से आभारी हैं। यासिर ने कहा मुझे नहीं लगता कि ज्यादा फैंस इस बारे में जानते होंगे कि गांगुली मेरी शादी में शामिल हुए थे।

इस गेंदबाज का इंटरनेशनल करियर हालांकि ज्यादा लंबा नहीं चला। उन्होंने 2007 से 2012 के बीच 3 टेस्ट, 11 वनडे और 13 टी20 मैचों में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया था। जहां उन्होंने 29 विकेट लिए। वह 2009 में पहला और एकमात्र टी20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पाकिस्तान टीम का भी हिस्सा थे। उसने श्रीलंका को 8 विकेट से हराकर खिताब जीता था। हालांकि इंटरनेशनल स्तर पर वो ज्यादा सफल नहीं हुए।

हालांकि, काउंटी क्रिकेट में उनके नाम का डंका बजा करता था। उन्होंने ससेक्स, सरे, हैम्पशर और समरसेट जैसी इंग्लिश घरेलू टीमों का प्रतिनिधित्व किया था। यासिर ने कहा कि मौजूदा पाकिस्तानी टीम को एमएस धोनी जैसे कप्तान की जरूरत है, जो टीम को मैनेज करना जानता हो। उन्होंने कहा कि हमारे क्रिकेटरों में योग्यता है, मगर उन्हें धोनी के जैसे काबिलियत वाले कप्तान की जरूरत है।